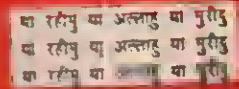


रुहानी इलाज

म्याज शमसुददीन अजीमी



issuu.com/biblicalarchaeology मास

अपने विषय पर एक मात्र किताब

हर प्रकार की मानसिक मनोवैज्ञानिक और शारीरिक रोगों का

सहाजीकरण

लेखा :-

इब्बाजा शमसुद्दीन अजीमी

अनुवाद :-

साहित्यिक धामपुरी

समाप्ति :-

नसीम बुक डिपो

C/85, जनकपुरी दिल्ली

पहली बार

संकलन

मूल्य: ₹ 30.00

अनुवाद-

अक्षर मुद्रक-

1994

तनवीरफारुकी

शालिक धामपुरी

issuu.com/abdul23/niall/odisha

३

विषय सूची

पृष्ठिका	८	उपसर्ग	३७
उपसर्ग और अभिलेख	१३	आम बुझार	२८
इनाजत और वादीन की	१४	वारी का बुझार	२८
नुकल		टाइफ़ाईड मोतीझा	२८
आरोह का इलाज	१५	मीआदी बुझार खसरा	
आसमादी व नमीनी पुलीबते	१६	सूझा	२८
मोतिया और पड़ताल	१७	पसली बलना और नमुनिया	३०
निगाह की कमजोरी	१८	कान का दर्द	३१
अंख का नागू	१८	काली झरसी	३१
मेगापन	१८	बिस्तार में पेशाब करना,	३२
आंखों के सामने धून	२०	मिठी खाना	
तैरता हुआ नगर आना		त्रिद करना	३२
इतिहास	२१	पेट में कीड़े	३२
इतिहास में कामयाबी	२१	दांत निकलना	३२
के लिए		तपने में इतना	३३
एलजी	२२	बच्चों का गुम हो जाना	३३
बिल का दौरा	२२	पूछ न लगना, लीजना	
एगर्जीमा	२३	कमजोर होना, पड़ने में दिन	
आंखों में घाव	२३	न लगना, बदल पर बाले पब्बे	
आंखों की टी० बी०	२४	घुटी आदत से मुक्ति के लिए	३४
आंखों में खुरकी	२४	बुझाईशार, नर्वस बेक शाउट	३५
आंख उतरना	२४	पानीपत रोग	
पस्टी की कमजोरी	२५	एहलाम से छुटकारे के लिए	३५
औलार का नागरमान होना	२६	बदल में दद	३६

बिष्णु राय का काटना	३७	बस में करना, रागी की	४८
सर के बाल लम्बे	३८	जोब करना तिली कर इलाज	
करने के लिए		जलानी में बचपन की शकल ५१	५१
जुहासे में कम सुनना	३८	निराधान	
बहरापन दूर करने के लिए	३८	निंसी कबिला पैदा करना	५२
बनाल में गिलडिया	३९	निंसी इच्छा(पिर मर्द,औरत)	५२
बेहोशी से होश में लाना	३९	जगू का तोड़	५३

बहन भाइयों का आपस में झगड़ना	३९	बिन्नों के लिए छाजित	५३
नरकल के लिए	४०	निरासी व रुकानी योग्यताओं की तनदीद	५४
बदचल्की के कारण परेशानी	४०	बोरी की आदत सुझाना	५४
बवारीर, बादो बवारीर,	४१	चलने फिरने की मजदूरी	५५

खूरी बवारीर के लिए		चोहरा सुन्दर व आकर्षक	५६
साफेद दाग	४२	मैस	५६
बीमारो समझ न आना	४२	मनवाही शादी के लिए	५७
सिंहि का रोग		सफर में हिसानत के लिए	५८
पेचिया	४३	दिमाग की रग पटना	५८

गलाजियो में दर्द	४३	दिमागी कमजोरी	६१
गाँगा	४३	दाग धब्बे और घाव	६१
गिला जलना	४४	के निशान	
गोला बुननी	४४	दांत पीसने की आदत	६२
गंधा भाग		देखाव	६७

ISSUE/CONTRACT/INDEB/INDIA/INDIA/INDIA			
बार बार आना,			
तबाहला सकमाना,	४७	दात या दाद में दर्द	६४
तबाहला कारण		सर में दर्द, सख्त दर्द कही ६५	६५
		पी हो कान में दर्द रीठ की	
		हड्डी में दर्द	

गुदरी और कमर में दर्द	६६	दुख की कभी, धनेला	८२
लगाड़ी का दर्द		सीने का सपाट होना	८२
आमा सीसी का दर्द	६८	बेहरे और जिस पर	८३
डिम्भीरिया, जिमाकीस	६८	उने अधिक बाल	
नेहन का आउट होना	६९	हीस्टीरिया	८३
रा फटने से घूर आना		गुत्से की ज्यादा	८४
रासेली	७०	फालिस व सकुवा	८५
सैयदना हुनूर सल्ल० की		कर्ज की वसूली के लिए	८६
जिमातल व कदम बोली	७१	कैदी की रिहाई के लिए	८७
शादी के लिए	७१	फर में बढौवरी	
शोहर का गुस्ता कम करना ७२		दुआ कुबूल कराने के लिए	८८
शोहर से बीवी की ज्यादा ७२		कैसा	८८
शोहर और बीवी का लड़ना ७३		कुब या कुबूड़	८९
शाऊरी कमजोरी छाप होना ७४		छोटी बाही में बरकल	८९
लाऊन	७४	काम में रिल न लगाना	
रमल पिर जाना और बच्चा ७७		कुत्ते का काटना	९२
का पैदा होते ही मर जाना		कहू दाते और केचवे	९२
औलाद न होना (बंकरपन)		गुर्दे की बीमारिया	९२
भाहकारी का बिगाड़	७८	गंन, गठिया और मुट्ठों	९३

महावर्ति की ज्यारती	७८	दर्, लू लगना	६४
सकौरिया और रहम के		मुह से बरबू आना	६४
समस्त रोग	८०	भिरगी का दौरा	६४
रुमल के बाद पेट का बदन ८०		परी में औरतपन	६४
विल्ले के अन्य रोग	८१	नकीर फूटना, नजला	६७
बच्चे की पैदाइश में		नका या गुला	६८
आतानी		नाक से बरबू आना	६८
		अधिकारियों व अफसरों	१०८
		को बस में करना	१०८
		जानू का तोड़	१०८
		वेचक, यारकान या पीलिया	१०८
नाक टलना	८८	रात को सोते में	११०
नशे की आदत छुड़ाने के	८८	खलना	१११
लिए		जबल के बाद बेहोशी	१११
नाक की बीमारियाँ	८८	का दौरा	११२
हिवाकिया	१००	कारोबार में रुकावट	११२
रुक्तावट या लसल	१००	किती सवाल का जवाब	११२
रुडिडियों की बीमारियाँ	१००	देते समय जवान का	११२
निसमे रुडिडियों लगती है		रुकना	११३
हेला	१०१	कांच निकलना	११३
रुडिडियों का पूरा न होना	१०१	मुह में धून पर नाग	११४
रुडिडियों का बदन	१०१	नीकरी या कारोबार	११४
आबान की सुन्दर बनाना	१०२	की प्राची	११४
अलसर या पेट में घाव	१०२	हुरी नजर	११६
अलसे दुपना या ओखी	१०४	खात इसे आजम	११८
३ गुला	१०५	हुनर सल के पाक नाम	१३७
भारीव का तावीज	१०५	मी इसे आजम है	१३७
अन्नी के रस में गुलाब	१०६	रुआनी इसे आजम	१४४

बागल और पैरों से बरबू	१०६	की विशेषता	१४८
आपल लूसी			
पीलिया			
दिमागी परेखानी निससे	१०८	वाले है	१४९
आरेव का शक हो		खासुत खास इसे आजम	१४९
अधिकारियों व अफसरों	१०८	शरीफ	१४९
को बस में करना		दुआए गने इस्लाम इलाही	१४९
जानू का तोड़	१०८	अहद नामा	१४९
वेचक, यारकान या पीलिया	१०८	दखेतान	१४९
		दुआए नमीला	१४९
		इस्तिखारा	१४९
		रोजा रखने और खोलने	१४९
		की दुआए	१४९

Shawish Abdul Ghalan
 Mughalwar, 04/04/21
 CAC-080880-75-4000

भूमिका

आदमी जिंदगी के सारे पलटते छोटे-छोटे टुकड़ों में तै करता है जैसे एक सैंडविच का कोई क्लेशन ! आदमी की जिंदगी चाहे सी सात की बसो न हो लेकिन वह इन्हीं पलटती में बंटी रहती है । सोचने की बात यह है कि आदमी जिंदगी बसर करने के लिए जेहन में वक़्त के टुकड़े जोड़ता है और इन्हीं टुकड़ों से काम लेता है इन्हीं टुकड़ों के तूफ़ान में जिनको हम सोचना या विचार करना कहते हैं हम या तो एक टुकड़े से आगे दूसरे टुकड़े पर आ जाते हैं या वक़्त के उस टुकड़े से पलटते हैं ।

इसे अच्छी तरह समझना चाहिए कि आदमी अभी सोचता है कि मैं जाना खाऊंगा लेकिन उसके पेट में गड़बड़ा है इसलिए वह यह इरादा छोड़ देता है कब तक वह इस इरादे पर कायम रहेगा इस बारे में उसे कुछ पता नहीं, कहने का मतलब यह है कि असाध्य विचार ही उसकी जिंदगी के पिले जुते टुकड़े हैं जो उसे नाकाम या कामयाब बनाते हैं । अभी यह एक इरादा करता है फिर उसे छोड़ देता है चाहे भिन्दों में करता है कुछ पंटों में करता है या मशीनों और सातों में छोड़ता है । बाताना यह है कि इरादा करके छोड़ देना आदमी की जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा है क्योंकि वह फ़ितरी तौर पर अताप मतलब हुआ है । पशुव सी बातें हैं जिन्हें आदमी मुश्किल, बीमारी, परेशानी, बेअमली, उकताहट, बेचैनी आदि कहता है इनके मुकाबले में एक ऐसी कैफियत है जिससे वह सुख का नाम देता है । यह नहीं कहा जा सकता कि मैं सारी बातें हरायी है बात यह है कि इनमें से कुछ चीज़ें केवल कल्पना पर आधारित हैं ।

अपनी बात

शक और बे यकीनी के तूफ़ान से पैदा होने वाली लगभग दो सी बीमारियों और पसलों की जमा करके इस किताब में उनका हल दिया जा रहा है किताब "रहानी इतान" में मिलने भी लोगों का इतान और पलटों का हल पेश किया गया है वे सब मुझे ओबेसिटी, कृतन्त्रिया और अजीबिया के रिलीसिले से मिले हैं और इस किब्र ने इन सब अमलों की जकाल अदा की है मैं अल्लाह के बन्दों की सेवा के लिए इस रहानी इतान को आम करता हूँ और सम्पदना हुनूर सल्लं के बसीले से उआ करता हूँ कि अल्लाह मेरी इस कोशिश को कुबूल करमाए और परेशानियों से मरफूज़ रखे ।

छानना रामपुरदान अजीमी

इन्सान के दिमाग की बनावट ही ऐसी है कि वह हर आशानी की तरफ दीखता है और हर मेहनत से नी पुराता है खुली बात है कि ये दो सिमते हैं और इन सिमतों में आदमी हमेशा दिवसों के जरिए सफर करता है उसकी हर हरकत का जरिया इन सिमतों में से एक सिम है। होता यह है कि अभी हमने एक तटवीर की फिर उसे बनाया यहां तक कि वह मुकम्मल हो गयी उसकी सिमत भी सही थी लेकिन केवल दस कदम चलने के बाद हमारे जेहन में तटवीरों आ गयी तटवीरों अर्थात् ही विचार बदल गये नतीजे में सिम भी बदल गयी चुनावों हम जिस मंजिल की तरफ जा रहे थे वह खत्म हो गयी हमारे पास क्या बाकी रहा ? टटोलना और टटोलकर कदम उठाना। याद रहे कि यह चीज यकीन और शक के बीच की राहों की था।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इन्सान का आधार वहम और यकीन पर है मजबूत की इस्तिलाह में इती को शक और ईमान कहा गया है। अल्ताह दिमाग में शक को जगह देने से मना करते हैं और जेहन में यकीन को प्रकट करने का हुस्न देते हैं। कुरआन में इसीद है —“ला रयबा” “कोई शक नहीं” यह अल्ताह की किताब है और उसी को हिलावल बख्शती है जिसका यकीन ग़िब पर है। जिस शक को अल्ताह ने मना फुरमाया है वही शक है जिससे आदम अलै० की मान रखने का हुस्न दिया गया था अर्थात् कार शैतान ने बहकाकर यह शक आदम अलै० के दिमाग में डाल दिया जिसकी वजह से हजरत आदम अलै० को जन्नत से निकाला गया। इसी जगह से आदम के दिमाग में दो सिमतों को जगह मिली यानि शक और यकीन।

इस हकीकत की रोशनी में इलान के दिमाग का आधार यकीन व शक पर है यही वह शक और यकीन है जो दिमाग की नती में हर वस्तु अमल करता रहता है नितनी शक की अधिकता होगी उतनी ही दिमागी नती में टूट फूट होगी। यह बताना बड़ा जरूरी है कि यही वे दिमागी नती हैं जिनके तहत दिमाग के तारे कल पुर्जे

काम करते हैं और इन्हीं की वजह से इन्सानो निन्दगी में हरकत

नितना फ़रेब को झुठलाना। इसकी मिसाल ऐसी है कि इन्सान जो कुछ है वह अपने को उसके खिलाफ़ पेश करता है वह हमेशा अपनी कमजोरियां छिपाता है और उनकी जगह काल्पनिक खूबियां बयान करता है जो उसके अन्दर मौजूद नहीं हैं। सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि वह जिस समाज में तबियत पाकर जवान हुआ है वह समाज उसका अर्कीदा बन जाता है। उसका जेहन इस तबियत नहीं रहता कि उस अर्कीदे का अच्छी तरह जायजा ले सके। वह अर्कीदा यकीन की जगह ले लेता है हालांकि वह केवल एक फ़रेब है। सबसे बड़ी वजह इसकी यही है कि आदमी जो कुछ अपने को जाहिर करता है ऐसा है नहीं बल्कि उससे उल्टा है।

इस तरह की निन्दगी गुज़ारने में उसे बड़ी मुश्किलें पेश आती हैं ऐसी मुश्किलें जिनका हल आदमी के पास नहीं है इस निन्दगी में कदम-कदम पर उसे खतरा महसूस होता है कि उसका अमल बेकार हो जाएगा और वे नतीजा साबित होगा। कभी-कभी आदमी यह समझने लगता है कि उसकी पूरी निन्दगी बर्बाद हो रही है अगर बर्बाद भी नहीं है तो सफल खतरे में है। यह सब उन दिमागी नती की वजह से होता है जिनमें शक की वजह से टूट फूट हो रही होती है इसी टूट फूट की वजह से उसके इरादों और अमल में रुकावट पैदा होती है अमल वे नतीजा साबित होता है और उसे ज़ुकसान पहुंचता है।

आदमी का दिमाग अमल में उसके अधिकार में है वह नसी की टूट फूट को यकीन की ताकत से कम और ज्यादा कर सकता है टूट फूट की कमी से होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है।

आदमी भी एक जानवर है किसी तरह से उसने आग का इस्तेमाल सीख लिया और आग के इस्तेमाल से घीरे-घीरे कानों की सुनियाद पड़ी। किताब “रंग और रोशनी से इलान” में आदमी

के भार भार इस्तेमाल से जो वे केवल खेल के तौर पर करते हैं कामयाबी होने लगती है। धीरे धीरे उन पर यह राज खुलने लगता है कि बिचार और इरादे से काम लिया जा सकता है जब वे इस पर अमल करते हैं और भार भार इसे दोहराते हैं और नतीजा अच्छा सामने आता है तो वे अपने को अमित समझने लगते हैं लोग भी इन्हें अमित के नाम से पुकारते हैं।

इजाजत और तावीज़ की ज़क़ात

हर अमित को इस बात पर यकीन होता है कि मैं जिसे यह ताक़त बाँटा दूँगा वह मेरी तरह अमित हो जाएगा। भार भार देखा गया है कि किसी अमित ने किसी को अपना अमल बाँटा दिया है जिसे बाँटा है उसकी तबियत भी बही बन जाती है जो अमित की है। एक तबियत का दूसरी तबियत में मिल जाना भी आदमी की गरिबानी आता है असल अमित तो बहुत ही कम होते हैं अलबत्ता बाँटो हुए अमित काफी पाए जाते हैं। बाँटो हुए अमितो के यकीन में यह बात बैठ जाती है कि अगर हम ऐसा करने लगे ऐसा होगा। हम यह बात बना धुके हैं कि कामयाबी का अगारा यकीन की मजबूती पर है।

इस किताब से फायदा उठाने के लिए याहे आप ही योगी हो या किसी का इलाज करे ज़्यादा से ज़्यादा बार पढ़ते व बार में दरार शरीर पढ़े और एक ही एक बार पढ़ें। अल वारिडिज नल्ता जलालतु पदकर बरयो पर दम करके तीन बार चेहरे पर हाथ फेरे अब मेरी तरफ़ से उसे इस किताब के अमलो की इजाजत है।

तारीख़ आप इस्तेमाल करने या किसी को निख़र देने की सूरत में तारीख़ की ज़क़ात दो रुपए दान कर दें या उस योगी को जिसे तारीख़ दिया गया है यह हिदायत कर दें कि यह तारीख़ की ज़क़ात दो रुपए दान कर दें।

आसेब का इलाज

आसेब एक ऐसा रोग है जो दिमाग़ से संबंध रखता है इसकी अधिकतर वजह यह होती है कि खून में भिठाव के मुकाबले नमक की मात्रा बढ़ जाती है। यह खून सारे निरम में से दौर करके जब दिमाग़ की दो छारब नली में दोड़ता है तो दिमाग़ की वे नसे जो इन्तान के अन्दर शाऊरी हवात बनाती है प्रभावित हो जाती है नतीजे में योगी कमी पर बजून पहुँच करने लगता है और उसकी नजरो के सामने ऐसी चीज़ या सूरते आने लगती हैं जिन्हें वह समझ नहीं सकता और न उनका आपस में सम्पर्क या सम्बंध रख सकता है। जैसे यह कि उसे किसी औरत या मर्द का सामा नज़र आता है चूँकि इस तरह ग़ैब में देखा उसकी आदत नहीं है इसलिए वह डर जाता है और ऐसी हरकते करने लगता है जो शऊरी सीमाओं से बाहर होती है। कभी कभी यह सब इतना गहरा होता है कि शऊर में उहसाव पैदा हो जाता है और उसके हवात ला शाऊरी हरकतो के तहत हो जाते हैं अब वह कोई बात ज़मीन की कहता है कोई आसमान की। कभी बेहेश हो जाता है और आप ही होश में आ जाता है कभी वे बात पर हँसता है और कभी किसी वजह के बिना ही रोने लगता है। यह भी होता है कि मटकी हुई सरे जिनकी तबियतो में तोड़ जोड़ होती है परने के बाद ऐसे लोगों की तलाश में रहती है जो दिमागी तौर पर कमजोर हो और जब इन्हें अपने पूरे मकसद के लिए ऐसा शिफ़ा मिल जाता है तो वे उसके सामने आ जाती है और उसके शऊर को रोक देती है। इसका इलाज यह है कि एक कागज़ पर

या परस्ता ईला - या सम्मार्इला
या मीकाईला - या निमराईला

يا معلىٰ شيل يا شيل
يا بيك شيل يا شيل

लिखकर कागज को मोड़ कर बत्ती बना लें। इस मुड़े हुए कागज को सूई में लपेट लें। सूई और कागज को बत्ती बत्ती को धी या जैजुन के तेल में ऐसी जगह जलाए जहां से रोशनी को पुआं पहुंच सके यह अमल रात को सीते वकल कराना चाहिए। सुबह सूरज निकलने से पहले --- कुल आऊकू बिरीबल फलक की पूरी रात पढ़कर एक प्याली पानी पर दम करके नगर पुर भिलाए। दो हफ्ते तक नमक बिल्लु न रें। दो हफ्ते के बाद एक वकल तथा नमक कम से कम और मोड़ा थोड़ा इस्तेमाल कराए। तीन वकल आसली राहद खा इस्तेमाल भी बढ़ा जरूरी है।

आसमानी व जमीन की आफतों से बचे रहने का तरीका

जब कोई कौम अल्लाह के बनाए हुए सानून से पुर मोड़ती है और गुराई और मतार्इ को जानने हुए भी कानून को तोड़ती है तो उसके अन्दर पक्षीन की ताकत कम और कम से कम हो जाती है जैसे जैसे यर्कान कमजोर पड़ता है उसके अर्हीदो में भी बिगाड़ पैदा होता है और इस बिगाड़ की वजह से कोई कौम अंधविश्वास का शिकार हो जाती है। अन्धविश्वास का शिकार से इतना के अन्दर बलायते जन्म लेते हैं इस बलायतों की वजह से उसके अन्दर तालाब और हवा इतनी बढ़ जाती है कि ज़िन्दगी का दायोमदार अल्लाह की बनाय साधनों पर रह जाता है यही वह वकल होता है जहां से कौमों का पतन शुरू होता है और कुरल का - चूँकि ऐसी कौमों को सहन नहीं करता इसलिए उसके ऊपर आसमानी व जमीनी आफतें नाजिल होती हैं। इरादा द अमल के साथ वे यर्कानी को ध्खन करने की कोशिश करनी चाहिए और इन आफतों से बचे रहने के लिए ६ इष चौड़े और १२ इष लम्बे ताफेद आद कागज पर काली चारदर समकनार रोशनी से बहुत पुनर लिखकर या लिखवाकर यह नशरा अपने घर में लटकवा दें ---

isahu.com/abdu23/niqish/urdu/ishar

يا شيل يا شيل يا شيل
يا شيل يا شيل يا شيل
يا شيل يا شيل يا شيل
يا شيل يا شيل يا شيل

विशिमल्लाहि रकमिनीर शीम

या हर्फानुया हर्फानुया हर्फानु

या बदीअऊ या बदीअऊ या बदीअऊ

या बदीअऊ उन अलहाईब बिन खेयार या बदीअऊ

(अगर घुला न करे कोई वका फल गया हो तो यही नशरा ताफेद बोनी को तीन खेदो पर जाफरान और गुलाब के अर्क से लिखे और सुबह व शाम और रात को पानी से धोकर सारे घर बाने गए। पीने में पानी पका कर इस्तेमाल किया जाए।

(नोट-1) अगर जाफरान न मिले या खरीदने की ताकत न हो तो खाने का जर्द रंग इस्तेमाल करें।)

आंखों की बीमारिया

यह बीमारी हाजिये की खराबी या बाहरी बिगाड़, गर्मी, रादी, चोट, पूल, घुवा लगने और नजला रहने से होती है।

मोतिया और पड़वाल

हर नमान के बाद प्याग बाद "अनहयुल कयूम अन हककुनुन" पढ़कर आठों उगलियों के पीरो पर दम करें और आंखों पर करें।

रतोंद

रतोंद उता बीमारी से कहते हैं जिससे अंगरे में या रात को बाने या तो नजर नहीं आती या पुपत्तो नजर आती है ऐसी पूरा

मे ---या अपा नवीता या अपा नवीता या अपा नवीता (यह एक बार हुआ) याया सौ बार पढ़कर एक पाव साफ़ कलोजी पर दम करे और सुबह एक एक चुटकी ताजा पानी के साथ खाए ।

निगाह की कमजोरी

يُغَيِّرُ السَّكْرَ بِأَيِّ لَيْلٍ أَنْظَابِ الْبَصَرِ الْبَرِي

“पुभी नुस्सलाम मिअनुल हीन अस्सबिल गिलाभुल मरिप्पु”

सुबह सूरज निकलने से पहले तीन बार पढ़कर एक बड़े प्याले पानी पर दम करे । इस प्याले मे से तीन घूट पानी अलग करके नहाए मुंह पी से और बाकी पानी को सीधे हाथ के छुल्लू में ले कर इस पानी मे आख झाल कर घों से और बन्द करे । पानी जब गर्म हो जाए तो पानी फिरते गमने या किसी क्रियाती मे डाल दे अब दूसरी छुल्लू पर ले इस तरह पहले वाली आंख को घोंटें और दाए आंख को । यह अमल नब्बे दिन करना है अल्ताह की बेहरबाजी से निगाह की कमजोरी दूर हो जाएगी

आंख का नर्सिधा

इस बीमारी मे आंख के ऊपर एक झिल्ली आ जाती है और नजर इस झिल्ली मे दब जाती है इसकी वजह एक खास गैस होती है पहले यह गैस दिमाग पर अस्तर झालती है और उसके बाद आंख के ऊपर अस्तर करता है अतल मे वह गैस ही झिल्ली बनकर आंख के ऊपर पदा बन जाती है ।

स्टेनलेस स्टील का एक प्याला और एक नयी छुरी लो प्याले मे डिरदलड बाटर या पर मे पकाया हुआ टंडा पानों पर दे । हाथ धोकर और कुल्फी करके तीन बार

رَبِّهِ النَّبِيُّ الْوَلِيُّ الْأَمَّةِ لَا تَحْزَنُ مَرِيْدُ
رَبِّهِ النَّبِيُّ الْوَلِيُّ الْأَمَّةِ لَا تَحْزَنُ مَرِيْدُ

---अल हम्मल कय्युस व ला

इनाला इल्लल्लाहु या रहीमु या अल्लाहु या मुहीदु या रहीमु या अल्लाहु या मुहीदु पढ़ कर एक घूंक मारे और दूसरी घूंक छुरी पर । अब छुरी से पानी को काटे यादि एक सिन्द तक पानी मे कात (x) बनाने रहे । दोबाग फिर तीन बार पढ़ कर पानी और छुरी पर दम करे और पानी को एक सिन्द तक काटे । इसी तरह तीसरी बार भी यही अमल दोहराए यह पानी दो दो ओस हर चार घन्टे के बाद पिनाए । इसी तरह कि सूरज निकलने के बाद से इना तक यह पानी पूरा हो जाए । इनाज मे मुदरत चाहिए लेकिन कामयाबी यहीनी है ।

आंख का नासूर

आंख के कोपे मे छुरी की तरह का दाग जो रिसता रहता है उसे आंख का नासूर कहते हैं । घने की दाग तीव्रिए (दात से पुगार घने का आधा हिस्सा) और एक पथर तीव्रिए । ऐसा पथर जो नदियों के किनारे आम तौर पर मिल जाता है यह पथर काला सफेद मूंगा और कभी कभी नक़ा विगार से मरपूर और चिकना होता है मोटाई की कोई कैद नहीं । पथर पर पानी झल कर एक बार -----अल्लाहु नूस्सलामवाले बल अर्जि पढ़ कर दम करे और घने की दाग को पथर पर घिसे । दात घिसने से एक लेप सा बन जाएगा । इस लेप को जलत की सलाई से सुबह शाम कुछ दिन आ २ मे लगाए ।

भेगापन

जिस वक्त रोमी बिल्कुल सीपा देख रहा हो उसकी आंखें बन्द भग दे और उसकी उस आंख पर जो भेगी है अन्दरे मे लम्बो तो पन्नों बापे पट्टी बापने बकुल यह कलना करे कि मे और रोमी भग के नीचे है । यह पट्टी २२ दिन तक बांधी रहे । पट्टी मेंनी धोने पर अन्दरे मे बदल दे । पट्टी बापने बकुल यह ध्यान रखना जरूरी है कि नजर सीपी रहे यादि आंख की पुतली बीच मे ही २२

दिन के इस अमन से आख बा मैगापन पूरी तरह खत्म हो जाता है

आंखों के सामने खून तैरता हुआ नज़र आना

यह बीमारी जो दिमाग के रेशो में पानी भर जाने से होती है इसके लिए दवा और दुआ यह है -----

दक्खिनी पित्त एक छटाक, चीनी एक छटाक दोनों को साफ़ हवन दले में बारिक पीस लिया जाए। छः पाशा येन सोने वज्र ताला पानी के साथ कम से कम २० दिन तक इस्तेमाल करे और इसी के साथ-----'अ' जोअनु अमा नवीनु' सफ़ेद चीनी की तीन प्लेटो पर लिख कर गुबह शाय और सान को एक प्लेट पानी से ढोकर पिए। प्लेट लिखने का तरीका यह है-----

"पाक साफ़ सफ़ेद चीनी या शीशे की तीन प्लेटो सामने रखकर ग्यारह बार या हरीनु पढ़ कर तीनों प्लेटो पर दम करे। फिर ग्यारह बार 'या शाफी' पढ़ कर तीनों प्लेटो पर दम करे। तीसरी बार 'या काफी' पढ़ कर प्लेटो पर दम करे और ज़ाफ़गन को गुलाब के अरक में पिला कर या ज़र रंग गुलाब के अर्क में पीन कर इस रोगनाई से प्लेटो के इबारात सिद्धी जाए।

नैवी मदद

अगर आर्थिक हालात इतने खराब हो जाएं कि गुपार की कोई गुलत नज़र न आए तो केबल इन शानान में यह अमल पढ़ने की इजाजत है।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
يَا أَيُّهَا
يَا قَسِيحَ يَا قَسِيحَ
يَا قَسِيحَ يَا قَسِيحَ
يَا خَبِيرَ يَا خَبِيرَ يَا خَبِيرَ

isul.com/ahlebidh/natali/clichn

या ईल या ईलाह या अल्लाह
या फलाहु या फलाहु या फलाहु
या जिदाहल या भीकादल या म-म-न-न
आधी सान रंगने के बाद वुजु करके मुआल्ने पर बैठ कर ३०० बार पढ़े और हालात ठीक होने का दुआ करके बाग किए बिना सो जाए ज्यादा से ज्यादा २२ दिन में अल्लाह की तरफ से मैकी मदद मिलान हो जाएगी। इसका तरीका फ़ख भी हो जो अल्लाह परमन्द फ़रमाए।

इस्तिखारा

कोई काम करने से पहले इस्तिखारा करना सुन्नत है। इस्तिखारा अंगत में अल्लाह से माँगना करना है।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
يَا أَيُّهَا اللَّهُ عَلَى حَيْثِيهِ مَحْتَدٍ
.....

'इकनह अयुनह या बदीअत अन्नाइबि बिल खैयारि या बदीअक २२ बार, दस्त फ़िजनी सल्लल्लाहु तआला अला हबीबहि मुह-ब्बिदवसल्लम० पढ़ने और बाद में एक एक बार पढ़े। इसके बाद नाल करवाट लेट कर चेहरे के नीचे दाएं हाथ की हथेली रख कर सो जाए। सोते वज़न जो बात मालूम करना हो उसे ज़हन में दोहराए। ज्यादा से ज्यादा तीन दिन के अन्दर सपने में या जागते में जो कुछ मालूम किया गया है ज़ाहिर हो जाएगा।

इस्तिहान में कामयाबी के लिए

इशा की नमाज़ के बाद पहले और बाद में ग्यारह ग्यारह बार दस्त शरीफ के साथ तीन सौ बार 'अल मलिक्ल कुददुल अलमलिक्ल कुददुल' पढ़ कर दिल को गहराई के साथ अल्लाह से दुआ करे पर अमल इस्तिहान का नतीजा आने तक करने रहना चाहिए।

इलजी

रात रात के रेगर्ग कपड़ों के छोटे छोटे टुकड़े किसी जगह फैला कर रख दे। इलजी का रोग इन रातार कपड़ों के टुकड़ों में से बूँदें एक टुकड़ा उठा ले। उठा टुकड़े पर काली नार कर्मी से—या मकनाई ल या समनाई ल या भीकाइल या जिब (ई ल) कर्मीया कर्मी से लिख कर रोगी के गले में डाल दे। मगर गले में पड़ने या बाजू पर बाधने में कोई रुकावट हो तो यह नपूना तरीक़ा के अन्दर रखे लेकिन यह रातवार्गी करना ज़रूरी है कि यह तरीक़ा कोई दूसरा आदमी इस्तेमाल न करे।

(२१३-इलजी के होने का कोई खास दवाज है नहीं की जा सकती। कोई आदमी हवा से, कोई दवा, छुरा, से या किसी साख्त दवा के बाद भी एलजी हो जाती है। वनह कोई भी हो सबके लिए यही इलाज है।)

दिल का दौरा

दिल का दौरा दिल की कमजोरी का वनह से हो या निरामानी कमजोरी का वनह से, खून का दबाव बढ़ जाए या तेज दबाव इस्तेमाल करने से हो, सबका इलाज एक है लेकिन तरीक़ा अलग-अलग है। बिस्मिल्लाह रतमानि रतहीम

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْإِكْرَامِ

‘या हय्यु कुजा कुल्ती शयदन या हय्यु बाअरा कुल्ती शयदन तीन बार पढ़कर पानी पर दम करके पिलाए।

रात में की वनह से अगर दिल की शिकायत पैदा हो गयी हो तो इस अमल को कागज पर लिख कर शहर में डाल दे और यह शहर रोगी दिन में कम से कम तीन बार इस्तेमाल करे।

हाई बिलड प्रेशर का वनह से हो तो नमक पर दम करके एक शरीरी में रात से और खाना खाते वक़्त यह नमक छिड़क कर खाए। अगर ऐसे हालात न हो कि यह मामूली किया जा सके कि

इसलाम डॉट कॉम
www.islamdo.com

दिल के दौरों का वनह क्या है तो एक बड़े कागज पर माट कलम गले पर चिपका दे। रात को सोने से पहले इस गले को ऐसी जगह रखें जहां कोई और आदमी न हो। गहरी निगाह से ‘अल्ताह’ लिखें पर वनर जमाए और आँखें बन्द करके यह कल्पना करें कि अल्ताह का नूर बारिश की तरह हमारे ऊपर नाजिस हो रहा है लगभग १० मिनट बाद आँखें खोलें दे और बात किये बिना सो जाए। कुछ दिन के इस अमल से दिल के दौरों की तकलीफ़ अल्ताह की मेहरबानी से हमेशा हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी।

एगजिमा

عَرَبِيَّةٌ مُّشْتَقَّةٌ مِنْ

एक बड़े और पनबूत कागज पर मोटे कलम से—“फी नवहिन राहा अहा निपाति” लिख कर जिस्म के जित हिस्से पर एगजिमा हो वहां कागज मर्से। जब कागज कमजोर हो जाए जला दे कुछ दिनों तक नमक, सुख पिव, गरम मसाला और किसी तरह के गोबर की बोटी न खाए गोबर में अंहा और पखली भी शामिल है।

आंतों की बीमारियां

आंतों में घाव

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
اِنَّ لَاسِلَٰلًا مِنْ عَذَابِ رَبِّي بِالْغَدْرِ

बिस्मिल्लाह रतमानि रतहीम

“अल सलसिलू फी मरजाअति यहरयनि या अल्ताहु”

तीन प्लेटों पर लिख कर रोज़ मुबह शाम और रात को पाना से घो कर चातीस दिन ८००। खाने के लिए किसी हकीम या डाक्टर से परीक्षा करे।

आंतों की दिक्

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
الزُّبَيْدَاتُ يَا زَيْدُ الْيَسْبُ الرُّحِيمِ الرَّحِيمِ

बिस्मिल्लाहि ररहमानि ररहीम

‘असिफ़ लाम रा तिलका आयातुल किलामिल मुबीन० अरहीम अरहीम अरहीम’ सूतन निकलने से पहले २२ बार पढ़कर एक प्याली पानी पर दम करके नहारा मुंह ७ दिन तक पिए ।

आंतों में खुरकी

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
الزُّبَيْدَاتُ يَا زَيْدُ الْيَسْبُ الرُّحِيمِ الرَّحِيمِ

“नक़ल यदा अभी तरह० विख० मा अगला अन्तु मानुहु म मा कता-ब० सयसला नारन जाता तलबि-वम-रा अतुहु०” इया की नमान के बाद एक ती एक बार पढ़कर पानी पर दम करे । चौबीस घंटे में पाने के लिए नेचल एक ही पानी इस्तेमाल करे । मतलब यह कि इतने “ पा म किया जाए जो दिन और रात की जरूरत के लिए काफी हो । चौबीस घंटे बीत जाने के बाद अगर पानी बचा रहे तो उस पानी को किसी किसी पा पेड़ की जड़ में डाल दे और अपने चौबीस घंटे के लिए नया पानी तैयार करे । इलाज की मुदत २२ दिन है इस बीच कोई दूसरा पानी न पिया जाए ।

आंत उत्तरना

रात को सोने से पहले २१ बार ‘पर फ़म दरानुहुम’ पढ़कर पेट पर दम करे । इलाज की मुदत ६० दिन है । इस बीच लंगोट बांधने का इन्तेजाम किया जाए ।

issbharvish/abdu123/niall/odlisha

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
الزُّبَيْدَاتُ يَا زَيْدُ الْيَسْبُ الرُّحِيمِ الرَّحِيمِ

जल-पर (पेट में पानी भर जाना)-देखने में आया है कि इस बीमारी का इलाज नहीं होता अतबचा एलोपैथी में सूई (सिंजिन्) के ज़रिए पेट से पानी निचालना एक तरीका है लेकिन कुछ दिनों बाद पेट में पानी फिर भर जाता है और फिर निकल दिया जाता है यह कोई मुस्तकिल इलाज नहीं है इस फ़कीर ने इस्लाम के कई योगियों का इलाज किया है अल्लाह की मेहरबानी से योगी को पूरी तरह और मुस्तकिल सेहत मरीब हो जाती है ।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
الزُّبَيْدَاتُ يَا زَيْدُ الْيَسْبُ الرُّحِيمِ الرَّحِيمِ

एक कानून पर बिस्मिल्लाहि ररहमानि ररहीम --‘व इसमुहुमा अकब’ दिन नक़ीअहिमा’ लिख कर फूलीसे के तीर पर जनाकर रात को सोते वक़्त या दिन में एक बार पुलां है । दूसरा काम यह करना है कि योगी ज़मीन के ऊपर खिल बैठ जाए आठे बन्द कर ले और दोनों हाथ सर पर रखे तीन बार अगर सिखा अरबी की इबारत पढ़े और यह कल्पना करे कि पेट का पानी योगी बनकर पैरों के ज़रिए ज़मीन में जा रहा है यह इलाज उस वक़्त तक जारी रखना चाहिए जब तक बीमारी से पूरी तरह नज़ात हासिल न हो जाए ।

पेटों की कमजोरी

इसकी वजह बहुत सी है जैसे लगातार उलझन, उकताहट, दिमागी कशमकश, बहुत ज्यादा दिमागी थकन, नींद की कमी, पेट बराबर ख़ाल रहना, जलवायु और माहौल की पुटन, डर व दहशत, रूतनी मूल्थों से अलग रहना, कनाअत का न होना, शक वयालता और वहम, हिफाजत की कमी का अहसास आदि ।

सबसे पहले यह जरूरी है कि इन्सान अपने अन्दर कनाअत पैदा करे और अपने मामलों को अल्लाह पर छोड़ने से मुक्त रह सके। यह है कि आदमी हथ पर छोड़ कर बैठ जाए। सही तरीका यह है कि आदमी अपने अंगों का बर्तीया पूरा करने के बाद नबीया अल्लाह पर छोड़ दे और इत्तज के बल पर केवल एक पूरे पानी पर दम करके सुबह नहाए मुह पी जाए।

अंगों का जम जाना
बिस्मिल्लाहिररमिनिरहीम
'रफीमु फ़कुल शाय'

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
رَبِّمِ نَفْسِي الصَّالِحِينَ

७६ ११ १६ २६ ३१ ४१

माने के ज़रूरी रंग को पानी में घोल कर रोशनी बना ले इस रोशनी से ऊपर बना हुआ ताबीज खोद पर लिख कर घुबल, तीसरे घर और रात को पानी से पोकर पिलाए। यही ताबीज इसी रंग से बिकने और मोटे एक बर्तियत कागज पर लिख कर प्रभावित अंग पर दिन में तीन बार घड़ी की सुइयों की गहिरा के अनुसार नसे। खाने में सर्द और बारी चीजों व नमक से परहेज जरूरी है।

औलाद का ना फ़रमान होना

यह बात जरूर ध्यान देने की है कि बच्चे जेहन्नी तौर पर आ कुछ चुपल करते हैं उनमें आया हिसा मा बाप के रविए और पर के माहिल से बनता है और आया हिसा बाहर के माहिल से। अगर घर का माहिल मुकून वाला न हो और मां बाप लड़ने झगड़ने रहे तो बच्चे भी मा बाप की अपरदे अपना लेते हैं फिर यह आदम उनमें पकड़ो हो जाती है पहले बहन भाई आस में लड़ने हैं फिर मां बाप से लड़ना शुरू कर देते हैं क्योंकि मां बाप में जुहनी देन मिलता नहीं होता इसलिए वे बच्चों की आदत से नज़रे बचा लेते हैं नतीजे में बच्चे गुराखा होकर ना फ़रमान हो जाते हैं ऐसे मा बाप जिनमें जुहनी भेल मिलता होता है या अपने मामलों की कड़वाहट को औलाद के सामने ज़ाहिर नहीं होने देते उनकी औलाद मा बाप का करना मानने वाली होती है बना नार प्यार या दाल वे बात

पर सज़ा भी बच्चों को बागी बना देती है यह पाला बड़ा तकलीफ़
islahi bi qatib al-bayt al-hadi al-hadi al-hadi

अपने रविय में तद्वली के साथ ना फ़रमान औलाद के लिए अगर यह अपल कर लिया जाए तो इसकी बरकत से औलाद फ़रमाबारा बन जाती है। रात के बकन बच्चा या बड़ी जब गहरी नींद से जाए सरहाने खड़े हो कर एक बार -- बिस्मिल्लाह

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
بَيْنَ مَوْضِعَيْنِ خَيْرٌ مِنْ مَوْضِعَيْنِ

'बत हुआ फ़राआनुमनीद० फ़ी तद्विम्मक. फ़ुज० मा या बाप इतनी आबाज से पढ़ें कि सोने वाले की नींद खराब न हो। अपल की पुरत २१ दिन और ज्यादा से ज्यादा २२ दिन है।

कमतर सामने का अहसास

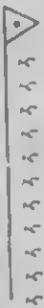
यह इरादे की ताकत की कमजोरी से पैदा होती है जब यह सामना जाता है कि हम किसी आदमी के सामने नहीं जा सकते, बात नहीं कह सकते हम दूसरे लोगों से कतराते हैं या दूसरे लोग हम से कम तर हैं ये सारी बातें कमजोर बुद्धि इरादी को ज़ाहिर करती हैं सोच सही हो या गलत दोनों का सम्बन्ध दिमाग की उन नसों से है जो जिंदगी में काम आने वाली नसों को पैदा करती हैं और जन्मे आदमी की बुद्धि इरादी के तहत होती है इसलिए जब किसी इन्सान के अन्दर जन्मे उसके इरादे के तहत नहीं रहते तो उसकी जिंदगी में कमी पैदा हो जाती है इस कमी का दबाव ही असल में एहसास कमजोरी की सूरत में ज़ाहिर होता है।

बड़ी ही आसान और सरल इत्तज यह है कि आदमी हर वक़्त बुद्धि से रहे। बुद्धि से रहने में इस बात का ध्यान जरूरी है कि पैदाया पाखाना या हवा को रोका न जाए क्योंकि ऐसा करने से भी दिमाग पर ज़ोर पड़ता है जरूरत पड़ने पर दोबाग बुद्धि कर लिया जाए।

उदासी

यह बात हर आदमी जानता है कि कोई आदमी न तो हमेशा

जुड़ा रहता है और न हमेशा दुखी लेकिन यह भी देखने में आया है कि बार बार की नाकामी आरामी को तोड़ कर रख देती है और उस पर उदारी छा जाती है ऐसे हालात से हिमाग को आज़ाद करने के लिए नीचे दिया हुआ नक़्सा ज़ाफ़रान और गुलाब के अर्क से लिख कर योगी के गले में पहना दिया जाए या बानू पर बांध दिया जाए तो उदारी ख़त्म हो जाती है।



नैसर्ग - कागज़ पर नज़रा लिखने से पहले दीवार और नार्थन लिखने के बाद एक बार तैयारिस्तनाहि अन्तर्गतिक जल्ता जलाबुद्ध या बदी अन्त अन्तर्गतिक बिल खेयारि या बदीअक प्रद कर दम किया जाए और दम करते बचन यह कल्पना की जाए कि तालीन लिखने वाला और योगी दोनों अर्क के नीचे खड़े हैं।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
مَوْلَانَا عَزَائِبُ الْإِسْلَامِ

बुखार

आम बुखार

बिरिस्तनाहि रैहमनि रैहिम
"हुबल्ताहुन खालिदुल मुसबिल नरुन असमा उन दुस्मान" कागज़ पर लिख कर बिना मोमजामा के साहेद कपड़े की पन्जी में बांध कर गले में डाल दे। बुखार उतरने पर तालीन और करफ़ा दोनों जला दे।

वारी का बुखार

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
مَوْلَانَا عَزَائِبُ الْإِسْلَامِ

issuu.com/abulhasan23/pinalli/gdisha

'कुलना या नारदूनी वरद्व सन्नामन अली इबा'ल
बेरी की लकड़ी या किसी मोमी कागज़ पर लिखकर साहेद धरती में बांध कर गले में डाल दे। यागी चाहे एक दिन की हो दो दिन की हो या तीन दिन की जब इससे नयान मिल जाए गले में निकाल कर जला दे।

टाइफ़ाइड, मोती झारा,
मीयादी बुखार, खसरा

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
या लकीनु या लकीनु या लकीनु
या शाफ़ी या शाफ़ी या शा फी
मुदीरसुबुद्ध कुररर

जुदे के रग को पानी में खोलकर रोशनाई बना ले और इस नज़रा को स्नेह पर लिखकर इस्तेमाल करे। यह पानी हर घात घटे के बाद बड़ी की एक बड़ा घमना और बटवो को एक छोटा घमना धिलाए। अगले दिन फिर नयी स्नेह लिख कर इसी तरह अमल करे तीसरे दिन भी यही अमल दोहराए दवा और खाना तीन दिन तक मना है।

वच्चों की बीमारियां और

उनका इलाज

सूखा

बच्चों का ख़ाब में डरना, ज्वारा रोगा, चोख धीख कर रोगा, कापना, भूद को या दूसरों को मोचना, बिना किसी वजह के बार

बार बुझार आना, किसी तरह की पैदायशी बांपाती या कमजोरी, सही बढ़ोतरी न होना, जिससे से गोदल खल हो जाना, सूख कर काढ़े की तरह हो जाना, पानी की तरह दम आना और आखि में हलके बन जाना यह सब सुखे की निशानिया है। इससे बच्चे को बचा कर रखने के लिए भीषी कागज पर

६३ ६३ ६३ ६३ ६३

जिख कर भीमनाम काठके आसमानी काढ़े में सी कर गले में डाल दे। हप्ते में एक बार काढ़े के छौन से निशाने बिना तारवान को सीवान की पूरी जरूर दे।

पसली चलना और नमूनिया

बिस्मिल्लाहिररहमानिररहीम

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
يَا حَبِيبُ يَا حَبِيبُ
يَا حَبِيبُ يَا حَبِيبُ
يَا حَبِيبُ يَا حَبِيبُ
يَا حَبِيبُ يَا حَبِيبُ
يَا حَبِيبُ يَا حَبِيبُ

या हाफे नैन, या हाफे नैन, या हाफे नैन,
या फुनाहुल, या हाफे नैन, या हाफे नैन,
या शाफे, या शाफे, या शाफे,
अनिरायम कयाम

घांभी की तरलगी पर जाफान और पानी से जिख कर एक या दो पट रूय से घों कर तीन बकुम बिजाए। मावयानी के तीर पर दो तीन दिन तक बिनाले रहना चाहिए नार्क नमूनिया का असर पूरी तरह खल हो जाए।

issuu.com/abdul_33/niahi/odisha

कान का ददे

कुन आऊन बिस्मिल प-म-कि० तीन बार पढ़ कर एक बमवा फार्मो या दूय पर दम करके पिलाए।

काली खांसी

बिस्मिल्लाहिररहमानिररहीम
या हाफे नैन या हाफे नैन या हाफे नैन,
या हाफे नैन या हाफे नैन या हाफे नैन,
या हाफे नैन या हाफे नैन या हाफे नैन,
या हाफे नैन या हाफे नैन या हाफे नैन,

मालि आतुलमाअ

घांभी की तरलगी पर नर्दा के रग से लिख कर सुबह शाम गगार तेज पानी से घोंकर पिलाए।

विस्तर पर पेशाव करना

कभी कभी बच्चे बड़ी उम्र तक बिस्तर में पेशाब करते हैं इसका इलाज यह है कि जब बच्चा रात को गहरी नींद सो जाए तो उसके सरहाने की तरफ बैठ कर इतनी आवाज से कि बच्चे की नींद खराब न हो एक बार सूरः बकुरा की पहली आयत अर्थात् ताप भीम से घुमना बिना गुयबि ठक २१ दिन तक पढ़ें।

मिट्टी खाना

बहुत सी औरतों को मिट्टी खाने की आदत पड़ जाती है बच्चे भी मिट्टी खाते हैं इससे तरह तरह की बीमारियां पैदा हो बिस्मिल्लाहिररहमानिररहीम

जानो है तीन बार --- बिस्मिल्लाहिररहमानिररहीम

'परदिम पुबुन' पढ़कर दूय पर दम करके बच्चे को पिलाए। जब भी दूय पिलाए यह अमल करें २२ दिन के अन्दर अन्दर मिट्टी खाने की आदत छूट जाएगी। अगर मा को मिट्टी खाने की आदत है तो वह पानी पर दम करके पिए।

जिद करना

बच्चों की जिद खत्म करने के लिए सूखे वाला तार्वीज़ कागज़ पर लिख कर बच्चे के गले में डाल दें।

पेट में कीड़े

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

बाले ३ कुछ दाने हो, केचवे हो या छोटे मोटे कीड़े (चुन्नी) इन सबसे नज़ात हासिल करने के लिए --- 'इन्ना आलपना कलकलगर' (पूरी सूरा) तीन बार पढ़कर पानी पर दम करें और नज़र पुर धिन्ना। रोपी यह अमन खुद भी कर सकता है। साथ ही दिन में किसी वक़्त ठहर ठहर कर तीन बार एक एक बार पक्षी सूरा पढ़कर पेट पर प्लूक मोरे। २२ दिन के इस अमन से पेट में किसी भी तरह के कीड़े हो खत्म हो जाएंगे।

दांत निकलना

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
الرَّحْمَنُ الرَّحِيمُ

नो बच्चा रोहनमन्द हो हसमुख या ज़हीन होते हैं उनके कभी कभी बड़ों की नज़र लग जाती है हालाँकि यह हैरात वाली बात है। लेकिन देखने में आता है कि मां बाप और माई बहन की भी नज़र लग जाती है नज़र लगने से बच्चा बेचैन हो जाता है दूसरी पीना झोड़ देता है रोता रहता है बुझा भी हो जाता है दिन ब दिन बिडबिडा और कमज़ोर होता चला जाता है मज़र उतारने के लिए बिरसमन्नाह शर्माफ़ के बाद इन्ना आयतना कलकलगा० (पूरी सूरा) पढ़कर बच्चे के मुँह पर प्लूक मोरे नज़र का अंता खत्म हो जाएगा।

कान से पीप आना

रात को सोते वक़्त नफ़ी और साफ़ -ई के काग़ पर --- 'अल्लनी ख-न-का पुराब्या० बल्लनी कूर-दरा ए-ह दा०' एक बार पढ़ कर फाए पर दम करें और कान में रात को सोने से पहले रख दें

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
दा बार यह अमल करें जब कान से पीप आना बन्द हो जाए यह अमल छोड़ दें।

बहरा या गूंगा होना

बच्चा अगर पैदावगी गूंगा या बहरा हो या किसी बीमारी की वजह से यह बीमारी हो गयी हो तो इसका इलाज इस तरह करें जब बच्चा या बड़ा रात को गहरी नींद से जाए तो उसके सरहाने के रूख सीपी तरफ़ खड़े होकर एक बार सूरा मरयम की पञ्जी अयात काफ़ हा या ओन साद पढ़ें। पढ़ने से हर हर्फ़ अलग अलग पढ़ा जाए। इसाज में जल्दी या पबराहट से काम न लें। लगातार छः महीने तक यह अमल जारी रखें अगर मजबूरी में बीच में जाए तो कोई बात नहीं है लेकिन कोशिश यह होनी चाहिए की कोई दिन न छूटे। औरत अगर यह अमल करे तो नागा के दिनों में भी कर सकती है।

गवाव में डरना

हर बच्चा कुछ न कुछ सोचते रहने से वे रोशनीया नो अशाबी निनाम बनाती हैं बिखरा कर बबाद हो जाती है नतीजे में दिमाग का यह हिस्सा जित पर शाक़ी बरक़तो का आधार होता है कमज़ोर पड़ जाता है। और जब यह शालत सामने आती है नो इसाबने ख़ाब ज़्यादा नज़र आने हैं। अगर दिमाग को किसी एक बिन्दू पर ठहरा लिया जाए तो इसाबने ख़ाब नज़र आना बन्द हो जाएंगे। इसके लिए बलते फिरते उठते बैठते जुनु और बिना जुनु 'अय्यानु नज़ीफ़ुन' का धिरे करते हैं।

वच्चों का खो जाना

बिरसमन्नाहिरहमानिदीम
या इराताफ़ लैस

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
يا انسرفوفيل

तीन दिन तक शिश्मिल्लाह शरीफ के साथ बाहर बार 'या राहीम' पढ़कर जो चीज़ भी खाने को दे उस पर दम कर दे।

फन्ना श्री नमान के बाद तीन बार "तिब्ब परिसार दत्ता तुआसिरा"
 पढ़कर पानी पर दम करें और दम किया हुआ पानी नगरा मुह २२
 दिन तक पिएं या पिलाए ।

नब बच्चा एन को गहरी नींद सो जाए ता उसके सरासन देठ भर - विश्वविस्मय हठ व लखर यसमानल कुआना विनिंकारे फूलन मिमु रूखिकर उ ननी आवाज से पहुँ कि बच्चे की नींद खराब न हो। इतान की मुद्रत एक भौनिया है।

राज को नय सेनीं सौ आए और उत्तक जगाने का डर बाकी
न रहे नो पा का कोड़े अनी गेनी के पास बैठ कर एक बासिल
का दूनी रे—अताक भाप भीमो जतिकन कितानु ला रखवा फीही
इरले तिलमुत्कीनो अल्लगोना मुमिदूला बिल ग्याबि' पढ़ कर सुनाए ।
इत इमान को कई हप्ते तक जरी रखना बाशिरे ।

भुषि आरने (वोरी, जुवा खेनना, नरा करना, लोपों को परेशान करना, जुरे लोपो में बैठना आदि) मुझने के लिए जब रोमी सो नाए तो चोडे सारब तीन घंटे की दूरी से ऊर्ध्व आबाज से एक बार कुलहवन्नाह २२ दिन तक पड़े।

हार्ड बिलड प्रेनर के लिए यह तार्बीज हरे रंग से लिखें नवरात
वेक डाउन के लिए यह तबीज नर रंग से लिखें ।

नोट— अगर बता दें सुख रंग का नीला रंग न मिले तो जड़ रंग से सिखना काफी है शर्त है कि रंग खाने में इस्तेमाल होने वाले रंगों। इतना ही पुराना ज्यादा से ज्यादा घालीस दिन है फर्कीता बाहे तोन एक बगाना एक एक से ज्यादा बनाकर रख ले। फर्कीता जलाने के लिए पिट्टी के लिए में की इस्तेमाल करें

एहतात्म से (कपड़े नापाक होना) नजात पाने के लिए

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

विश्वविद्यालयीन

या हकीनु या हकीनु या हकीनु
या बदाऊ या बदाऊ या बदाऊ
या बदाऊ या बदाऊ या बदाऊ
अनअनाभिणि बिलखेपरि या बदाऊ

[illegible]

साद साद लार साद साद
कारु कारु कारु कारु कारु
या रहीमु या रहीमु या रहीमु

س س س س س س
ق ق ق ق ق ق
يا رحيم يا رحيم يا رحيم

रोने से पहले बिलार पर चित बैठकर २२ बार पढ़े और तीन
पर धूम्र भार दे यह अमल २२ दिन तक जारी रखें। गर्म और
खट्टी चीने न खाए।

वदन में दर्द

वदन में दर्द से मुक्त बिस्र ^{يا رحيم} ^{يا رحيم} ^{يا رحيم} और
जोड़ी में दर्द है।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
يا رحيم يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم يا رحيم

विशेषतः ^{يا رحيم} ^{يا رحيم} ^{يا رحيم}
या रहीमु या रहीमु या रहीमु
या गारो या गारो या गारो
या कारो या कारो या कारो
या बदीअल अजाओब बिल खैयार या बदीअल
या बदीअल अजाओब बिल खैयार या बदीअल
या बदीअल अजाओब बिल खैयार या बदीअल
या रहीमु या रहीमु या रहीमु

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
يا رحيم يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم يا رحيم

ISLAHIL KALAMU...
पर रम करके पी ले और पान किए बिना तो नार्ह। आम हलान
में यह अमल तीन दिन कर लेना काफी है लेकिन अगर रोग पुराना
हो तो दिनों की लागत बढ़ा कर दिन ६२ दिन कर ले।

वीमारी के दाद कमजोरी

नीन बेटों पर ज़ाफ़रान और गुलाब के अर्क से — 'गुग्गुलु'
रसदन्तु अफ़फ़ला सांतिनीन० लिख कर एक क्लेट सुबह, एक सीधरे
पहर और रात को सोते बग़ल पानी से पी कर कुछ दिन पिलाए।
अल्ताह में बाहा तो कमजोरी दूर हो जाएगी।

बिच्छू या सांघ के काटे का इलाज

इसमें बिच्छू सांघ या किसी ज़रूरीसे कीड़े का काटना शामिल
है। किसी ज़रूरीती दवा का पिएखान हो गया हो तब भी यही
तारीज इस्तेमाल किया जाए।

يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم
يا رحيم يا رحيم

या रहीमु या अल्लाहु या मुहीदु
या रहीमु या अल्लाहु या मुहीदु
या रहीमु या अल्लाहु या मुहीदु
या बदीअल अजाओब बिल खैयार या बदीअल
चीनी की क्लेट पर ज़रूरी रंग से लिखकर बार बार फोकर पिलाए
यही तक कि ज़हन का अंतर खत्म हो जाए।

सर के बाल लम्बे करने के लिए

नवानी की उम्र में बाल मोटे होते हैं जो बाद में पतले हो जाते हैं, बाल एक छद तक बढ़ जाने के बाद लक जाते हैं और कुछ दिनों के बाद फिर जाते हैं, बाल की उम्र चार साल होती है, कभी करते वक़्त अगरचे बाल फिर जाएं तो यह कोई ख़िता की बात नहीं है लेकिन अगर कंघी में बड़े बालों के साथ छोटे बाल भी निकल आएँ तो इसकी कोई न कोई वजह जरूर है जिसे बीमारी का ना दिया जा सकता है। बालों के पिरने में पहली अलमल खुरकी होती है यह खुरकी भिलावटी बानों में इस्तेमाल, तेज़ खुरान के तेल, सर पोने में साबुन के इस्तेमाल, खाने में नमकीन और ज्यादा घटपटी चीज़ों के इस्तेमाल की वजह से होती है इन चीज़ों को इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

‘अलकरीमुल आसु बल मुफ़नागुल काम’

ती बार पढ़ कर इतने पानी पर दम करें जिससे अक्की तरह सर पुल जाए। हप्ते में तीन बार इस तरह दम किए हुए पानी से सर पोएं। इस अमल की मुदत एक महीना है।

बुढ़ापे में कम सुनाई देना

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

इला की नमाज़ के बाद २२ बार — “फुफ़कानाहुन्ना सबआ सभावाहि बल अहिं सुम्भलावा अलत अहील” पढ़कर हाथों पर दम करके तीन बार हाथ चेहरे पर फेर से २२ दिन पूरे करना जरूरी है।

बहरापन दूर करने के लिए

कान के अन्दर हड्डी के ऊपर बाल होते हैं अगर नज़ला कान

issuu.com/abulhasaniali/otlisha

की तरफ़ रहता हो या किसी बीमारी की वजह से ये बाल भट हो जाएं तो आवाज़ की तरहरे इन बालों को इतना नहीं हिला पानी जितना सुनने के लिए जरूरी है नहींने में आराम कम सुनने लगता है। बहुत कम सुनता है या बिल्कुल बहरा हो जाता है इसके लिए — “यायुस-म-उल पराम” पाठ की सोने से पहले और दिन में दोपहर की सोने राय की छोटी उंगली पर दम करके कान में पुभाए। यही शब्द कागज़ पर लिख कर तबीन की शक्ल में औरने गले में पहने और मद भानु पर बांधें।

बग़ाल में सिलदियां

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

बिस्मिल्लाह रैहमान रैहीम

‘अलिफ़ लाम ता हिलका अगागुल कित्ताबिल मुबीन० अरहीम अरहीम अरहीम—’ सुबह सूरज निकलने से पहले और शाम को सूरज ढूँढ़ने के बाद सौ बार पढ़कर पानी पर दम करें और पी लें जब तक बीमारी पूरी तरह ख़त्म न हो जाए यह अमल जारी रखें और सुबह पित्त बिल्कुल इस्तेमाल न करें।

वेहोशी से होश में लाने के लिए

“एक प्याली पर एक बार — ला ताबुनु सिमनुखला नबुनुन” पढ़कर पानी पर दम करें और यह पानी रोमी के हतक में छाल दे और इस पानी का छीटा उसके मुँह पर बांधें।

बहन भाई का आपस में झगड़ा

जब ऐसी ग़ूलत पैदा आ जाए कि बड़े बहन भाई छोटी से ब्याग से पैदा न आए और छोटे बड़े का अदब न करें तो — “इन्नुहुम

ब्रह्म के लिए

पर ना कारोबार में बारकन न होने से तरह तरह की परेशानियां
 शेष आती हैं और पर ये आए दिन लड़ाई मचाई होते रहते हैं ना
 बाप लड़ने मगड़ने हैं ना औलार पर बहुत गुल असर पड़ता है ।
 औलार की तबियत सही नहीं होती तो मा बाप का अरब व एकतराम
 उनको दित से उठ जाता है और वह मां बाप से लड़ने लगती है ।
 पर मे बारकन के लिए अल्लाह का यह फरमान याद रखना चाहिए
 कि अल्लाह फिटान खर्ची करने वालों को ना पसन्द करता है फ़ारोबार
 में बारकन के लिए उसूल रखने वालों समने रहना चाहिए कि अच्छे
 अज्कारक और उचित नफा लेने से कारोबार में तरक्की होती है इन
 उल्लूनों पर जमे रहने के बाबनूर अगर बारकन न हो तो इसका
 ख़ासी इत्लाल यह है

विशिष्टाक्षरिहमनिर्दिष्टम्
 ब स पीय अल अ ह
 अ ल वा अल अ न
 ल न ल अ स ह

EE
EE
EE

[illegible]

यह नया स्फेद चमकदार या किसी मोमी काल पर लिख कर चौखट या दीवार में छोटी कालों से गाढ़ है। तालील गाड़ने से पहले बच्चों को मिठाई बाँटे।

वद वज्जी की वजह से परशानी

विभिन्नलालिर्दृग्मर्निनरुहीम

यः शक्यः यः यः

अन्तात् ता इति ता पुनः पश्य कथम्

ला इत्याह इत्या अत्ता ए वशमका इर्नी
कुम्पु पिन उज्जालिर्माणं कुल दुवत्ताहु अहद
पुष्टिब्याहुप कहुविशत्ताहि वत्सर्जना
आपन् आदर इवत्ता नित्ताहं

इन्ना के बाद एक तो एक बार पढ़कर हाथों पर दम करो और हाथ तंग भा घेहरे पर करें। यह अमल २२ दिन या ४० दिन तक जारी रखे जैसे हालात हों उसके अनुसार अमल करो।

बर्वाभार

ब्रह्माक्षर दो तरह का होता है एक खूँती दूसरी बाँदी। यह रोग ज्यादा बड़े रहने से, कब्ज, ज्यादा मसालेदार खाने या शराब पीने से हो जाता है।

बादी बवासीर के लिए

बादी बचासीर में पाखाना करने के बाद तबारात इस तरह की जाए कि बाएं हाथ की बर्दी उंगली बचासीर की जगह से राग छाती रहे और तबारात करते वक़्त ज़मान से ——— फ़िअतुन फ़िअतुन फ़िअतल पढ़ते रहे !

खूनी बंवासीर के लिए

“यानियुन कर्पारा” तढारात करते वकत इशी तारा परे जिस

سورة الفاتحة
۴۲

तारह बासी बवासीर में फिअनुन फिअनुन फिअल पढ़ने को बताया गया है।

कमी कमी बवासीर की तकलीफ़ दूरनी तेज होती है कि रोगी बैदेन हो जाता है और यह पहचान करता है कि जेते बवासीर की जगह सुझा चुप रही है अल्ताह अपनी दिशानत में रखे। तकलीफ़ की वजह से रोगी को न उठते बैन मिलता है और न ही बैउते बैन मिलता है और हाथ हाथ करता हुआ टहलता रहता है इसका जल्दी का इलाज यह है —

रोगी "हुबल्लनी सा इलाहा इलाहु" पढ़ कर साहबत की उगली पर दम करे और यह उगली पानी में डाल दे अल्ताह में बाधा तो तकलीफ़ घूरन दूर हो ज़रूरी।

सफ़ेद दाग़ 

कुलहुवल मुअीन या माअरुजल मन्नात बल हलीम" कई दिनों तक खेरो पर लिख कर पानी से धोकर तीन बरत पिएं। इस रोग में पछली अंडा और यही का इस्तेमाल न करें।

बीमारी जो समझ में न आए

कानून पर———लिख कर गले में डालें दे

७ ६ ५ ४ ३ २ १
१४ १३ १२ ११ १० ९ ८

अगर बीमारी दोरे की गलत में हो तो एक तार्कान् यो कर लिगाए।

पिते की बीमारी 

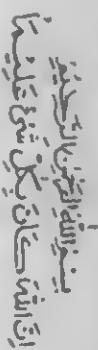
पिते में प्यरी हो पा जहर पेरा हो गया हो तो इसके लिए एक बार 'अल्ताहु का इलाहा इलाहा हुबल हयुल केयुम' सुबह शाम और रात पानी पर दम करके लिगाए ४० दिन यह अमन जारी रखे।

issuu.com/abdul23/niali/odisha
पाँचश

४३

पेचिश सादा हो पा छूनी, दोनों सूरतों में इसकी वजह आती में खराब होती है। इस रोग में जमीन के अन्दर पैरा होने वाली तरकारीयां, तेज पत्ताले, ज्वाला नमक पिव और गोदत बड़ा नुकसान देता है पुरानी पेचिश का रोग काफी दिनों तक लगातार इलाज करने से खत्म हो जाता है।

वज़न में वज़न कुछ न कुछ खाने की आदत बड़ी नुकसान देह होती है खाने में सागु दाना, भूय की दात की खिचड़ी इस्तेमाल करनी चाहिए। बकरी के गोदत के मोरवे में (नमक कम हो) तेदी को अच्छी तरह मिमो कर खाएं। इलाज यह है——



धिरिमल्लाहिरहमानीरहीम

'इन्नालाहा काना बिबुल्लनी शायइन अलीमा०'

सूरुन निकलने से पहले सुबह नहार पुंर एक प्याली पानी पर दम करके एक पहरिने तक पिएं। दम किया हुआ पानी पीने के बाद आगे पन्टे तक कोई चीज़ खाना पीना मना है।

पसलियों में दर्द

पसली, सीना, कमर या सर में कितना ही दर्द हो कोई दूसरा अगर्मी बुनू कारके दर्द की जगह सात बार साहबत की उगली से 'या अल्ताहु' लिख दे और इस अमन को दिन में सात बार दोहराए।

पाइरिया

यह बात याद रहे कि दाँतों की बीमारी का सम्बन्ध सीधे पेट में होता है। पेट अगर सही है और दाँत बराबर साफ़ किये जाए तो दाँतों की बीमारी नहीं होती।

पेट का बढ़ना और मोटापा कम करने के लिए

पिढिनियो पा टागो के पट्टो का देकार हो जाना

कुल्लु शयदना पाजिक इला अरलिहि

प्यारह हजार बार पढ़ कर नम को । तत्कीय यह है कि तेज
किर्ती दोनन में कार्य लगा कर रख ते तेज एक बार में जितनी

प्राप्त करा ।

पिती उल्लाना

रु

फुंसी, फोड़ा व खारिशा

3	2	1	2	3
2	2	1	2	2
3	1	2	3	1
2	2	1	2	2
3	2	1	2	3

श्रीकृष्ण

पेशाब की बीमारियां और उनका इलाज

प्यारह हजार बार पढ़ कर नम को । तत्कीय यह है कि तेज
किर्ती दोनन में कार्य लगा कर रख ते तेज एक बार में जितनी

पेशाब में खून आना

४६

पेशाब में खून आने या नलन की वजह बहुत है जैसे गुदों या मगाने में पथरी की वजह से यह शिकायत हो सकती है। बहुत ज्यादा गर्म चीजों या सतत शिवं खाने से भी पेशाब में नलन हो जाती है। पेशाब की बीमारियों में जुकमान देने वाली खमने की चीजों से परहेज के साथ साथ एक बार —

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
حَوَاتِلُ الْبَنَاتِ لَا تَزَالُ تَطْعَمُنَّ إِلَّا بِرِزْقِي

बिरमल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

‘हुबल्लाहुल बरिअललहनुल असमाउल हुसाना’ पढ़कर पानी पर दम करके दिन रात में आठ बार पिलाए।

पेशाब रुक रुक कर आना

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
يَا أَيُّهَا الْمَرْءُ لَا تَزَالُ تَطْعَمُنَّ إِلَّا بِرِزْقِي

सुबह सूजन निकलने से पहले और शाम को सूजन हटाने के बाद ‘याहार बार— बिरमल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

‘अलमलिकुल कुदुदु अर्रहमानिर्रहीम’ पढ़ कर घेत घेत पर फूके मारे। जब तक बीमारी से पूरी तरह नजान न पा ले यह हलान जारी रखे।

पेशाब बार बार आना

रात के बहुत अकेले में बैठकर सौ बार या दैन या इलायाह या अल्लाहु पढ़े और घेत पर फूके मार दे। तीन महीने तक यह अमल जारी रखें।

issuu.com/mahabhal23/mahabhal23/oclissha

४७

अ	सा	ब	इ
इम	अ	र	क
अ	क	त	त
त	त	अ	य

यह नक़्श खाने के ज़रू रंग से किसी मोमो कागज पर लिख कर लिख कर गले में डालें और खेतों पर लिख कर दोषकर सुबह शाम एक एक खेत घोंट पापी से पोकर लिए या कोई दूसरे सालब लिख कर पिलाए।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
يَا أَيُّهَا الْمَرْءُ لَا تَزَالُ تَطْعَمُنَّ إِلَّا بِرِزْقِي
يَا أَيُّهَا الْمَرْءُ لَا تَزَالُ تَطْعَمُنَّ إِلَّا بِرِزْقِي
يَا أَيُّهَا الْمَرْءُ لَا تَزَالُ تَطْعَمُنَّ إِلَّا بِرِزْقِي
يَا أَيُّهَا الْمَرْءُ لَا تَزَالُ تَطْعَمُنَّ إِلَّا بِرِزْقِي

सुजाक, आतिरक—

बिरमल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

या इफ़ीनु या इफ़ीनु या इफ़ीनु

या बरुडु या बरुडु या बरुडु

या बदीऊ या बदीऊ या बदीऊ

या बदीअल अलामिअिल बिल्ल खैरी या बदीऊ

जब भी पानी पिए यह अमल पढ़कर पानी पर दम कर ले।

तवादला रुकवाने के लिए

नीकरी के सिलसिले में किसी जगह से दूसरी जगह या एक गाहर से दूसरे गाहर में तवादला हो गया हो और उसे रुकवाना हो तो इसके लिए इया की नमाजके बाद १६ दिन तक १६ बार तब्बल बर। अली तरह बिअल तब्बल(पूरी सूरे) पढ़कर हुआ करे।

तवादला कराने के लिए

अगर एक शहर से दूसरे शहर या एक महकमे से दूसरे महकमे में तवादला कामना हो तो इशा के बाद ४१ बार आपदात कुत्ती अर्जुम तक पढ़कर ४० दिन दुआ करे। किसी मनबूरी से नागा हो जाए तो दिन गिन कर बाद में पूरे कर लिए जाए।

तसखीर

दुश्मन की शारात से बचने रात्रे, हाकिम को अपने ऊपर मेहरबान करने और लोगों में इज्जत का स्थान पाने के लिए पति की मारजागी और गुस्सा खत्म करने के लिए या बुरे स्वभाव की बीबी को ताम करने के लिए दुजु करके रात को सोने से पहले १०८ बार —

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

‘बिरमल्लाहि अल वासिऊ अल्ला जलानुहु’ पढ़कर अपने काम को जेहन में रखकर पूँक मार दे और दुआ करके सो जाए। अमल की पुरदात ४० दिन और ज्यादा से ज्यादा ६० दिन है औरते नागा के दिन गिन कर बाद में पूरे कर ले। अगर किसी जातिम या सख्ख स्वभाव हाकिम के दिल में नर्मों और पौड़बूद पैदा करना हो तो काफ़ हो या ऐन साद इस तरह पढ़े कि काफ़ पढ़कर सीधे हाथ की उंगली बन्द कर ले। हा पढ़कर बराबर वाली उंगली बन्द कर ले और साद पढ़कर अगला शहरान की उंगली के आखिर तीसरे घोरे पर रख कर मुट्ठीही बन्द कर ले और जब हाकिम के सामने पेगी हो तो बाय खोले दे। यह जल्दी नहीं कि हाथ हाकिम की आँख के सामने खोला जाए।

दीमारी की जांच करना

फुल की अंगान के बाद —
 बिरमल्लाहि रहमान रहीम
 इफ़नह इफ़नह इफ़नह

ISLAHIL AMLAK/SHARHUL USUL/MAHAJIRI KALAMAH को जिसके बारे में मालूमत हासिल करना है बाबाने नुबि बारे में जेहन में जाहिर हो जाएगी। अगर रोमी खुद मालूम करना चाहें कि बीमारी क्या है तो यह अमल करके अपने दिन के अन्दर देखे। जेहन में दीमारी की पहचान हो जाएगी।

किसी रोमी का इलाज मालूम करना हो तो यही अमल रात को सोने से पहले शिमल की तरफ़ मुंह करके पढ़े किसी से मान न करें और सो जायें। जब तक हलाल का पता न यत्ने यह अमल रोज़ करते रहें छद्म में या किसी भी तरीके से पता चल जायेगा

तिल्ली का इलाज

कागज पर फूँकिना क़ब्रित अल क़रन लिख कर रोमी के गले में डाल कर या तिल्ली की जगह घेद पर धाग दे और ज़रा सी राख़ कबिदे की उंगली पर लगा कर एक बार या बहुत पढ़े उंगली पर फूँक मारे और तिल्ली के ऊपर उस उंगली से एक बार ज़ख़ (X) का चिह्नान बना दे।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
 يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ يَا حَيُّ يَا حَيُّ يَا حَيُّ يَا حَيُّ يَا حَيُّ
 يَا حَيُّ يَا حَيُّ يَا حَيُّ يَا حَيُّ يَا حَيُّ يَا حَيُّ يَا حَيُّ
 يَا حَيُّ يَا حَيُّ يَا حَيُّ يَا حَيُّ يَا حَيُّ يَا حَيُّ يَا حَيُّ

काफ़पाहट और बदन में झटके लगाना

बिरमल्लाहि रहमान रहीम
 या हय्यु कबला कुल्ती शायदन या हय्यु बाअला कुल्ती शायदन
 या हय्यु कबला कुल्ती शायदन या हय्यु बाअला कुल्ती शायदन
 या हय्यु कबला कुल्ती शायदन या हय्यु बाअला कुल्ती शायदन

६६	६६	६६
६६	६६	६६
६६	६६	६६

किसी ऐसी साफ लकड़ी पर जिससे बदबू न हो वह नक़्श़ा लिख कर लकड़ी में सूर्यमुख्य करके डोरी से बकौरी, गाँव, या भैंस के गले में डाल दे। अल्लाह ने बाधा दूर की कमी पूरी हो जाएगी।

जिंसी कशिश पैदा करने के लिए

कुछ हलाल में ऐसी खाना पैदा हो जाती है कि औरत या मर्द के अन्दर जिंसी जन्मा या तो बहुत कम हो जाता है या बिल्कुल नहीं रहता इसे दीक करने के लिए एक कपाज पर 'अल कयना-अल-कयना' लिख कर औरतों चोटी में और मर्द बाजू पर बाँधे।

जिंसी चाहत (गैर मर्द या औरत) खत्म करने के लिए

बुरा करके तीन बार

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ مُحَمَّدٌ عَبْدُهُ وَرَسُولُهُ
أَعْلَنِيكَ يَا اللَّهُ فُوزَ السَّمْعَيْنِ وَالْأَبْصَارِ
لَا تَنْجِسْهُ بِسُوءٍ وَلَا تَلْمِزْهُ

बिस्मिल्लाहि ररहमानिरररररर

'ला इनाला इल्ला अन्ता गुबलानका इन्नी कुनु
मिन्-ज्जालिमीन० अल्लाह नूरसमावाति वल अजि० ला
नायुगुह गिनल... नवयुन' पढ़कर एक प्याली पर दम करे
और पिनाए। यह उमल चालीस दिन तक करे।

जिन्नात के लिए हाज़िरात

अगर दीपारी का सही पता न चले और यह कहा जाए कि
दम पर जिन्नात का साया है तो रोपी को सार्माने देना कर—
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
يَا حَبِيبُكَ يَا حَبِيبُكَ
يَا حَبِيبُكَ يَا حَبِيبُكَ
يَا حَبِيبُكَ يَا حَبِيبُكَ
या बदीऊ या बदीऊ या बदीऊ
या बदीऊ अल-अजाओब बिल-अजाओब
या बदीऊ

बड़े टुकुर और इस्तीमान के साथ ११ बार पढ़े और रोपी पर
दम करे दम करते वक़्त यह कलना होनी चाहिए कि मैं और रोपी
दोनों अपने पुअल्ला के बीच हैं अगर रोपी पर जिन्नात का असर

है तो दम करते बहुत पला चल जाएगा। यह पला होने के बाद कि रोमी पर जिन्नात का असर है ११ बार या हफ्तीनु पढ़कर एक बार फिर दम करे रोमी अपनी असली हालत पर आ जाएगा

जिस्मानी और रुहानी सलाहियतों की तजदीद

हज्जाल जब पेचीदा हो जाते हैं और मसला किसी तरह हल नहीं होता तो इत्सान के ऊपर ठहराव सवार हो जाता है इस ठहराव की वजह से उसके अन्दर सूझ बुझ और इरादे की कुव्वत खत्म हो जाती है कोशिश के बावजूद वह किसी नतीजे पर नहीं पहुँचता। जिन्दगी में नाकाम रहना है इसका असर लहानी और जिस्मानी सेहत पर भी पड़ता है। यह सलत खुद उसके लिए और घर वालों के लिए अजुब बन जाती है इससे सुटकारा हासिल करने के लिए घाँसी की अंगूठी पर ८ खाने बनवाकर उसके अन्दर ८ का अरद खुदवा लिया जाए और यह अंगूठी तीसरे हाथ की छोटी उंगली के बराबर वाली, उंगली में पहन ली जाए। अल्लाह ने धारा मो मारते हल हो जाएंगे।

घोरी की आदत छुड़ाने के लिए

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
 بِحَقِّ مُحَمَّدٍ وَآلِ مُحَمَّدٍ
 وَبِحَقِّ عَلِيِّ بْنِ أَبِي طالبٍ
 وَبِحَقِّ عَلِيِّ بْنِ الْحُسَيْنِ
 وَبِحَقِّ عَلِيِّ بْنِ الْحُسَيْنِ

बिस्मिल्लाहिररहमानिररहिम

या हफ्तीनु या हफ्तीनु या हफ्तीनु या हफ्तीनु या हफ्तीनु
 यां वदू या वदू या वदू या वदू या वदू
 कागज पर लिख कर उस आदमी के तकिए के अन्दर लुई के बीच रख दे जिसकी घोरी की आदत छुड़ानी हो। यह तकिया कोई दूसरा आदमी सर के नीचे न रखे।

isshah kam/niel ki shayasi/odisha
 वाश क नील की शायसी/odisha
 وَابْنُ دَاوُدَ رَاحِمُهُ

इन्ना बिल्लाहि व इन्ना इलयाहि रजिऊन कि सी वज्जी पयार के नीचे ऐसी जगह दबा दे जहाँ पयार हिले जुले नहीं।

घोट से तकलीफ

ऐसी घोट जिसमें कोई अग जगह से वे जगह हो जाए या बन्द घोट जिसकी वजह से दर्द हो या बरस आ गया हो उसे खत्म करने के लिए एक बार बिस्मिल्लाहिररहमानिररहिम

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
 بِحَقِّ مُحَمَّدٍ وَآلِ مُحَمَّدٍ
 وَبِحَقِّ عَلِيِّ بْنِ أَبِي طالبٍ
 وَبِحَقِّ عَلِيِّ بْنِ الْحُسَيْنِ
 وَبِحَقِّ عَلِيِّ بْنِ الْحُسَيْنِ

'कुल्ला यदयिन हुआ फी शान' पढ़कर पानी पर दम करके पिलाए और कागज पर लिख कर तबीन की घोट की जगह या दाम पानी जगह बांध लें।

चलने फिरने से मजबूरी

जिस्म की सम्बाई के बराबर कच्चे रूत का नीला घागा सात बार नापे और उसे इतना छोटा कर लें कि गले में डाला जा सके। एक बार-----

बिस्मिल्लाहिररहमानिररहिम

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
 بِحَقِّ مُحَمَّدٍ وَآلِ مُحَمَّدٍ
 وَبِحَقِّ عَلِيِّ بْنِ أَبِي طالبٍ
 وَبِحَقِّ عَلِيِّ بْنِ الْحُسَيْنِ
 وَبِحَقِّ عَلِيِّ بْنِ الْحُسَيْنِ

'फुसिअयिब आताई रब्बिखुमा नुकीन् शान' पढ़े और घागे में एक गिरा दें। इस तरह ११ गिरा दें साप्ता और यह गडा रोमी के गले में डाल दें ठीक होने के बाद गडा उतार कर नहर या दरिया में बहा दें।

قَالَ الْخَلْفَاءُ وَذَلِكَ أَكْثَرُ

न	म	न	म
ह	व	ह	व

五

रत्नम् की खराबी देने की बुराई की वजह से बहुत सी बीमारियाँ पैदा हो जाती हैं इसी में से एक रोग गैस बी है जब रेट में गैस जमा हो जाती है तो यह रित्त के आसपास जमा हो जाती है और रित्त पर दबाव बढ़ता है और आरम्भ का दम घुटने लगता है पंज गैस रार की तरफ बढ़ती जाए तो अण्णा सी सी का सगला है पंज गैस रार की तरफ बढ़ती जाए तो अण्णा सी सी का गार दद पा गारनस हो जाता है इसका स्याङ धान्यो की तरफ हो जाता है तो धान्यो में दर्द और कभी कभी सनसनाहट होने लगती है ।

आता या बड़गा, आतों की कपजोरी, दस्त और दूसरी वामाशियों के लिए जंद रंग की ताक एक बिलायती शीशी खीट कर उसमें फका हुआ पानी भरे और उसमें मजबूत कार्क लगा दे । पानी भरते बड़गा इस बात का ब्याल रखे कि शीशी का उपरी हिस्सा छाती रहे । इस शीशी को ऐसी जगह भाप में रखें जहाँ सुबह से तीन घां बने शाय तक पार रहती हो । शाय के बड़गा शीशी उठा हों । इस पानी में जंद के रंग पोले कर रोशनई बनाए और इस रोशनई में ताकई पानी की तीन अउर प्सेटो पर अलग अलग यह नक़्श लिखें ।

विरिजल्लालिहहभाविहहमीम

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

रिपाहीना रिपाहीना रिपाहीना माआ माआ माआ	رِیَاحِیْنَ رِیَاحِیْنَ رِیَاحِیْنَ ماءَ ماءَ ماءَ
रिपाहीना रिपाहीना रिपाहीना माआ माआ माआ	رِیَاحِیْنَ رِیَاحِیْنَ رِیَاحِیْنَ ماءَ ماءَ ماءَ
रिपाहीना रिपाहीना रिपाहीना माआ माआ माआ	رِیَاحِیْنَ رِیَاحِیْنَ رِیَاحِیْنَ ماءَ ماءَ ماءَ

सुबह जाते से पन्द्रह मिनट पहले दोपहर और रात के खान से जाया घंटे पहले एक एक स्लोट पूरा में है। वार पानी से दो का

हस्त करने वाले, दुश्मन की शरात से बचे रहने के लिए फज्र की अला नमाज के बाद या रात की सोने से पहले अल्फा अफिदा ११-११ बार दस्त शरीफ के साथ

बिस्मिल्लाहिररहमानिररहीम

नारस्मिन्ल्लाहि व फज्रहिन कर्नाब

पूरे माते अल्फाह ने बाहा हसिर और दुश्मनो की शरात से बचे रहने । यह बामल नरुत के बिना पढ़ने की इजाजत नहीं है केवल ऐसी सूख में हमारी तरक से इजाजत है जब इस बात की तरदीक हो जाए कि कोई आदमी दुश्मनी कर रहा है ।

मर्जी की शादी के लिए

तर्दीज लिखने का तरीका

नीचे दिये हुए नक़्श के ऊपर बारीक कानून रख कर खाने बना लें और कानून को अलग करके ऊपर बिस्मिल्लाह शरीफ लिखें और फिर खाने इस तरह पढ़ें कि पहले यह बार खाने लिखें जिसपर नम्बर एक डाला गया है फिर नम्बर दो का पढ़ें । इसी तरह तर्दीज से आठों खाने लिखें उसके नीचे जो शादी करना चाहता है उसका नाम और उस नाम के बाद उसका नाम जिससे शादी करना चाहता है लिखें ।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

बिस्मिल्लाहिररहमानिररहीम
यकुन दनम यूल्द बलम २
अल्फाहु अहदुन अल्फाहु हुआ ५
तहु यकुन बलम यूल्द ७
अहदुन अल्फाहु हुआ कुल १

بِسْمِ	اللَّهِ	الرَّحْمَنِ	الرَّحِيمِ
بِسْمِ	اللَّهِ	الرَّحْمَنِ	الرَّحِيمِ
بِسْمِ	اللَّهِ	الرَّحْمَنِ	الرَّحِيمِ
بِسْمِ	اللَّهِ	الرَّحْمَنِ	الرَّحِيمِ

(१)
(२)
(३)
(४)
(५)

issuu.com/abdul23

بِسْمِ	اللَّهِ	الرَّحْمَنِ	الرَّحِيمِ
بِسْمِ	اللَّهِ	الرَّحْمَنِ	الرَّحِيمِ
بِسْمِ	اللَّهِ	الرَّحْمَنِ	الرَّحِيمِ
بِسْمِ	اللَّهِ	الرَّحْمَنِ	الرَّحِيمِ

बलम यल्लिु लम अलफाहुद
कुल अहदुन कुकुन तहु ४
यल्लिु लम अलफाहु अल्फाहुद
अहदुन कुकुन ८ -अलहुनु-----

بِسْمِ

यह तर्दीज मुहब अपन तर्किये के नीचे रखे । अगर बहुत जल्दी अगर चाहिए तो दो फरसों के बीच इस तर्दीज को दबा दें । हर फरस का वजन कम से कम दो सेर होना चाहिए परन्तु न्यारा वजनो हो तो कोई हर्ज नहीं लेकिन दो सेर से कम न हो । ये फरस जमीन पर रखे किसी लकड़ी, बोर्नी या लकड़ पर न रखे जाए । यह जमल केवल जायज फरस के लिए किया जाए गानाजय काम के लिए न कोई बरता नुसामन होगा ।

सफर में हिफाजत के लिए

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

सफर पर जाने से पहले घर या जाने वाले स्थान से निकलने के बाद----- या हफ्तीन या बरुद या रफीनु या मुरीनु या हफ्तीनु या बरुद या बरुद या अल्फाहु या हफ्तीनु पढ़कर आसमान की तरफ धर करके पुके बार दें । अल्फाह ने बाहा मो रास्ते की हर आफत से महफूज रहनेगे । सफर में भी यही मरद भी हासिल होगी ।

हाफिजे की कपजोरी दूर करने के लिए
सुबह नशर मुह बुनु या कुल्लो करके रफि यूसिर व ला बुअसिर तीन बार पढ़ें और पानी पर दम करके पी लें इस अमल को ४० दिन तक जारी रखें अगर किसी बरकत से नागा हो जाए

खून की कमी
जिसमें से खून को कमी दूर करने के लिए ब्रिटिशलाह शाफ
के साथ तीन बार ---- या हथु कब्जा कुली गायदन या हथु
बाआ कुली गायदन पहक पानी, चाय, शक्कर या दूध जो भी
पिए उत पर दब करके लिए जब खून की कमी दूर हो जाए तो
यह अमल छोड़ दें ।

إِنَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ الْحَيُّ الْقَيُّومُ

नवो दिन तक्र रोज एक दा

‘अलगा हुआ इलाका हुआ बहुत बयुन क्यूंपन’
पढ़कर राहुन निकलने से पहले तक गुराही पानी या पढ़के पर
दम करे और योगी को पीने के लिए यही पानी दे । अगर योगी खुद
अमन करने की लल में हो तो यही आपन सुबह रातों और रात
को सोने से पहले एक बार पढ़कर शायो गर दम करे और दोनों
रात बेहरे पर कोर से ।

दिपार्थ सत्ज्ञान की श्रवणी

हिमाग पर हर पक्षि दबाव रहने से जेहन बिगड़ जाता है इसकी वजह वेर्चाला तालाव हो या कोई जलमयन, दा कोई परोरानी इलाक़न एक ही है वरह यह कि जब भी पानी पीर एक पूर पानी पर बिबिधमल्लारिहर्मानीहीम पड़ का दम करके गिए या इस तरह के कि पहला पूर पानी नुह में तेकर रिल ही हिल में बिबिधमल्लारिहर्मानी पड़े। अगर रोगी की तालाव इतनी ख़ाब हो कि वरह ख़ुद शरीर पड़े। अगर रोगी की तालाव इतनी ख़ाब हो कि वरह ख़ुद यह अमल न कर सके तो बिबिधमल्लारिहर्मानीहीम ज़रफ़ान और पालाब के अर्क से एक स्तर पर बिबिध का शुबह नारा मुह पिलाए।

दिमाग की रग फट जाना

कभी कभी सर के ऊपर सख्त थोट लग जाने से दिमाग का अन्दर का हिस्सा दूर जाता है कोई सदमा पहुँचने या खून के दौरान दिमाग को झटका लग जाने से दिमाग की कोई रग दूर जातो है

यह है कि दुग्ध की ऊन या बकरी और दुग्ध की छात को ऐसा जगह से जलाया जाए जहाँ से रोगी तक पुआ पहुँच सके। इस पुए से विभाग के दो रोगी सर्वा हो जाते हैं जिनकी वजह से रोगी बेवज्रा हुआ है। इसीनान में बड़ी राखवायी की जरूरत है जरा सी तापबर्धक खाना बन सकती है।

दिमागि कमजोरी

दिमाग उलझन और नर्वसनेस को खत्म करने के लिए नमक को पाना कम करके बौनाई कर देना चाहिए। ज्ञान के लिए किमोमी मोमी कामज के एक टुकड़े पर जफरान और गुनाब के अर्क से अर्जानअत अमा नवीन

अर्जुन अथा नदीना

الرَّهْمَانُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ

लिख का एक पौड शहर में डाल दे। यह शहर एक एक दम्पती तान दिन योजना खाए जब तक सेहत पूरी तरह ठीक न हो इस इलाज को न छोड़े।

दाग धब्बे और घाव के निशान

जिस पर दाग पड़े दाढ़ों से घाव के ही मा जलने के हो उन
 सब के लिए मुबह रूख निकलने से पहले और सब को सोने से
 पहले बिरियन्नाह के बाद एक एक हजार बार 'मा शफी' पढ़कर
 दोनों दाढ़ों पर दम करे और जिहानों पर हेर लै। साथ ही नब्ब
 मा जानी या कोई मगानब लिए 'मातर बाद 'मा शफी' पढ़कर उस
 पर दम करे।

दवा या इन्जेक्शन कारी

कॉर्ड नेत्र या जर्नीली दवा इस्तेमाल करने से कभी कभी दृष्टि नर्हीना हो जाती है इससे रोगी के निराम गर दरोड़े पड़ जाते हैं कभी कभी प्रभ भी उछल आता है । अगर गहरा हो जाए तो रोगी के प्रियाग के अन्दर चुपन और बदल में खिंचाल मरहूस होता है दवा के इस प्रचल अगर से बेहोशी भी हो जाती है । पुइ पुकारनिग

या किसी जगहसे कीड़े जैसे साध, बिम्ब, मित्र, शहर की मकब्रों
आदि के काटने से भी अगर खून प्रभावित हो जाए तो एक बर—

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ يَا إِلَهَ الْإِلَهِ
يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ يَا إِلَهَ الْإِلَهِ
يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ يَا إِلَهَ الْإِلَهِ

विश्वमन्त्रादिरहमानीरहीम

‘या रहीमु या अल्लाहु या मुहीदु या रहीमु या मुहीदु

या रहीमु या अल्लाहु या मुहीदु या बदीअल अनाअिबि

बिल खैयार या बरीऊ ‘ पढ़कर पानी पर दम करके रोमी को

पिलाए और चिकनी बिन्दी के डेले पर दम करके बार बार सुगाए ।

दांत पीसने की आदत

सोने के दौरान रात पितने की बोमारी कई बजह के अन्धकार
पर होतीये है इतने एक बजह पेट में केचने या कीड़े भी होती है
बहरहाल बजह कुछ भी हो रोमी जब गहरी नींद सो जाए तो उसके
पास सरहाने की तरफ खड़े होकर इतनी अबाज से कि नींद खराब
न हो, कुछ दिनों तक कोई साहब ‘काफ हा या ऐन साद’ पढ़े पढ़ने
बजल लहजे में हर जगह की दूरी बराबर होनी चाहिए ।

दम्मा

अल्लाह के बान्नु के लहज आदमी अलत में रोशानियों का
मन्बूअ है इन रोशानियों के ऊपर उसके जिनगी का आधार है बहुत
सी बोमरिया रोशानियों की कमी से पैदा होती है और बहुत सी
बोमरिया रोशानियों की अधिकता से बन्द में आती है ।

रोशानी एक तरह का नहीं होती बल्कि इन्सान की जिनगी में दोरा
करने वाली रोशानियों की किसी अजब है हर रोशानी का अलग

ISSAIAH 40:1-11
इन रोशानियों का अलग अलग रोमी का नाम है
इन्सान को कल से मिलती है और इन्सान रोमि पर उतर कर
किस तरह दूरे है और बिजगरी है दूरे और बिजगरी के बाद
दिमाग के कई अरब रोमी इन से किस तरह प्रभावित होकर हवास
को पैदा करते है इसका पूरा बयान ‘रंग और रोशानी से इन्सान’ में
मौजूद है ।

दम्मा और जीकुन्फत की बोमारी भी रोशानियों में बेलेत न
होने की बजह से होती है वे रोशानिया जो पूरे निरम में खून की
गंधरा देने की निम्नदार है इनमें सन्तुलन नहीं रहता । नतीजे में
खून की भलाहट जो नन्हे गूगुओं से निकलती चाहिए वह पूरी तरह
नहीं निकल पाती और जब यह खून पूरे निरम में दौरा करके फेफड़ों
में पहुँचता है तो फेफड़ों की जालियों में यह भलाहट जमा होती
रहती है इस भलाहट में शुरू में बन्ध पैदा होती है और फिर वायरास
पैदा हो जाते है जो फेफड़ों का पणिग सिरटम खराब हो जाता है जिसकी
बजह से सास लेने में बारी परोशानी पैश आती है और इतनी को
दम्मा का नाम दिया गया है इन्सान यह है

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ
يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ
يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ
يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ

विश्वमन्त्रादिरहमानीरहीम

या फारिकु
या फारिकु
या फारिकु
या फारिकु

धीमी की चेतनी या सोने के गहरे पर जर्द के रंग से ऊपर सिखा नखर लिखे और पानी से घोकर दिन में तीन बार पिलाए।

सावधानी - रोमी साफ हवा और पूल मिट्टी से पाक माहील में रहना चाहिए। ठंडी हवा, खट्टी और ठंडी चीजें इस रोग में नुकसान देने वाली हैं ज्यारा सती और ज्यारा गमी भी इस रोग के लिए सही नहीं हैं।

दाद

دَدُ الْبُرْدَةِ وَدَدُ الْبُرْدَةِ

सुबह, दोपहर और रात—

रज्जुन भासकयनी व रज्जुन पणिरबयन०

११-११ बार पढ़कर दाद पर दम करे।

दांतों के सभी रोग

उम से पहले दांतों का हिलना, पापारिया, दांतों पर चूना जमना, दांतों में कीड़ा लगना, दांतों पर काले पच्चे पड़ जाना, दांतों का रंग हल्दी की तरह जर्द हो जाना, दांत की हड्डी का घूरा होकर टूटना आदि आदि। इन सब के लिए बलनूस्सुद ६ बार पढ़कर सुबह नगरा पुर एक गिलास पानी पर दम करके एक घूंट अलग कर लें। याकी पानी से अच्छी तरह कुल्फी करे। कुल्फी करने के बाद अलग किमा हुआ एक घूंट पानी पी लें। इसके आगे पन्ने बार तक कोई चीज खाना पीना मना है।

दांत या दाढ़ में दर्द

دَدُ الْبُرْدَةِ وَدَدُ الْبُرْدَةِ

उम दांत या दाढ़ को जिससे दर्द हो चुटकी से पकड़ कर छोड़ दे और चुटकी पर —“इजाजुनानिजिल अनु जिल जालहा” पढ़ कर दम करे।

دَدُ الْبُرْدَةِ وَدَدُ الْبُرْدَةِ

द्विस्वल्ताहि रतमानि रसीम

“रज्जुना बिलकज्जयना” पाठु बुरातन अल्फा मरह”

पढ़कर पूरे घारे और गिरह लगा दे। यह रुमात गर में ६५ नगर बांधे कि गिरह कनयटी पर आ जाए। अगर दर्द जुराना हो तो यह रुमात पुबह लगेरे बांध कर रात को सोने से पहले कुछ मिन्द के लिए खोल दे और फिर बांध ले और कई दिन तक यह रितानेला जारी रखें। जून या गुलत करते दर्द रुमात खोल लेने में कोई हरज नहीं।

साखल दर्द कहीं भी हो

دَدُ الْبُرْدَةِ وَدَدُ الْبُرْدَةِ

दर्द किसी भी हिस्से में और किसी वनर से हो “इजाजुनानिजिल अनु जिल जालहा० व अखराजानिजिल अनु भसकालि०” ऐसे भवान से जिससे रोगी न रात तक सात बार पढ़कर सुबह शाम तीसरे कान में फूँकें घारे।

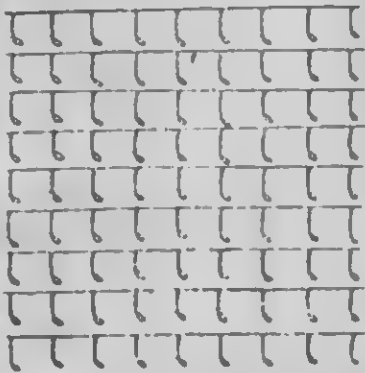
कान में दर्द

जबरात भर अगाली सरागों का तैल हल्का गर करके उस पर एक बार सारा खुल आंखु बिगाबिल फू—त—क पढ़कर दम करें और प्रभावित कान में कुछ घूरे डाल दें। कान में जेल हमेशा हल्का गर डालना चाहिए।

रीढ़ की हड्डी में दर्द

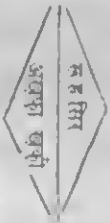
गर्दन तोड़ गुधारा हड्डी के छल्ले का ने जगाड होना यागि मोनो के बीच जगाह बन जाना, रीढ़ की हड्डी या उससे बल पड़

जाना या तीढ़ की हड्डी का बिगड़ जाना, तीढ़ की हड्डी के बीच हड्डाम मगज में खराबी पैदा हो जाना। इन सब के लिए नीली और



जर्द रोजनाई भिनाकर नीचे दिया हुआ तालीज़ लिखा जाए और धोम जाना करके नीले पागो में प्रभावित जगह पर बांधा जाए।

गुद्दी और कमर में दर्द



ऐसा दर्द जो कूल्हों के बीच तीढ़ की हड्डी के जोड़ में हो या तीढ़ की हड्डी के ऊपर गर्दन के जोड़ में हो या तीढ़ की हड्डी में किसी ऐसी जगह हो और दर्द की लहरें बिनाग तक जाती हो तो ऐसी स्थिति में ऊंचे दो तिकोन बना कर यह नब्बा बेरी की लकड़ी पर लिख कर गले में लटकाना।

सब्जों के दफन कागज या चीनी की चोट पर लिख कर पानी से धोकर पोनाए।

गर्दों में दर्द
isbhar.com/ajbda/23/gardol/23/

न म क

अल्फ़ाबिफ़ुलकुददस अरमागिरहाम

७६५ ७५५ ७६५

أَلِفْ لَام مِيم ن ه و ز ح ط ي ك

गुर्दों का दर्द रियाही हो या पथरी की वजह से हो दोनों हालतों में किसी भी भी कागज पर उमर वाला नब्बा लिख कर दोनों के साथ कमर में इस तरह बांधे कि तालीज़ गुर्दों के पास रहे। इस नब्बा को पानी से धोकर बिलाना भी ठीक है अगर गुर्दों में पथरी हो तो रेत धन कर पैयाब के ज़रिए बाहर निकाल जाती है।

अर्कुन्मिसा (लंगड़ी का दर्द)

देखा गया है कि रोमों इस बीमारी की वजह से मरने फिरने से भी मजबूर हो जाते हैं न केवल यह प्रभावितों रोमी पूरी तरह बिनाग का वजन नहीं समालती बल्कि कभी कभी कमर में देड़ भी भा जाती है। रुलाती लिख में इस दर्द की बुनियादी वजह गुर्दों के निजाप अमल में खराबी पैदा होना है साथ ही गुर्दों में गैस भी जमा हो जाती है जिससे न केवल दर्द ही नहीं होता बल्कि पथरी भी बन जाती है इससे नजात पाने के लिए जब भी पानी फेंकें - - "या

يَا قُوتُ الْإِسْلَامِ يَا قُوتُ الْإِسْلَامِ

शाहिजल अब्तार मुक़ीमन सर्दास' पढ़कर दम कर लें।

ऐसी का दर्द

चाने फ़िरते उठते बैठते, जुनू और बिना बुनू 'बमपादु बिबैसिकुम व अर जुनू खुम इतल का अबयन०' का विद करे। दर्द खत्म होने पर विद खत्म कर दें।

आधी सीसी का दर्द

घुबरा रूरन निकलने से पहले रोपी को उकड़ इस तरह बिजल कि उसका मुँह मरिक् की तरफ हो ! रोपी से कहें कि वह सर के उस ओर हिस्से पर अपना सीधा हाथ रखे जिस तरफ दर्द होता है कोई ना बालिंग विमिन्नाह के बाद फरीकु कज्जबला मुहयान पड़कर फूक नार दे ना बालिंग से मुलाद दास से बारक साल नक का लड़का या लड़की है ।

द्विपथीरिया (खन्नाक)

यह रोग आम तौर पर मासूम बच्चों को होता है । इस रोग में बहुत ही महीन कीटाणु सात ही नाली में इस जेनों से पतने है कि कुछ ही घंटे में सात की नाली बन्द हो जाती है अगर वजन पर इनान न किया जाए तो वे किटाणु खिल्लों के रूप में रास की नाली को बन्द कर देने है और रोपी का दम पुट जाता है । इस खनरनाक रोग से नजात पाने के लिए एक बार--“पन जल्लनी पयाक इन्दु इल्ला बिदुनीकि” पढ़कर पानी पर दम डरे और यह पानी बार बार हनक में डालें और गल्ला पड़ता रहे तबकि पानी हलक से गोँवे उतर जाए । इस रोग में सापरवाश न करें । क्योंकि यह बहुत खनरनाक रोग है ।

खाद खराब होना

अगर खाद खराब हो जाए और हर चीज कीही मानुष ही तो घुबहा रूरन निकलने से पहले नष्टा मुँह ‘अन्तर्निज्वासन्नी’ दिल ही दिल में पढ़कर पानी पर दम करे और यह पानी मरिक् की तरफ मुँह करके नीच घूट में पी लें ।

जियावतीस

यकार पेशाब में हो या खून में दोनों हल्लों में तीव्र खाना तार्वाज कागज या चीनी की ज्येटी पर जफारान या गुलाब के अर्क

से लिख कर कौनों बच्चा ज्येटी में पढ़ाए पानी में घोसल दिए ।
issuu.com/abobla_01/गोहा/01/गोहा

अ साद म र
हमजा अ र क
अ क ल न
ल त अ य

६	७	८	९
१	२	३	४
५	६	७	८
९	१०	११	१२

भाट से परहेज जरूरी है अन्यथा जापुन इस रोग में खाना लोक है कला यना (छिक्के समेन) पिसस कर उस आटे की रोटी खाना जियावतीस में खास तौर पर सामनयक है ।

दिमाग बेकार हो जाना

सगरनर डैकनी दबाव, असाही करामकश या किसी और वजह से अगर दिमाग बेकार रहता हो यानि कोई बात समझ में नहीं आती हो, दिमागी या नितयामी काम करने बकल जेरन राख न देना से ऐसी रूरन में काली रोगनाई से लोबान के बहुत छोटे छोटे टुकड़ों पर ६ के हिस्से लिखे जाए और लोबान के टुकड़ों को दहकते हुए ज्येटी पर रान कर पानी की बरत घुल जाए ।

यह अमल ऐसी जगह करना चाहिए जहां रोपी के अलावा कोई और आदमी न हो । इसके लिए रात का वज्ज बड़ा अच्छा है । पानी लेने के बाद मुताब्बा करे यानि आँखें बन्द करके अपने दिल के अन्दर देखें । मुताब्बा पन्द्रह मिनट से आगे घन्टे तक किया जाए । इस अमल से जेरन से ऐसी रोगनिया अपने लगती है जिनसे मसलो का हल आसानी से समझ में आ जाता है और जेन्न के अन्दर खाना व मसलो का मुक़बला करने की ताकत पैदा हो जाती है ।

रग फटने से खून आना

सखा खोट की वजह से कोई रग फट जाए और उससे खून बरने लगे तो यह खतरे की बात है इस रूरत में लपा / गाही नहीं बरतनी चाहिए जल्दी ही इलाज करना चाहिए । राख ही--

पेट पर खाने के जुरा रंग की रोयानाई से लिखका रोमी का
बार बार लिखए बेहोशी की हालत में पानी घमघे से उतके हलक
में डाले ।

يُسَبِّحُ اللَّهَ الرَّحْمَنُ الرَّحِيمُ
الرَّحْمَنُ عِلْمُ الْغُرُوبِ ۝ حَقَّقَ الْإِنْسَانُ
عِلْمَهُ الْبَيِّنَاتِ ۝ السَّمْعُ وَالْأَبْصَارُ ۝

अर्धमानु अल्पपल सुराणाम् मूलकत इमाना अल्पमदुल
 वयानम् अराममु क्त कृ-म-निरुद्वयमान् लिखकार एक तावीज गते
 मे पहना है और एक तावीज मुक्त नगर मुह रोज पानी से धोकर
 काफ़ी दिनों तक धिनाए ।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
تَايِيدُوعِ الْعِبَادِ بِالْغَيْرِ تَايِيدُوعِ

रासौता बिस्म में किर्सा या नगाह हो बिचिमल्लाहि रहमानि नरीय
या बदोउल अंजाबिबि बिल दुंयारि या बरीक

(राधा) के बीच में विन्नु बनाकर इस तरह काटें कि इस की बात बान जाए। कानून या प्लेट पर जर्द रो या गुनाह के अर्के से लिखकर दिन में तीन बार कई महीनों तक पिए जब तक कि रातीन खत्म न हो जाए ।

प्यारे नन्दा रघुनन्दन मिल आत्मीन सारकार दो आलम हुनू
सल्लं की प्रियापन ओ हरम बाँधो काँसल कनो के लिए झा
की नमान सब कमी से निमट कर रात की राँगे से पकने ---सल्लान्ताहु
नआला अला हकीमिह मुहम्मदिं सल्लान्ताहु

صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى حَبِيبِهِ مُحَمَّدٍ وَسَلَّمَ
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
يَا وَدُودَ يَا بُدَيْعَ الْعَجَائِبِ يَا خَيْرَ الْأَيَّدِي
بِسْمِ اللَّهِ الْأَوْسَعِ جَلَّ جَلَالُهُ يَا خَيْرَ الْخَلْقِ

या वयुः या वरीअत अनाआब चित खेयार या वरीक
बिरिमल्लारि अत वारीक जत्सा जलानुह या हरीननु

मीन सौ बार पढ़का आखे बन्द करके पन्द्रह बाँस मिनट हुनुर सल्लं की कलना को और बात किये बिना इसी कलना को क्वायम रखते हुए तो जाए। २१ दिन के इस अमल की बारकत से अल्लाह ने बाता तो हुनुर सल्लं की जियात और कनम बोसी को सआरत नसीब हो जाएगी। जियात की सआरत हसिल होने के बाद पीछे जायन पका कर बच्चों को खिला दे।

सब कामों से निपट कर रात को सोने से पहले अन्धन आँखों पर गहरे नीले रंग के चूने की चूनी लगाकर सो जाते हैं।

नरती है औंरते नागा के दिन भिन कर बार में पूरा कर ले ।

पति का गुस्सा खत्म करने के लिए

बीवी पति के पुकावने ज्वारा मूठभल करने वाली होती है इससे अन्दर मुठभल का गुलानी समुद्र ही है जिसकी बलह से नरती इसानी का दन्द और बढ़ती जाती है अगर बीवी के साथ पूरी मुठभल की जाए और पति को तरफ से उसे जेठनी मुकुल भिल जाए तो सपान की अनेको बुलाइया खल हो सकती है जिसका असर सीसे आने वाली नरती पर पड़ता है । पति के बुरे सुनक से नजाल पाने के लिए इसा की नमान के बार बीवी अलत आखर मयारह मयारह बार दरद शरीफ के साथ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

बिस्मिल्लाह रहरहमानिरहेम

'बिस्मिल्लाहि अल वासिऊ अल्ला जुलाहु' मुसल्ले पर बैठ क एक तब्यार पड़े और हुआ करे । अगर ऐसे हालत पैदा हो जा कि पति तलाक देने पर तैयार हो या उसके अन्दर बीवी को अलग करने की जिद पैदा हो जाए या बीवी को घर से निकाल दे और बदले के तहत उसे घर न बुलाए तो बीवी को चाहिए कि रात को सोने से पहले जुनू करके मुसल्ले पर बैठ कर — 'हुल हुल्लाहु अ-ह-जुन' पूरी पूरा पढ़कर बात क्रिमे बिना बिस्तर में वाली जाए और तैदकर आंखें बन्द कर ले और अपने पति की कल्पना करते करते सो जाए इस अमल की मुदत भी ६० दिन है ।

पति के साथ बीवी की ज्यादाती

हर आदमी तीन कमजोरियों से पाता हुआ है १- हुकूमत की खोशिया २- नितस का गलबा ३- गुस्सा । ये तीनों कमजोरिया औरत और मर्द दोनों में होती है । कुछ परानो में औंरती में गुस्सा इतना

जिससे कि पति को नाराज हो जाय है इसका इलाज या वही है जो हम पूरा हुआ है जिससे कि पति को नरत

बयान कर चुके है बजाए बीवी के पति यह अमल करे ।

भियां बीवी का आपस में लड़ना

ताली दोनों हथों से बरती है भियां बीवी दोनों बात ने बात पर आपस में लड़ने रहे तो उस पर की हालत खराब हो जाती है और औलाद की तबियत में बड़ी खराबी पैदा हो जाती है इस का इलाज इस तरह करना चाहिए कि भियां बीवी दोनों में से कोई एक औलाद की तबियत की हलिर कुरबानी दे और खामोश रहे वह भियाल तो आपने सुनी होगी 'एक चुन ली हलाए' अगर दोनों में से

وَالصَّالِحِينَ وَالصَّالِحِينَ وَالصَّالِحِينَ
وَالصَّالِحِينَ وَالصَّالِحِينَ

क्रिती की तबियत में कुरबानी की पाबता हो तो — 'वल कर्जिर्नाना' अल गयजा दल-आफना अलिन्याय दल्लाहु मुहिबुल मोहोर्नाना' हर नमान के बार ली बार पढ़कर एक घूरे पानी पर दम करके लिए ।

शऊरी कमजोरी खत्म करने के लिए

इंसान के अन्दर दो विभाग काम करते हैं एक को हम शऊर कहते हैं और दूसरे को सभार कहते हैं शऊर ललाऊर की दी हुई तहरीकी को कुबूल करके हमारे अन्दर हलाय बनता है और हमें इन हलाय से काम सैना सिखाता है अगर शऊर कमजोर है तो वह ली शऊरी तहरीकी को पूरी तरह कुबूल नहीं करता नतीजे में जिनगी में काम आने वाली बहुत सी सलाहियां से हम महरूम हो जाते हैं और फदम'कदम पर हमें मुद्रिकली का सामना करना पड़ता है । शऊर की इस कमजोरी को दूर करने के लिए जूदे के रग और

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
 اللَّهُ يَرْزُقُ الْإِنْسَانَ
 اللَّهُ يَرْزُقُ الْإِنْسَانَ
 اللَّهُ يَرْزُقُ الْإِنْسَانَ

विश्वामित्रादिर्नरपानिर्हीम
यां रज्जुर्हीम अल्लाहु या रज्जुर्हीम
या रज्जुर्हीम अल्लाहु या रज्जुर्हीम
या रज्जुर्हीम अल्लाहु या रज्जुर्हीम
या दहीअन अजगीअदिब दिनखैपरि या बदीक

यह एता योग है जो आम तौर से वहाँ के ऊपर पलता है ताऊन राबते पकड़ते हैं। ताऊन वाले पिसुआओ से कैतली है फिर ये पिसुआ आनियो पर छमता ककरो उनको ताऊन यो गवा केला देते है पिसुआओ के तौर पर किसी न किसी जोड़ पर गिती देना होनी है और गुझार मुकु होला है गितीदा जितना जोर करती है उतना ही गुझार बढ़ता है। हर यह है कि गुझार एक तो आठ डिग्री तक पहुँच जाता है लोगो वो दिन मे का भीरते दिन मे छूमन हो जगता है गुझार की श्रतन मे जब दृष्टि होनी है तो योगी बेरोना हो जाता है वह किसी को नहीं पहुँचानता और न ही किसी से कुछ बात करना है कभी मे जो अवाजान पहुँचनी है वह उसे गुमई देनी है लेकिन यह आवाज भी वह अभी तरार नहीं सुनता। गितीदा जगना तरार बाजनी है निकलती है।

السلامة تترتب. فإني أراك يبعد وبقا الرعية
يا حبيبنا ولا تحب لك أن تتركنا يا ربنا
أنتهم من شئنا إلا أن نجاء أياهم خدود
الله فإن خفيتم أياهم خدود الله و
فلا جناح عليهم فيما اشتد به، تلك
خدود الله فلا تستدركها، وتنت بعد
خدود الله فأوئك هم الظالمون

अतोलाकुमतीनि फडमराकुम बिप्लासिकि अब ताराणि विणह
सानं कता यहिल्ल लकुम अनराकुमुनिमा अताप मुकुन्ता रायअन
इल्ला अय्युषापा अल्ला मुकीमा हुइदल्लाहिं फडन विरापा अल्ला
मुकीपन हुइदल्लाहं कता जुनहा अलयाकिमा कीमपनदूलां वमप्यत
अनर हइदल्लाहिकि फजडाईका हुइपजामिन (बका अयान)

कोई साहब एक हजार बार पानी पार करे और एक पूर रोनी को पिलाए। इस तरह दिन में कम से कम पांच बार करें। पहले घड़े के बार दूसरे पूरे में, दूसरे घड़े के बार, चौथे पूरे बार, चौथे घड़े के बार सातवें पूरे में सातवें घड़े के बार बारहवें घड़े के बार आठवें घड़े के बार को भी। यही असल करें और दिन को भी आठवें ही खाना यह है कि गुआर कम होना शुरू हो जाएगा। यही नकलिक रोनी को दिला हो जाएगा।

www.issuu.com/नैदानिक/नैदानिक
विमारियां

أَلْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ ۝ الرَّحْمَنُ الرَّحِيمُ ۝
مَالِكِ يَوْمِ الدِّينِ ۝

हमला गिर जाना और बच्चों का पैदा होते ही मर जाना

इत रातो बानी पर अमन बनने के गण साग सूखे की बीधाता
बाना तबीन जूँ राग के बिको बागज पर लिख कर बिलुप्त शून्य
हो मे मां को अपने गोमे पे पहन लेना चाहिए और हर जुगलत की
लाप के बदन कराई के बदन से निकले बिना तारीज की मोरान
की पूतो देनी चाहिए । बन्ने को धेराहरा के बाद यह तारीज मां
अपने गोमे से उगार कर बच्चे के गोमे पे पहना दे ।

औलाद न होना (बांझ पन)

ओनार न होने की असंभव वन है होती है जैसे यह कि औतव
के अन्तर कोई धरावा हो जाए, या मद के अन्तर औनार के कोठानु
न हो। अग्रा मद और औतव दोनों को सेहत ठीक है और समतल
नहीं ठहरता तो कूआन पाक की इन अवयवों की बरकरार से अन्नाह

ने खाता तो मा की गोद पर जाती है। सौभाग्य --

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
وَأَرْسَلْنَاكَ بِالْحَقِّ بَشِيرًا وَنَذِيرًا
وَأَنذَرْنَاكَ أَلَمَ الْآخِرَةِ ۚ وَلَقَدْ أَنذَرْنَاكَ
أَلَمَ الْآخِرَةِ ۚ وَلَقَدْ أَنذَرْنَاكَ أَلَمَ الْآخِرَةِ ۚ

विस्मिल्लाहिररहमानिररहिम

इराहाबिरिम रबिबकल्लाही ख-त-कं० ख-त-कल इत्याना मिन अनहु० हामाम० अतीक ताम ता तिलका आयतुल फितिलिल मुबान० औरत इशा की नमान के बाद पूरे फिर पानी पर दम करके ६० दिन तक धुद पिए और पनि को भी पिलाए नागा के दिन गिन कर बाद में पूरे करें।

माहवारी की वे तर्तीया

माहवारी की वे तर्तीया से औरतो में बहुत ता बीमारिया पैदा हो जाती है। नती में दुखन होती है पेट बड़ा हो जाता है और मुकुरर दिनों से पहले साछा दर्द से गुजरना पड़ता है। यह भी देखा गया है कि अगर माहवारी सही बज्ज और पूरी मुदत तक न हो तो औरत के बेहरे पर बाल निबल आते हैं। वे तर्तीया की शिकायत अगर पुरानी हो जाए और रोग की हैरियत से तो तो रहम में वारम आ जाना है जिसकी वजह से औरतो बच्चा पैदा करने के काबिल नहीं रहती। इसका अगर रंग व रूप पर भी पड़ता है और बदन घुलना शुरू हो जाता है खून गन्दा और गाढ़ा हो सकता है और कमर में दर्द और अंगों को टूट पड़ की बीमारी भी हो सकती है अगर माहवारी का नियाम धीरे धीरे कम होकर उप से पहले थिल्लुन बन्द हो जाए तो औरतो के अन्दर मरान बिनेयता पैदा होते हुए भी देखा गया है। जिस तरह जाना खाने के बाद और पानी पीने के बाद फिलनी तौर पर पेयाब पाजाने का होता जरूरी है इसी तरह

माहवारी भी औरतो की सेहत के लिए अनिवार्य है इसके लिए एक लक्षण जिसका नाम है इस प्रकार में विस्मिल्लाहिररहमान लिखना

माहवारी की वे तर्तीया में अगर कमर में दर्द हो तो यह तर्तीया कमर पर इस तरह बांधें कि तर्तीया रीद की हड्डी के आखिरी नोड से बूझ रहे। नती में दुखन हो तो यह तर्तीया नाड़ी के ऊपर बांधें।

(नोट) तर्तीया की पागे में बांधा जाए जिसका रंग नामही हो कपड़ा या किसी तरह की पट्टी इस्तेमान न की जाए। नहाने की जरूरत हो या पाखाने जाने बज्ज भी तर्तीया जिससे अलग न करें। तर्तीया की मोम जामा कर दिया जाए ताकि पानी पड़ने से तर्तीया के ऊपर लिपे हुए नरूप खराब न हो। तर्तीया यह है ---

तं०	म	क	ह
म	क	तं०	ह
क	नव	म	ह

७	२	६	८
२	५	७	८
५	७	२	८

माहवारी की ज्यादाती - विस्मिर

विस्मिल्लाहिररहमानिररहिम

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
وَأَرْسَلْنَاكَ بِالْحَقِّ بَشِيرًا وَنَذِيرًا
وَأَنذَرْنَاكَ أَلَمَ الْآخِرَةِ ۚ وَلَقَدْ أَنذَرْنَاكَ
أَلَمَ الْآخِرَةِ ۚ وَلَقَدْ أَنذَرْنَاكَ أَلَمَ الْآخِرَةِ ۚ

या अनाइबल खूफा व या बरा अलबुलक

जर्द रोशनाई से तर्तीया लिख कर पन्ने में डालें। जर्द हो तो केवल तीन दिन तक एक एक तर्तीया रोज पुनः नहार मुह धोकर पी लें।

लीकोरिया और रहम की बीमारियां

बिरिमल्लार्हिरमनिरक्षम

फी	समस्तित	रिजकुन
६६	६६	६६
६६	६६	६६
६६	६६	६६

धीमी की प्लेटों पर जर्द रंग से लिख कर एक एक प्लेट गुमहर दोषहर और शाय को पानी से पोकर लिए। नज़रब के खज़ाने जब दूर उतरने लगे तो यह अमल छोड़ दें।

धनेला

धनेला एक ऐसी बीमारी है जिसका अगर सही इलाज न हो तो कैमर की बीमारी हो सकती है इससे नजाने हासिल करने के लिए तीन बार ---

‘पा पूरी कृत्वि गयरल्लार्हि’

مَا مِنْ شَيْءٍ إِلَّا

एडकर एक बड़े प्याले में आपा गर्म पानी पर दम करें। तीन घूंट पानी पी लें और बाकी पानी से प्रभावित छाती को धोएं। न्यारा से न्यारा तीन बार

सीने का सपाट होना

सीने का सही उच्चार औरतों के दुस्त का एक जरूरी हिस्सा है जिन्ना और बच्चों की सही बढोवती का अमल भी इसी पर है सीने का उभरा हुआ होना पर्द औरत की पहचान भी है जो औरतें इस हरन से महसूस होती हैं वे पर्दों के लिए आकर्षण नहीं रखती इस कर्मी को दूर करने के लिए एलू: वर्तान की पहली भाषात

यतीनी यन्जुस सुनि०

وَالْبَيْتُ وَالْبَيْتُ

गन को सीने से पहले सौ बार पढ़ें सीने पर दम करें और बाल किए बिना से जाए। ६० दिन इस अमल से सीना उभरा हुआ और गुडोले हो जाता है अमल के साथ साथ तीन महीने तक सेजाना एक छटाक पर्नार भी इस्तेमाल किया जाए।

चेहरे और निम्न पर ज्यादा बाल

अल्लाह ने कुरआन में इसका पूरा जिक्र है। औरत और पर्द में यह सही पाया हो इसके बिना काम चलता है।

इस्लाम के अन्दर खूब दौरा करता है। हवा, रोशनी और कागजिक किरण के ज़रिए जहर की एक भागी भाषा जिस पर इस्लाम की ज़िन्दगी के क़याम का आधार है इस्लाम के अन्दर दखिल होती रहती है यह ज़हर छोटे छोटे सूरजों के ज़रिए परसों की शक्ल में बाहर निकलता रहता है यही वजह है कि बाल इन हिस्सों पर ज्यादा होते हैं जिस जगह खून का दबाव ज्यादा होता है। पर्दों के चेहरे पर दाढ़ी होती है लेकिन औरतों के चेहरे पर बाल नहीं होते इसकी वजह यह है कि औरतों में खून का यह ज़हराला अगर एक खास नियाम के तहत हर महीने निकलता रहता है अगर इस महीने जाने नियाम में खलल पड़ जाए तो इस खलल या कर्मी की वजह से औरतों के चेहरे पर बाल निकल आते हैं इसके लिए जरूरी है कि पाक़ालाही को बरकरार रखा जाए।

एक पाव कलौनी पानी से पोकर एलू में घुसा लें और खुले मुँह की साफ़ नीले रंग की शीमी में पर लें। इया की नमान के बाद से बार ---

لَا شَيْءَ إِلَّا بِإِذْنِ اللَّهِ الْعَزِيزِ

‘फी सितति अय्यामिन सुम्मतवा अल अर्थ०’ पढ़ कर कलौनी पर दम कर दें और शीमी का ढकना बन्द कर दें इस तरह २१ दिन तक करें २२ वें दिन से सुबह नहाए मुँह चौथाई घाय का बापचा कलौनी मुँह में डाल कर दो तीन घूंट पानी के साथ निगल लें। कलौनी खाने के आगे पड़े बाद तक कोई चीज़ खाना पीना पना है एक पाव कलौनी खल होने तक यह अमल जारी रखें।

हिस्तीरिया

बांभारी की सज्जा में तर्बान नई रोशनी है लिखकर बली बना है। बली को सूँ में लपेट कर फलीला बनाकर पी या जेनन के नेत्र में ऐसी जगह जगह भला रोमी की पूजा लगे।

ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ

या फ लाहु या फ लाहु या फ लाहु
या फ लाहु या फ लाहु या फ लाहु
या फ लाहु या फ लाहु या फ लाहु

झड़वान में घोड़ी की नीली झल कर अंग पर रख दिया जाए ध्यान रहे कि बौनी जलने न जाए जब झड़न राग हो जाए तो नीले उमर का अपनी प्यासी पानी इससे झलकर लौकीन जो यो निय, जाए एक एक करके ग्यारह लौकीन लगातार ग्यारह दिन पिलाए और पुने हुए लौकीन का कागज बना दे। ब्रामि में अमर तीर से जिनना नमक ब्यादा जाता है उसमें तीन चौथाई कमी का दो चार और बाजार का पिला हुआ नमक कमी इस्तेमाल न किया जाए साहीगी लापुन नमक पर में पीता कर इस्तेमाल करे।

गुस्से की ज्यादाती

अम तीर पर देखने में आया है कि कमजोर आगाब के नौगोको गुस्सा ज्यादा आता है और कुछ नौग माहिल की सज्जा, पकाला मरुर्मा या एरगसे बरानी की वनह से भी गुस्सा हो जाते हैं यह भी देखा गया है कि घर में बाहर पार दोस्तों में बड़े बड़े खमाब जाने नौग पर में बीवी बच्चों के सामने गुस्से जाने बन जाने हैं ऐसे नौगोमें किसी न किसी तरह दुश्मन करने की भावना होती है अगर इस गुस्से में जिनान जाने की चाहत हो तो गुस्से के बकन पानी पर एक-या 'या वरु' पढ़कर दम करे और तीन सारा में पर पानी

ISS है पू के होते लोग जिस एक या कई बौनी के गुस्से से पहले एक पू पीकर एक बार 'या वरु' दम करके नहर मुर मिला दे। अगर यह मुमकिन न हो तो यह दम किया हुआ पानी उग गुलाही या मटके में डाल दे जिसमें से राब घर जाने पानी पीते हो। अमल की पुकृत ज्यादा से ज्यादा चानोस दिन है।

फालिज और लकवा

फिनाब राग और रोजनी से इलाज में हमने फालिज, पोन्नियो और सड़के की वनह पर खुल कर गेदानी डाली है यह गमदा नींजिए कि दिमाग के अन्दर रोमनियो की इस तर्करीम ही पर दिमागी, आगाबो और दिमागी सेहत का आधार है।

रोजनी जब दिमाग से गुजरती है और बीड़ ऐसी दलह हो जाती है कि इसके बीच बातामिक फिनाब आ जाए और अपनी जगह से कम से कम चार इंच दायाँ तरफ हटी हुई हो तो बरकी निजाम बवाह हो जाता है इसका अगर कबो से फेर नक होता है इरी की फालिज या पोन्नियो का नाम दिया जाता है।

नरुये का ताल्लुक आगाब से है यह केवल दिमाग की वनह से नहीं होता। दिमाग के रोगों की बीच की कि दिन जब एक तरफ ओर डालता है और उरका इस्तेमाल चेहरे की किसी सिम में हो जाता है तो चेहरे के अंगों को देका कर देता है दातका अगर सीधे बानो, आँखों, नाक और जवड़े पर पड़ता है। कमी कमी भी इससे प्रभावित हो जाती है नाक की सड़िया भी देढ़ी हो जाती है और जवड़े का जो हिस्सा दातों को सम्मने हुए है वह भी प्रभावित हो जाता है इसका इलाज यह है।

बिस्मिल्लाहिररहमानिरहीम

रमीस फकील हाम

१६ ११ १६ ३६ ३१ ४१

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
رَمِيْسُ فَكِيْلُ الْحَامِ

١٦ ١١ ١٦ ٣٦ ٣١ ٤١

जुई के रंग और गुलाब के अर्क से तीन स्तरीय पर लिख कर एक स्तर चुबड़ नहरा मुह, एक अरु के बाद और एक रात की सोने यकृत पानी से पोकर छः पक्षीने तक लगातार लिए इसके अलावा २४ घंटे में कम से कम बारह घंटे लेटने के प्रोग्राम पर अमल करें। लौटते बग्न इस बान का ज्यादा रखा जाए कि टांगें कमजोर की तरह न हो बल्कि सीधी रहें। सरहाना ऊंचा रखे ताकि खून का दौरा पेटों की तरफ ज्यादा रहे।

दुआ के कुबूल होने के लिए

दुआ कुबूल होने के लिए निम्नारत बातें अमल तदनुसर की नस्ते अता करके अवलत अर्शिबा मयारह मयारह बार दस्तदे इबाहीदीन (जो दस्तद नामज में पढ़ा जाता है) के साथ तीन सौ बार निम्नारत वाला पढ़ कर दुआ करें। अल्लाह ने चाहता तो दुआ कुबूल होगी।

कैसेर या सरतान—

कैसेर खून से जुकसान पहचाने वाला एक रोग है इसकी कुछ दवाइये हैं—

कौई इन्सान जब एक या दो या कुछ ज्यादा बिचारों में अपने को गिरफ्तार कर लेता है तो वह बरकौ लहर जो बिचारों के ज़रिए अमल बनती है ज़रहती हो जाती है वह ज़रहती लहर चूँकि खून के अन्दर भी जहर पैदा कर देती है इसलिए इस लहर की वजह से खून में बहुत ही मर्दान कीटाणु बन जाते हैं ये कौई किसी एक जगह पर बना सेते हैं वह बरकौ लहर जो ज़िन्दगी के काम अपनी वग़िए इन कौड़ो की खुराक बन जाती है मर्दान में बुराक का छोटे से छोटा कण जो बरकौ लहर के साथ खून में दौरा करता है बनाए फायदे के जुकसान पहुँचाता है। इन कौड़ो की खुराक खून के वे कण होते हैं जो मुख्य कण या आर० बी० सी० कहलाते हैं पीरे-पीरे रोगों के अन्दर मुख्य कण खत्म होकर सफेद कणों की सख्या बढ़ जाती है और ये जिम्म के लिए उचित नहीं रहते चुनौते ये सफेद कण एक या बनाना दन नत बाहर निकलने लगते हैं और इतनी

ISSIPU में विकसित हैं कि जिनके भीमकार लिहसकी का दाना मन कर पाते हैं नुह देप्ली, जल्ले, गीता।/OtiShid

कैसेर की दूसरी किसम यह भी है। क ज़रहती कण एक जगह जमा हो जाते हैं इनके जमा हो जाने से वे रंग पल जाती है। जो इस ज़रहते के पात होती है मर्दान में खून के निजाम में एक बहुत मढ़ी कमी पैदा हो जाती है और इससे मौत तक हो जाती है।

यह तो बुरा कैसेर की खुली अलापत। अब गुनाए कि लहानी इत्म की से बहार एक ऐसा रोग है जो शरीफ नफस और बा अग़िज़ायार है जो गुनाता है पहचान करता है अगर उससे दोस्तों कर ती जाए और कभी कभी अकेले में जबकि रोगी तो रहा हो उसकी खुतामद कर ती जाए और यह कहा जाए दिया कैसेर तुम बड़े अच्छे मेहमान हो यह अंतरमी बहुत परेशान है इसे भाफ कर दो अल्लाह तुम्हें इसका इनाम देगा तो कैसेर रोगी को छोड़ देता है और दोस्ती का सचल देता है।

इसके अलावा मुख्य रंग में जो बरकौ लहर दौड़ती है वही कैसेर की खुराक है इसलिए खून के मुख्य कणों के अन्दर दौरा करने वाली बरकौ लहर कैसेर की खुराक बन जाती है और कैसेर का रोगी ज़िन्दगी को कायम रखने वाली बरकौ लहर से पहलूम होकर खत्म हो जाता है चूँकि खून में दौरा करने वाली मुख्य रंग की बरकौ लहर ही कैसेर की खुराक बनती है इसलिए इस बात का इन्तजाम किया जाए कि रोगी के माहौल को पूरी तरह सुख्ख कर दिया जाए जैसे जित्त कमरे में रोगी रहता है उस कमरे की दीवारें, दरवाजे और खिड़कियों के पर्दे, पलंग की चारों तरफ दीया जाए। इससे ताक कि रोगी के पहनने के कपड़े, सब मुख्य कर दिया जाए। इससे ताक साय छाने का मुख्य रंग पानी में पोतकर रोशनई बनाए। उत रोशनई से नीचे दाते ४१ तावीज लिखे जाए।

८	१	०	२	३	४	५
१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८
१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५

آية النحر

ص، والظم، والظم، والظم

७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १०० १०१ १०२ १०३ १०४ १०५ १०६ १०७ १०८ १०९ ११० १११ ११२ ११३ ११४ ११५ ११६ ११७ ११८ ११९ १२० १२१ १२२ १२३ १२४ १२५ १२६ १२७ १२८ १२९ १३० १३१ १३२ १३३ १३४ १३५ १३६ १३७ १३८ १३९ १४० १४१ १४२ १४३ १४४ १४५ १४६ १४७ १४८ १४९ १५० १५१ १५२ १५३ १५४ १५५ १५६ १५७ १५८ १५९ १६० १६१ १६२ १६३ १६४ १६५ १६६ १६७ १६८ १६९ १७० १७१ १७२ १७३ १७४ १७५ १७६ १७७ १७८ १७९ १८० १८१ १८२ १८३ १८४ १८५ १८६ १८७ १८८ १८९ १९० १९१ १९२ १९३ १९४ १९५ १९६ १९७ १९८ १९९ २०० २०१ २०२ २०३ २०४ २०५ २०६ २०७ २०८ २०९ २१० २११ २१२ २१३ २१४ २१५ २१६ २१७ २१८ २१९ २२० २२१ २२२ २२३ २२४ २२५ २२६ २२७ २२८ २२९ २३० २३१ २३२ २३३ २३४ २३५ २३६ २३७ २३८ २३९ २४० २४१ २४२ २४३ २४४ २४५ २४६ २४७ २४८ २४९ २५० २५१ २५२ २५३ २५४ २५५ २५६ २५७ २५८ २५९ २६० २६१ २६२ २६३ २६४ २६५ २६६ २६७ २६८ २६९ २७० २७१ २७२ २७३ २७४ २७५ २७६ २७७ २७८ २७९ २८० २८१ २८२ २८३ २८४ २८५ २८६ २८७ २८८ २८९ २९० २९१ २९२ २९३ २९४ २९५ २९६ २९७ २९८ २९९ ३०० ३०१ ३०२ ३०३ ३०४ ३०५ ३०६ ३०७ ३०८ ३०९ ३१० ३११ ३१२ ३१३ ३१४ ३१५ ३१६ ३१७ ३१८ ३१९ ३२० ३२१ ३२२ ३२३ ३२४ ३२५ ३२६ ३२७ ३२८ ३२९ ३३० ३३१ ३३२ ३३३ ३३४ ३३५ ३३६ ३३७ ३३८ ३३९ ३४० ३४१ ३४२ ३४३ ३४४ ३४५ ३४६ ३४७ ३४८ ३४९ ३५० ३५१ ३५२ ३५३ ३५४ ३५५ ३५६ ३५७ ३५८ ३५९ ३६० ३६१ ३६२ ३६३ ३६४ ३६५ ३६६ ३६७ ३६८ ३६९ ३७० ३७१ ३७२ ३७३ ३७४ ३७५ ३७६ ३७७ ३७८ ३७९ ३८० ३८१ ३८२ ३८३ ३८४ ३८५ ३८६ ३८७ ३८८ ३८९ ३९० ३९१ ३९२ ३९३ ३९४ ३९५ ३९६ ३९७ ३९८ ३९९ ४०० ४०१ ४०२ ४०३ ४०४ ४०५ ४०६ ४०७ ४०८ ४०९ ४१० ४११ ४१२ ४१३ ४१४ ४१५ ४१६ ४१७ ४१८ ४१९ ४२० ४२१ ४२२ ४२३ ४२४ ४२५ ४२६ ४२७ ४२८ ४२९ ४३० ४३१ ४३२ ४३३ ४३४ ४३५ ४३६ ४३७ ४३८ ४३९ ४४० ४४१ ४४२ ४४३ ४४४ ४४५ ४४६ ४४७ ४४८ ४४९ ४५० ४५१ ४५२ ४५३ ४५४ ४५५ ४५६ ४५७ ४५८ ४५९ ४६० ४६१ ४६२ ४६३ ४६४ ४६५ ४६६ ४६७ ४६८ ४६९ ४७० ४७१ ४७२ ४७३ ४७४ ४७५ ४७६ ४७७ ४७८ ४७९ ४८० ४८१ ४८२ ४८३ ४८४ ४८५ ४८६ ४८७ ४८८ ४८९ ४९० ४९१ ४९२ ४९३ ४९४ ४९५ ४९६ ४९७ ४९८ ४९९ ५०० ५०१ ५०२ ५०३ ५०४ ५०५ ५०६ ५०७ ५०८ ५०९ ५१० ५११ ५१२ ५१३ ५१४ ५१५ ५१६ ५१७ ५१८ ५१९ ५२० ५२१ ५२२ ५२३ ५२४ ५२५ ५२६ ५२७ ५२८ ५२९ ५३० ५३१ ५३२ ५३३ ५३४ ५३५ ५३६ ५३७ ५३८ ५३९ ५४० ५४१ ५४२ ५४३ ५४४ ५४५ ५४६ ५४७ ५४८ ५४९ ५५० ५५१ ५५२ ५५३ ५५४ ५५५ ५५६ ५५७ ५५८ ५५९ ५६० ५६१ ५६२ ५६३ ५६४ ५६५ ५६६ ५६७ ५६८ ५६९ ५७० ५७१ ५७२ ५७३ ५७४ ५७५ ५७६ ५७७ ५७८ ५७९ ५८० ५८१ ५८२ ५८३ ५८४ ५८५ ५८६ ५८७ ५८८ ५८९ ५९० ५९१ ५९२ ५९३ ५९४ ५९५ ५९६ ५९७ ५९८ ५९९ ६०० ६०१ ६०२ ६०३ ६०४ ६०५ ६०६ ६०७ ६०८ ६०९ ६१० ६११ ६१२ ६१३ ६१४ ६१५ ६१६ ६१७ ६१८ ६१९ ६२० ६२१ ६२२ ६२३ ६२४ ६२५ ६२६ ६२७ ६२८ ६२९ ६३० ६३१ ६३२ ६३३ ६३४ ६३५ ६३६ ६३७ ६३८ ६३९ ६४० ६४१ ६४२ ६४३ ६४४ ६४५ ६४६ ६४७ ६४८ ६४९ ६५० ६५१ ६५२ ६५३ ६५४ ६५५ ६५६ ६५७ ६५८ ६५९ ६६० ६६१ ६६२ ६६३ ६६४ ६६५ ६६६ ६६७ ६६८ ६६९ ६७० ६७१ ६७२ ६७३ ६७४ ६७५ ६७६ ६७७ ६७८ ६७९ ६८० ६८१ ६८२ ६८३ ६८४ ६८५ ६८६ ६८७ ६८८ ६८९ ६९० ६९१ ६९२ ६९३ ६९४ ६९५ ६९६ ६९७ ६९८ ६९९ ७०० ७०१ ७०२ ७०३ ७०४ ७०५ ७०६ ७०७ ७०८ ७०९ ७१० ७११ ७१२ ७१३ ७१४ ७१५ ७१६ ७१७ ७१८ ७१९ ७२० ७२१ ७२२ ७२३ ७२४ ७२५ ७२६ ७२७ ७२८ ७२९ ७३० ७३१ ७३२ ७३३ ७३४ ७३५ ७३६ ७३७ ७३८ ७३९ ७४० ७४१ ७४२ ७४३ ७४४ ७४५ ७४६ ७४७ ७४८ ७४९ ७५० ७५१ ७५२ ७५३ ७५४ ७५५ ७५६ ७५७ ७५८ ७५९ ७६० ७६१ ७६२ ७६३ ७६४ ७६५ ७६६ ७६७ ७६८ ७६९ ७७० ७७१ ७७२ ७७३ ७७४ ७७५ ७७६ ७७७ ७७८ ७७९ ७८० ७८१ ७८२ ७८३ ७८४ ७८५ ७८६ ७८७ ७८८ ७८९ ७९० ७९१ ७९२ ७९३ ७९४ ७९५ ७९६ ७९७ ७९८ ७९९ ८०० ८०१ ८०२ ८०३ ८०४ ८०५ ८०६ ८०७ ८०८ ८०९ ८१० ८११ ८१२ ८१३ ८१४ ८१५ ८१६ ८१७ ८१८ ८१९ ८२० ८२१ ८२२ ८२३ ८२४ ८२५ ८२६ ८२७ ८२८ ८२९ ८३० ८३१ ८३२ ८३३ ८३४ ८३५ ८३६ ८३७ ८३८ ८३९ ८४० ८४१ ८४२ ८४३ ८४४ ८४५ ८४६ ८४७ ८४८ ८४९ ८५० ८५१ ८५२ ८५३ ८५४ ८५५ ८५६ ८५७ ८५८ ८५९ ८६० ८६१ ८६२ ८६३ ८६४ ८६५ ८६६ ८६७ ८६८ ८६९ ८७० ८७१ ८७२ ८७३ ८७४ ८७५ ८७६ ८७७ ८७८ ८७९ ८८० ८८१ ८८२ ८८३ ८८४ ८८५ ८८६ ८८७ ८८८ ८८९ ८९० ८९१ ८९२ ८९३ ८९४ ८९५ ८९६ ८९७ ८९८ ८९९ ९०० ९०१ ९०२ ९०३ ९०४ ९०५ ९०६ ९०७ ९०८ ९०९ ९१० ९११ ९१२ ९१३ ९१४ ९१५ ९१६ ९१७ ९१८ ९१९ ९२० ९२१ ९२२ ९२३ ९२४ ९२५ ९२६ ९२७ ९२८ ९२९ ९३० ९३१ ९३२ ९३३ ९३४ ९३५ ९३६ ९३७ ९३८ ९३९ ९४० ९४१ ९४२ ९४३ ९४४ ९४५ ९४६ ९४७ ९४८ ९४९ ९५० ९५१ ९५२ ९५३ ९५४ ९५५ ९५६ ९५७ ९५८ ९५९ ९६० ९६१ ९६२ ९६३ ९६४ ९६५ ९६६ ९६७ ९६८ ९६९ ९७० ९७१ ९७२ ९७३ ९७४ ९७५ ९७६ ९७७ ९७८ ९७९ ९८० ९८१ ९८२ ९८३ ९८४ ९८५ ९८६ ९८७ ९८८ ९८९ ९९० ९९१ ९९२ ९९३ ९९४ ९९५ ९९६ ९९७ ९९८ ९९९ १०००

अवतारललाहु

साद वलकसम साद वलकसम

एक तादीज रोमी के गले में हथेला पड़ा रहने दे और बाकी

४० तादीज रोमीना एक के हिसाब से ४० दिन तक पानी से पीकर पिलाए ।

कुव या कूवड़

हराम मगज में सेहतमन्द रेशो कुदरत के कानून के तहत कमजोर रेशो को ताकत पहुंचाते रहते हैं उन्हें ताकत पहुंचाने का जरिया वह बरफी सहर है जो दिमाग में नमा होकर दिमाग की तमाम रगों में दीरा करती है अगर बरफी सहर की तर्कसम ताकत-बर रेशो में बराबर है तो आदमी का सीना मजबूत होता है लेकिन अगर किसी दजल से बरफी सहर की तर्कसम बराबर नहीं है तो सीने की परतियां कमजोर और नर्म रह जाती हैं यही वजह है कि कोई आदमी कुबड़ा हो जाता है । इस बीमारी में कुरआन की आयत..

وَالَّذِينَ لَا يُؤْتُونَ مَالَ اللَّهِ سُبْحَانَ اللَّهِ

इसल इशति कयस छुलिकल० का बिर्द बार बार किया जाए और नव भी पानी पिए बन्ने पर यही आयत दम करके पिए ।

isshahar/official/codishar
एक बड़े कागज पर-----
الله تبارك وتعالى

अल्लाहु नूरससमावाति बलअर्जि०

लिखकर पाच या दस सैर पानी से घो ले और उस पानी को खेत में छिड़क दे । केवल एक बार यह अमल कर लेने से जमीन की पैदावार बढ़ जाएगी ।

काम में दिल न लगाना

गैर मुस्तकिल मियामी और आफिक कर्मा में दिलचस्पी न होने को खत्म करने के लिए हर नमाज के बाद बिगमल्लाह यारफ के साथ हो बार ---

يَكُونُ وَفَوْتَ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ الْبَاقِي

बहरवाल व कुब्बति ता इलाहा इललल्लाहु अल्लुहमीमुल अजीमुल नब्बासल मुनकबिर०

पढ़कर हुआ करे । अगर रोमी बहुत ही काहिल हो तो बीबी या कोई और पितनेदार यह बीबीका पढ़कर उसके लिए हुआ करे । अमल की मुदत २१ दिन है और ज्यादा से ज्यादा ४० दिन है ।

कुते का काटना

पाता ६ स्या माइदा की आयत-१

يَسْتَأْذِنُكَ مَا ذَا الْحَيْلَ لَمُرٍ
إِنَّ اللَّهَ سَرِيعُ الْحِسَابِ ०

यसअनूनका पाजा उहिल्ला तुहम से इन्तललाहा सराउल हिसाब० तक ११ बार पढ़कर पानी पर दम करके तीन दिन रोज तीन दफ्त पिलाए ।

कदरू दाने और केचवे

पेट में कदरू दाने और केचवे होने से शेरान् मृत्ती तरल प्रणालिज हो जाती है खाना लगने की बजाए इन कीड़ों की कृदाक नन जाता है पेट फूला रहता है और पेट थपथपाने से दोल की तरल की आवाज होती है पेट में जब कीड़े या केचवे होने से तो सोते में मुह से राल बहता है और सीपी गल पीसता है । दूरआन पाक की अपथत ---

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ مُحَمَّدٌ عَبْدُهُ وَرَسُولُهُ
أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُولُهُ

पुत्राब्ब हुना अबनाअकुम व यसरतह पुना दिनस अकुम
व एही जगतिहुम बनतम पिरतबकुम अजोम०

कानी रोनामद से कागज पर लिख कर तारीज गले में डाल दे और चली आखन चीनी की पोटो पर खाने के जूद गग से लिखकर पुनर शाम और रात को सोने से पहने गानो से पोरकर भिजाएं । तीन दिन और ज्वरना से ज्वरना प्यार दिन तक ।

गुर्दे की वीमारियां

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ مُحَمَّدٌ عَبْدُهُ وَرَسُولُهُ
أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُولُهُ

५१८ ५१९ ५१०

पिरीमल्लाहिरहमानिरहम
अलमनिहुल बुदरहम अरहमानिरहम
७६५ ७६५ ७६५

गुर्दे में दर्द पियाही हो या पयरी का हो दोनों छालतो में मोनी
ISS ५१८ ५१९ ५१०
या हो । इस तबीज की पाकर पिलाना भी बड़ा सोपदीक है दर्द
खत्म हो जाता है और अगर गुर्दे में पयरी है तो यह रेल बन कर
पेशाब के गस्ते बाहर हो जाती है ।

गंज

साफ आलमानी रंग की शीशी या बोतल में खालिस तिलो का
तेल भरकर रख से और एक तरबौर---

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ مُحَمَّدٌ عَبْدُهُ وَرَسُولُهُ
أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُولُهُ

अलि साम ग तिलका आयातिल किनाबुल मुबान०

अर सीमु अर सीमु अर सीमु

पदकर ४१ दिन दम करे ४१ दी रात से रोजाना सोते वक़्त
तेल अच्छी तरह सर में डाले ।

गठिया और घुटनों का दर्द

इसके लिए फालिज का इलाज देखिए यही इसका भी इलाज
है ।

इन्जिनारी
एक बार---

ला मुदरिबुल्ल अबसार व हुवा मुदरिबुल्ल अबसार०

पदकर शहरात की उगली के फलते पोर पर दम करे और घूक
लगा कर इन्जिनारी की जगह करे । कुछ दिन के इस अमल से रोग
खत्म हो जाएगा ।

लू लगाना

इयत्तादिना वारिज हस्त अश्विना शुक्ला०

मुँह से बहवू आना

22

وَأَلَيْكَ مَا بَيْنَنَا وَمَنْ بَيْنَهُ

भिरगी का दौरा

कभी कभी विचारों में इतना बोझ हो जाता है कि दिमाग का वह सतर्कियत जो विचारों को बांटती है प्रभावित हो जाती है अगर ऐसी हालत में पानी सामने आ जाए तो दिमाग काम करना छोड़ देता है और निराम्य का दौरा पड़ जाता है जब तक विचारों का बोझ माधुरी से ज्यादा रहता है रोनी बेहोश रहता है और जब यह बोझ हट जाता है तो रोनी को होश आ जाता है दौरे से क्योंकि पूरा जिम्मा बेकार सा हो जाता है इस लिए हरकत देर में होती है इसका इलाज यह है रोनी के सर को जमीन से हाथ पर केवल एक इंच ऊपर उठा लिया जाए इससे ज्यादा नहीं। दो तीन बार सर को हल्की जुबिया से हिलाना जाए दौरा खत्म हो जाएगा फिर भी आँखों की पुतलियाँ की देखनात खुद देर तक करे ताकि वे रेशे जो हाँकिने से सम्बन्धित हैं देखने वाले की निगाहों से टकराएँ और शक भङ्गना हो जाए। निराम्य के रोनी को एक पहचान यह भी है कि पुतलियाँ अपनी जगह से कुछ न कुछ ऊपर की तरफ हट जाती हैं। निराम्य के रोनी का रुकनियत में इलाज यह है कि घांसीस दिन तक नलार फूँक एच सेट पर

النَّظَرُ الشَّامِلُ وَالْإِحْسَانُ وَالْإِعْرَافُ الْمُتَالِفُ لِلْإِكْرَامِ

अनुसन्धु नागु बल अविन्मगु बरसु अत अिवादि ररातिराना
फिलकबानि

लिखकर पानी से पोकर पिलाए साथ ही एक बड़े कागज पर
लिखकर सर से पाव तक कागज को पूरे तिरस पर मने कागज फ
जाए तो दोबारा लिख लिया जाए। इलाज के दौरान इस बात का
ध्यान रखे कि रोगी को कब्ज की विकायन न हो।

मर्दों में जनानापन

कोमोम में १२ छल्ले होने हैं और हर छल्ले का रंग अलग अलग
रंग होता है भा के पेट में अगर इन छल्लों के रंग में समानता रहनी
है तो बच्चा पूरी तरह मरवाना होता है और अगर एक छल्ले का
रंग भी पूरी तरह दूसरे ११ छल्लों के रंग के बराबर न हो तो बच्चे
में इसी हिसाब से पदनापन कम हो जाता है बाहर छल्लों में से
किसी एक छल्ले में रंग की मात्रा बहुत ज्यादा या बहुत कम हो
जाए तो लड़की पैदा होती है। कुछ मर्दों में पदनापन कम और
औरतपन ज्यादा होता है बात करने का ढंग, बात ढाल और शब्द
सूख में औरत पन झलकता है कुछ मर्दों की आवाज में औरतों
की तरह होती है इसको दूर करने के लिए पुनर्ह जाग कर और
रात को सोते वक़्त एक पुरतन तक

النَّظَرُ الشَّامِلُ وَالْإِحْسَانُ

अर्ध्यालू कच्चा मूला अलन्निहाई का बिदे किम्य जाए।

नीर कम आना या बिलगुल न आना

नीर न आने की वजहों में बड़ी वजह दिमाग में पुररुई, आसार्वा,
झपपना, दिमागी कमकश या दूसरे शब्दों में दिमागी अपसेट,

النَّظَرُ الشَّامِلُ وَالْإِحْسَانُ وَالْإِعْرَافُ

तो सके दिमाग को खाली करना जरूरी है। ऐसा करना इस रोग से
बचने के लिए बड़ा जरूरी है। सब कामों से निपट कर आराम देह
बिस्तार पर बैठ जाए जिसमें को टीला छोड़ दे आखे बन्द कर से
और यह कल्पना करें कि गर्दन से नाड़ी तक जिस पर शीशों का
एक बड़ा नार रखा हुआ है और उसमें हल्की हल्की ठंडी हवा मरी
हुई है जब यह कल्पना कर ली जाए तो सूप बफरा की पकली
आमत अलिक लाम भीम से यूकितन तक पकना शुरू कर दे दो एक
बार पढ़ने से नींद की मीठी लहर नसीब हो जाएगी।

नकसीर फूटना

सफेद कागज पर तीन बार काली रोशनाई से 'पा बर्नीऊ'
लिखे। कागज को जला दे जला हुआ कागज उमंगियों से मसल कर
नकसीर के रोगी को पुंयाए। कुछ देर बाद यह अमल करने से
नकसीर की बीमारी खत हो जाती है।

पुराना नजला

ऐसा पुराना नजला जिसकी वजह से दिमाग से बरबू आती
हो, नाक बन्द और अंखें भारी रहनी हो, कानों से आवाजें आती
हो महसूस होता हो कि दिमाग में कोई चीज मरी हुई है आदि
आदि से नजल हसिल करने के लिए

نَسِيرُ دَلِيلِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ بِأَيِّهَا يَنْتَظِرُ بَأْسَ الْمَلِكِ الْكَرِيمِ

बिस्मिल्लाहिररहमानिररहिम

पा मीकाईल या इसराहील या समवाईल या फराईल कागज
पर या रोगी की स्तेरी पर लिख कर तीन वक़्त पानी से पोकर
पिलाए खाने में ऐसे खाने देने से परहेन करें जो पेट को खराब
करते हो।

وَيَذُرُّهُ فِي طَيِّبَاتٍ يَبْرِقُهُمْ ۝

‘व दधुदहम को तुगपानिहम दाअमहन०’

राम करके और अगर तेज असर करना हो तो स्टेड पर लिखकर पानी से धोकर पिलाए ज्यादा से ज्यादा तीन बार यह राम किया हुआ पानी पीते ही हिचकियां बन्द हो जायेंगे हैं ।

एक बड़े शीशे के सामने बैठ कर सो नारा —

وَأَخْلَعْنَا عِلْمَهُ مِنْ لَحْيَانِي
 وَكَرِهْنَا لَكَ الْكَرْبَانِي

रात को सोने से पहले इस तरह पढ़ें कि हर शब्द अलग अलग अंश हो और होठों का हिलना भीरो में नजर आता रहे। वर्गीशना खत्म करने के बाद हाथों पर दम काफ़े तीन बार मुंह फेर लें और बात किये बिना सो जाए कोशिश करें कि ६० दिन के इस अमल में कोई नागा न हो। अगर मजबूरी में कुछ दिन न पढ़ सकें तो नागा के उन दिनों को गिन कर बाद में पूरा कर लें।

५०८

آرے ربك يا ارحم الراحمين

अरहाय रफीकु दा राहीतुन मअनीधुन

लिये और पोका पिलाए और साथ साथ बड़े कागज पर लिखकर सारे जिसम पर दिन रात में तीन बार मलें एक मुद्रा तक यह इतान जगो राखें छः घंटीने तक नमक बिल्वल न खाया जाए ।

फविर्भाष्य आलाह रविशुभा शुक्रजिघान०

धनी की स्टेट पर लिखें और बार बार पुनः के साथ पानी
 से पोकर पिलाएं पुनः से पानी को शांतिल करने को तर्तीका यह है । पुनः
 कि पुनः का एक हेल किती बर्तन में डाककर पानी भर दे । पुनः
 पकने के बाद ठंडा होय दे अब पानी पर जो पाड़ी नजर आए उसे
 घोर से हटाकर ऊपर का पानी से लें । पानी निकालते वज्रन इस
 बात का ध्यान रख कि पानी जोर से न हिले बर्याकि जोर से हिलने
 से बर्तन में बैठे हुए पुनः के कण पानी में शांतिल हो सकते हैं और
 पुनः के कणो का पानी में शांतिल होना नुकसान देह है ।

अगर इस अमल में वक़्त से तो खुशी लाल मिर्च के बार में जो पर ऊपर वाली आयत पढ़कर दम करे और तभी मिर्च के से बीज निकाल ले। अगर से दो तीन घंटे बर्नी पिल्ले तक कच्चा तबो बीजो बाहिए एका हुआ पानी ठंडा करके पिल्लए, जब तक हैजा नसे बार इलाजो नारी रहे ।

इसार्के लिए टी बी का इलाज पढ़िये और उसी पर अपना

सारे कामों से निपट कर रात को सोने से पहले ---

विशिष्टमन्त्रादिदेवमन्त्रिदेवीम

इन्तल इन्साना सभ्यी इगुरिन

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
إِنَّ الْإِنْسَانَ لَقَلْبٌ خَسِيرٌ

यस्कान या पीलिया

[illegible]

يَاكَ حَبِيبُ وَيَاكَ تَسْلِيهِ

आवाज़ को खूबसूरत बनाना

है और उनकी आज्ञा में कार्रवाई और प्रतीति पन होता है। पीछे
1551 में, निओप्लाटोनिक सिद्धांतों की आधारशिला बनने
के लिए -----

44

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

▷	◁	=	◁	▷
▷	◁	=	◁	▷
▷	◁	=	◁	▷
▷	◁	=	◁	▷
▷	◁	=	◁	▷

5	3	9	3	5
5	3	9	3	5
5	3	9	3	5
5	3	9	3	5
5	3	9	3	5

16	11	1				9
15	10	2				8
14	9	3				7
13	8	4				6
12	7	5				5
11	6	6				4
10	5	7				3
9	4	8				2
8	3	9				1
7	2	10				0
6	1	11				
5	0	12				

अलग-थलग या पेट में घाव

छानने की चीजों में भिलावट की वजह से यह खोपारी आप हो

के पहले तारीख को कपड़े के कवर से निकाले बिना तोयान की पूर्ण दे।

वच्चों के दित में सुराख

अबल अगिर मयारह मयारह बार दलद शरीफ के साथ मयारह हजार बार ---

फुअबल इला अजिहो ना अवहो० पाकनवाल फुवाडु मरवओ
एक नगर दैठ कर पढ़कर आया सेर असली शहर पर दम करे यह शहर सुबह शाम और रात को खिलाए। छुराक की उम के लिहान से है करे। छोटे बच्चों को उगर्ना से घटाए और दस सान से ज्यादा उम के बच्चों को वाय की छोटी चमकी तीन दफ्न खिलाए। इमान की मुदत छ. महीने है।

बगल और पैरों से बदवू आना

बगल और पैरों से बदवू आना बड़ा कष्ट दायक रोग है ऐसे रोगी जब किसी मन्त्रिस से बैठते हैं या नृत्य उतारते हैं तो बदवू का ऐसा मन्त्रिका निकलता है कि पास बैठने वाले लोग परेशान हो जाते हैं। इस रोग से नजात पाने के लिए मयारह सौ बार ---

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
أَتَمَّاحَرَّةٌ عَلَيَّكَ الْبَشِيرَةُ وَالْمَكْرُورَةُ
لِيُغْفِرَ لِيْهِ وَأَهْلِيْهِ لِيَسْبِرَ اللَّهُ ٤

बिरिमल्लारिहर्ममनिरशेम

इन्नामा हरैमा अन्त्यकुमुल भयतता बदरमा व लहमान बिन्न जीरि
वना उहिल्ला बिहि सिगय ऐल्लारिह०

पढ़कर एक पीढ़ असाती शहर पर दम करे और सुबह शाम रात को एक एक चमकी छार इतान के दौरान छानों से नमक की मात्रा कम से कम रख दे।

बिरिमल्लारिहर्ममनिरशेम

रायसाइद गुजार अगर मुदत पूरा होना है पहिले उतार दिया जाए तो कभी कभी बच्चों को पीलियो हो जाता है अब यह रोग इतना आम हो गया है कि इसकी व्याख्या करना जरूरी नहीं है। एक घुदकी बीमारी और एक बारीक से बारीक सूई से स्टेनलेस स्टील या बारी के कटोरे में दो तीन घूट पानी पर से एक बार

या बरदु

بَارِدُ

पढ़े सूई पर एक बार और सूई की नोक बीमारी से छुड़कर पानी में डुबो दे अब सूई को साफ धुएँद कपड़े से अच्छी तरह साफ कर दें। इस तरह कि सूई पर पानी का कोई असर न हो इसी तरह सूई डुबोने का यह अमल एक सौ एक बार करे। इस पानी में जाफरान शामिल करके रोशनार्ई बना ले और उस रोशनार्ई से---

रहीमु फर्कु अलहाम
७६ ११ २६ २७ ३१ ४१

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
الْحَمْدُ
رَبِّهِمْ فَزَقَّ

तीन स्लेटों पर लिख कर शाम और रात को पानी से पोकर लिगाए। यह तारीख उसी रोशनार्ई से बालिशराव मर चिकने और मोटे कागज पर लिखकर प्रभावित होने वाले अंग पर दिन में तीन बार पढ़ी की सूईयों की गर्दम के अनुसार पढ़ें। यह कागज फट जाने पर दूसरे कागज पर तारीख लिखा जाए। इतान देरी का है यकीन और नियमरस के साथ जागी रखे फायदा जरूर होगा। छाने में ठंडी और बारी बीमारी और नमक का पूरा परहेज जरूरी है।

नोट- अंग पर मलने वाले तारीख पर ---
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
बिरिमल्लारिहर्ममनिरशेम लिखी जाए।

पेशान दिमाग जिससे आसेव पेशान हो

पेट में दर्द की बहुत सी बन्दह है असल इतान तो यह है कि दर्द की वजह तल्ला करके उसका इलाज किया जाए। सबसे पहले पेट के दर्द से नजान पाने के लिए यह अमल किया जाए।

पेश की तरह बारीक पिसा हुआ नमक एक चावल बनन के बराबर एक घाय के चमया पर पानी में डाले और एक बार---

پیشہ کی طرح باریک پسا ہوا نمک ایک چاول بنن کے برابر ایک غای کے چمیا پر پانی میں ڈالے اور ایک بار---

अल्लाहु ता इलाहा इल्ला हुवलहयुल कयूम

पक्कर पानी पर दम करके पी लें पानी पीते वकत पूह शिमास की तरफ होना चाहिए।

हाकिम व अफसर को वस में करना

देखने में आया है कि दफ्तरी में कुछ जिम्मेदार लोग और हाकिम अपने मातहतों के साथ अच्छा सुलूक नहीं रखते और उन्हें जो बेज्ज पेशान करते हैं कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो अपनी ज़ानी भलाई के लिए अपने मातहतों को ईमानदारी के बजाए बेइमानी पर काम करने के लिए मजबूर करते हैं ऐसी हालत में हसन की खिलाती हुद हुद के पर यह हिस्सा पाक पीरों जैसे फाख्ता, कबूतर या पीर आदि के पर है अगर नज़ा लिख कर सीधे यात्रा पर भासे।

विशिमल्लाहिर्रममनिर्रहाम

सि-१+साद-य+४ ह

- १+कु-४। न-आ ह

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

७ - ७ + ७ - ७ + ७ + ७

७ - ७ + ७ - ७ + ७ + ७ - ७

अल्लाहु ता इलाहा इल्ला हुवलहयुल कयूम (नाम हाकिम) की एक फला
isbilla पुन हिबिल्ला नउ/गिदि/odishan

नोट- अगर हाकिम या अफसर की मां का नाम मालूम न हो तो उसके नाम के साथ उतका पर लिखे।

जादू और जादू का तोड़

जब इसका पता चल जाए कि किसी मर्द या औरत पर जादू का असर है ऐसी हालत में लोगों के सर से धेर के अगड़े तक नीले पाने के ग्यारह तार नपे जाए। इन ग्यारह तारों की चार तरे कर ले पाने के सिरे पर एक टीली गिरह लबाव। एक बार कुन आकनू बिरोबिन फलक० --- पूरी सूरः पढ़कर गिरह में पूरु मांरे ओर खौरन कस दे यासि पूरु को गिरह में बन्द कर दे। इसी तरह ग्यारह गिरह लगाने के बाद पाने को दहकते हुए कोयनों पर डाल दे। पाना जब जलेगा तो उससे से बटवू या घिराद आएगी। जब तक यह घिराद आए तोजाना दग अमल को करने रहे।

चेचक

नीचे वाला तालीज गले में डाल कर राखनी की हालत में पेट पर लिख कर पानी से पोए और यह पानी हर बार पेटे के बाद बाड़ी को एक बाड़ी चमया और बच्चों को एक छोट्टा चमया पिलाए। पानी हर हाल में पका हुआ होना चाहिए कच्चा पानी पीने को न दे।

साद	अ	य	ह	७	७	७	७
अ	अ	य	ह	७	७	७	७
य	य	य	ह	७	७	७	७
ह	ह	ह	ह	७	७	७	७

खून में खराबी

खून में गैर सेहतमन्द सौर पर रखने शामिल हो जाने से खून

रहे नींद आए तो सो जाए या हथौड़ा का चिद उस वक़्त तक क्रिय जाए जिस वक़्त दौगा पड़ना है लेकिन दौगा पड़ने के वक़्त के बाद भी एक पन्ने तक बिस्तर पर रहे। इस अमल की पुर्तव यातीया दिन है।

कारोबार में वन्दिश

कर्म ऐसा भी होना है कि अच्छा खासा चलता हुआ कारोबार टप हो जाता है और दुकान या कारोबार में ऐसी वन्दिश हो जाती है कि तमाम सामान व साधन होने के बावजूद बिज़ी नहीं होती और आईर आदि भी नहीं आते कहीं से आईर मिलता है तो उसकी तर्कमूल नही होती। दुकान में खरीदार आते हैं माल को परसन्द करते हैं लेकिन खरीदे बिना वापस चले जाते हैं और यही सामान दूसरा दुकान से ज्यादा कीमत पर खरीद लेते हैं। इससे छुटकागाने के लिए यह अमल करें-----सुबह सवेरे उठकर जुनू करें। दुकान या दूधन में ऐसे वशत पड़वे कि अभी सूरज न निकला हो एक बार ---

कुल आऊनु तिरबिन्नातः

نُفَعُكَ مِنْ بَيْنِ يَدَيْكَ

पूरी सूरः पढ़कर दुकान या दूधन के दरवाने पर दम करें। पाव करन पीछे हटकर पीछे के दोनो नज़े उतार नें और नज़ी को हाथ में ले कर तीन बार इस तरह झाड़ें कि नज़ों के तलवे एक दूसरे से टकराएं और नज़े पहन कर दुकान या दूधन के अन्दर नमकर सोबान का पूर्यो दे दें। यह अमल केवल एक बार कर लेना काफी है इस अमल में यह बात सामने रखनी चाहिए कि नज़े सेदर सेल के हो।

किसी सवाल का जवाब देते वक़्त

जुवान का रुकजाना

नर्तक नेस की वनह से आरमी के ऊपर अन्जाना डर छा जाता है इसके बावजूद कि वह सामने वाले के सवाल का जवाब

issuu.com/abdul23/niali/odisha

देने की पूरी सलाहिलत रखता है अगर उससे दब कर उसकी बात का जवाब नहीं दे पाता और बाद में दिल ही दिल में शुकता है। इससे नजाल पाने के लिए सुबह सूरज निकलने से पहले जुनू करके एक बार ---

या वददू --- ۝۝۝۝

पड़े और सात बार हाथ के धुल्ल में ताज़ा पानी लेकर सात बार नाक में चढ़ाएं और निकाल दें यह अमल पूरी तरह टीक होने तक जारी रखें।

कांच निकलना

जिस तरह बड़ों को बचासीर की तकलीफ़ होती है और पाख़ाना करने वक़्त मरसे बाहर आ जाते हैं इसी तरह बच्चों को भी यह मर्ती हो जाती है कि पाख़ाना करते वक़्त कांच बाहर आ जाती है बच्चे रोते चिल्लाते हैं और उस गोसत या कांच को उगानी से कर अन्दर करना पड़ता है। इसका इलाज यह है कि बच्चे को तब़ारत इस तरह कराएं कि उल्टे हाथ की बड़ी उगनी पाख़ाने की जगह से रगड़ छाती रहे तब़ारत करते वक़्त जुवान से-----

فِي اَلتَّحَنُّنِ

फ़ि अलतन-फ़ि अल----- पढ़ते रहे। दो तीन बार के अमल से यह रोग ख़त्म हो जाता है।

पर में सब लोगो का बेग़मार रहना

सेहत के उल्लो को देखते हुए यह बहुत जरूरी है कि घर साफ़ धुया रहे और घर में सीजन न हो इसके साथ साथ घर के मख़ान का साफ़ करने के लिए तौबान की धुनी देते रहना चाहिए और घर ग़मारा करना चाहिए कि घर के सब लोग बर्यो दोभार रहने हैं। अगर कोई वनह समझ में न आए तो यह इलाज करें।

कलक अ पल

मुँह में खुन भरना

दिनामा, रत्नाफ, मसुदो ओर फेड़डो के प्रमाणित हो जाने से या किराता ना मान्य वनर से दिन या रात को सोते वजन पुरु मे घुनन पार जाना है और रोगी को बार बार घुनन की मुक्तिपा करनी पड़ती है ओर इस रोग जिस का साता घुनन निकल जाता है यह हालत बड़ो विनानानक है और खतरनाक है इतान पर है-----बाँझा घालो नई ले कर नो फायो पर एक बार

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
يَسْجُدُ اسْمُ رَبِّكَ الْأَعْلَى ۝ الَّذِي خَلَقَ
قَسَمًا ۝ وَالَّذِي يَدْعُهُ يَهْتَدِي ۝ وَالَّذِي
أَخْرَجَ الْمَرْعَى ۝ فَيَجْعَلُهُ مَسَاءً ۝
أَحْمَرَى ۝

विश्वरूपमणिर्द्वयमिदं संम

रविचन्द्ररिम रविचक्रल आला० अल्लजी खलक-फराब्या० दल्लजी

کتاب - ۱۵۸

दास्यमीं अथारमल परआ० फन-अन-हु गुला अन अहवा०

www.abdulq33hali.odjshar

परक दान करे और एक काया दानो कानी भ रात को सोते वसत रख ते । अगली रात ये काये निकाल कर दूसरे दो कायो पर दम करके कानो मे रख ते । अमल की मुद्रात सात दिन है । काये जग करके बहते पानी या कल्लू मे डाल दे ।

अल्लाह के क़त्लाम की बर्कत से बाहुल्य आसानी के साथ यह रोग ख़त्म हो जाता है। ऐसे कई रोगी भेरे पास आए गए जो पत्नी-नौसे अपराधाल में दखिल थे। डाक्टर हेरान व परोशान थे कि यह नज़्म कहां से आता है रोगी को बार बार पूछन दिया जाता था और यह ख़ुद भी पूछ के रास्ते निकल जाता था। इस फ़र्शों ने अल्लाह पर यक़ीन के साथ इल्मान किया और सब रोगी अल्लाह की कृपा से ठीक हो गए। डाक्टरों के लिए यह बात मोअम्मा बनो हुई थी कि यह ख़ून किस तरह बन्द हो गया।

नौकरी या कारोबार की तलाश

ऐसी हालत में जब कौशिकों का कोई नतीजा न निकले उम्मीद
बंटा और हूट जाए। शिवो हस्तो और महीतो बलिक मल्लो दक्षतो के
न हो तो नौकरी या कारोबार में बारकत के लिए यह नक्शा बान्
पर भाग्य या गने में पहले और हर वक़्त दुःख या बेचुनू उठते बैठते
चलते फिरते सौते जागते या स्वप्न या कल्प --- का विद करते
रहो।

اللَّهُ أَطْيَبُ

[illegible]

مِنْهُمْ

925

[illegible]

कोनों में दिये गए अरुद नक्शा की छात को जाहिर करते हैं
इसे आसानी ताकीज में न लिखा जाए।

महाराष्ट्र

नज़र लगाना एक ऐसा अंश है जिससे इन्कार मुमकिन नहीं है नज़र बाढ़ों, छोटों और जानवरों को भी लग जाती है और उसके अलग अलग प्रभाव पड़ते हैं जैसे यह कि किसी लड़की को नज़र लग जाए और उसकी शादी न हो किती मर्द को नज़र लग जाए और उसका रिवाज प्रभावित हो जाए और सोचने समझने की सलाहियते कम हो जाए और उसकी आम जिनगी के मामलों में ख़ूबतर पड़ जाए ।

दूध देने वाले जानवर अगर खुसी नजर का प्रिकार हो जाए तो वे दूध देना छोड़ देते हैं या दूध की बजाए पानी में से खून आने लगता है या दूध में प्रकृष्टान कप हो जाता है ।

देसी सूरत में कि लड़कियों के पियरे आते हो और ननुर की दजर से तय न हो पाते हो तो लड़की की मां या छुद लड़की

يَاكَ تَسْتَعِينُ ۝

अलहमु शरीफ इस तरह पढ़े कि जब-----इयाका नाअबुदु व इयाका
नलातअन० पर पहुंचे तो इला आपन को ग्याह बार पढ़कर सूर:पूर्वी

अमल की मुरत ४० दिन है ।

मार्गों में रुकावट के अलावा नज़र उतारने का तरीका यह है कि नीचे बांते तारीज़ को लिज्जक कुछ देर तार पर रखें फिर जला दें। एक तारीज़ से जुड़ी नज़र का अंतर खत्म न हो तो तीन तारीज़ काटनी है

$$1 + 2 + 3 + 4 + 5 + 6 + 7 + 8 + 9 + 10 + 11 + 12 = 66$$

$$\frac{+1+2+5+6}{\text{آیات}}$$

अलङ्कारिणि अलं पारिदस

जानवरों पर से जुड़ी नज़र ख़त्म करने के लिए यह नज़र देना
 की लकड़ी या किसी ऐसी लकड़ी पर लिख कर ज़िगम बदल न हो
 प्रभावित जानवर के गले में झान दे ।

ख़ास इससे आज़म यानि अल्ताह के नाम

हुनूर सल्ल० का इशार्द है कि बेरोक अल्ताह के ६६ नामों को जो कोई याद करेगा और उनको दिन में रखेगा अल्ताह पाक उसे नन्त में दाखिल करेगा। इस इशार्द के अलावा बहुत से औलिया और मुजुर्गों ने अपनी किताबों में अल्ताह पाक के नामों की बेयुमार विशेषताएँ लिखी हैं वैसे भी इन्सानो अक्सर यह मानती है कि ये उस महान हरित के नाम हैं जो सारे जग का पालनहार हैं तो ग़ाहिर है कि इनमें कितना असर होगा।

यहां नीचे हम इन नामों के ज़रिए नसरतों और कामनाओं को हासिल करने और हर तरह की सफ़लता के लिए अल्ताह के नामों को अलग अलग तरीक़ों से बयान करते हैं।

(१) अल्ताहु

الله

बहुत से बतियों के निकट यह शब्द इससे आजम है। अगर इस शब्द की तारीफ़ लिखी जाए तो सारी ज़मीन के पेड़ों के फल और सारे समुद्रों के पानी की रोशनी नज़र आएगी। यह शब्द ज़मीनजिस्त फल फूल है जिस तरह अल्ताह की जग़ हर जगह से पाक है इसी तरह यह शब्द भी हर तरह से पाक है। अगर इसे तेज़ना एक हजार बार पढ़ा जाए तो ईमान व यकीन मजबूत हो अगर हर नमाज़ के बाद सौ बार पढ़ा जाए तो अल्ताह का मुक़रब

ISS (1) सल्ल० का इशार्द है कि बेरोक अल्ताह के ६६ नामों को जो कोई याद करेगा और उनको दिन में रखेगा अल्ताह पाक उसे नन्त में दाखिल करेगा। इस इशार्द के अलावा बहुत से औलिया और मुजुर्गों ने अपनी किताबों में अल्ताह पाक के नामों की बेयुमार विशेषताएँ लिखी हैं वैसे भी इन्सानो अक्सर यह मानती है कि ये उस महान हरित के नाम हैं जो सारे जग का पालनहार हैं तो ग़ाहिर है कि इनमें कितना असर होगा।

(२) अर्हमानु

الرحمن

रहमान के भावने रहम करने वाले के हैं। इससे शक नहीं कि उससे बड़ा रहम करने वाला कोई नहीं। इस इशारे मुबारक को अगर मुसीबत वाला पढ़ेगा तो अल्ताह का रहम करम उस पर होगा। गुब्रह की नमाज़ के बाद २६ बार पढ़ने से हर मुश्किल आसान हो जाती है कोई भी मुश्किल हो अर्हमान का वर्जिया करना चाहिए।

(३) अर्हीमु

الرحيم

अल्ताह पाक के इस नाम के भावने होते हैं बहुत रहम करने वाला। इसमें क्या शक है। उसके रहम करम की कोई हर मुक़दर नहीं की जा सकती। इस नाम की कार्ड गरिब आदमी पाव बाग़ तेज़ना पढ़े तो मालदार हो जाए। अगर इसे तबीन बना कर पढ़े वे डालें तो हर आफ़त व मुश्किल से बचा रहे। दुकान पर लिखकर लव्हाए तो तेज़गार में बरकत हो। मतलब यह कि हर आफ़त के लिए अर्हीमु का वर्जिया करना चाहिए।

(४) अल मालिकु

المالك

अल्ताह के इस नाम के भावने हैं बादशाह। यकीनन सारे जग़ का शाखाह है। इस नाम का वर्जिया करना अपनी इच्छा के अनुसार करने का सबब है। इसको तेज़ना पढ़ने वाला दीन व दुनिया दोनों में सुख सब होता है और कामयाबी उसके करम चापसी है अगर कोई नेक नीयती से इस नाम का वर्जिया करेगा तो अल्ताह

पाक का दीवार हासिल होगा। उसका पकसर भा पूरा होगा। अल्लाह के बारे में इल्म हासिल होगा। इस नाम की बरकत से बहुत से बच्चों ने फेज़ पाया है।

(५) अल कुदूस

الْقُدُّوسُ

इस नाम के मायने होते हैं पाक, बे ऐज। इसमें क्या शक है कि अल्लाह बे ऐज है। इस नाम को पढ़ते रहने से और तार्दीन बना कर पढ़ने से सारी आसमान व जमीन की आपत्तों से हिकाजत होती है। इस मुबारक नाम को नुमे की नमाज के बाद पढ़ने वाले को दुनिया की बुराई और बुरा अज्जाफ़ों की दीवत हासिल होती है। इस नाम का वर्गीफ़ा करने से दुश्मन दोस्त बन जाते हैं। इस शब्द को इला की नमाज के बाद पढ़ने वाला अगर किसी से मुहब्बत करता हो तो महबूब हो जाएगा। बहरहाल इस नाम का वर्गीफ़ा बेहतर ही है।

(६) अल अजीज़

الْعَزِيزُ

इस नाम का मतलब है गतिब। यकीनन वह सब पर गतिब है। इस नाम को रोज़ाना पढ़ा करें तो दुनिया में ऊँचे दर्जे हासिल हों और अख़िरत में जन्नत हासिल हो। इस शब्द को हर नमाज के बाद ली बार पढ़कर खुदा से दुआ मांगा करें तो अल्लाह उसे गतिब से पालदार बना देंगे।

(७) अल ख़ालिक

الْخَالِقُ

इसके मायने हैं पैदा करने वाला, बनाने वाला। इसमें क्या शक है कि हमें-उसी ने तो बनाया है। इस नाम को हर वक़्त पढ़ते रहना चाहिए। इससे सारे मक़सिद हासिल होते हैं। इस नाम को पढ़ने वाले का दुश्मन कभी कामयाब नहीं हो सकता नाम को पढ़ने से दुनिया में भी ऊँचा दर्जा हासिल होता है।

(८) अल वारिड

الْوَارِثُ

इस नाम का मतलब है पैदा करने वाला। ज़रिफ़ है कि खुदा $الْحَيُّ الْقَيُّومُ$ है। इस नाम को हर वक़्त पढ़ना अपने काम में कामयाबी हासिल करना है जैसे तालिब इल्म पढ़ा करे तो कभी फ़ेल न हो। झाँवर पढ़े तो कभी झरसा न हो, हकीम पढ़े तो उसके हथ में शिफ़ा बख़्शी, दुकानदार पढ़े तो बिक्री और मुनाफ़ा बढ़े, मुसॉफ़िर पढ़े तो मंजिल तक आसानी से पहुँच जाए। यह इस्ते आज़म है।

(९) अल मुसव्विर

الْمُصَوِّرُ

मतलब है धूँल बनान वाला। रोज़ रोज़ान की तरह। ज़रिफ़ है कि खुदा से बढ़कर कोई आर्दर नही। खुदा का यह फ़न कितना अनोखा है कि लाखों करोड़ों इन्सान इस दुनिया में बसते हैं हर इन्सान के अंगों की बनावट एक जैसी है वही अंग वही कान वही नाक हाथ पांव सब वही लेकिन फिर भी हर शय्य अलग है। कोई उस जैसा कलाकार पक़ीनन नहीं है। इस इस्म का बिर्द करने वाला दोनो जहा में इज्जत पाता है अगर दुनिया के दुखों में भुँक़न छीन लिया हो तो इस नाम का बिर्द करें। दिन्नी मुक़्त हासिल होगा। अगर २१ दिन किसी ब्रांझ औरत को यह नाम पाक पानी पर दम कराके पिलाएँ तो अल्लाह उसे औलाद प्रदान करेंगे।

(१०) अस्सलामु

السَّلَامُ

इस नाम के मायने हैं सलामती वाला। बेशक वह सबसे अच्छे नामों वाला है अगर इस नाम को हमेशा बिर्द किया जाए तो सारे मक़सिद पूरे हों। इस नाम को पढ़ कर रोगी पर दम करें तो वह अच्छा हो जाएगा। तालिब इल्म को पानी में दम करके पिलाएँ तो इल्म में तारक़ी हो। किसी दुश्मन को भिटाई पर दम करके ख़िला दे तो वह बस में हो कर दोस्त बन जाए। अगर किसी इरपोक को इस पाक नाम के दम किया हुआ पानी पिलाएँ तो वह बहादुर बन जाएगा।

١٠٠

(१६) अर्धाङ्गु

इस नाम की बरकत से पढ़ने वाला गनी हो जाएगा । हर शुक्रिया की ज़रूरत पूरी होगी और दुनिया का हर तस्वीर बन जायेगा ।

(१७) अल अलीमु

करने । आत्मा किताम इसे हर वक़्त पढ़ने रहे ।

(१८) अल वासितु

मानने हे कुशाग करने वाला, फलाने वाला । इस नाम को पढ़ने वाले की हर दुआ कुदूर होती है ।

الْبَاسِطُ

ॐ

प्रश्नो हे तर्ग करतें वाता । खुदा ही हर बात पर शक्तिर है ।
 यह वाता नो फैलाए बाहे तो तर्ग करे । इस नाम को खाने के कुत्तर
 पदने वाला कमी पुरने का शिखार न होना । हमेशा हर नमान के
 बाद पदने वाले पर दीनख को आव हाताम है । उस पर कोई दुपन
 फातर हासिल नही कर सकेगा ।

آب

(२०) अल वसीरु
ابو
भायने हं देखने वाला । अल्ताह ते कोई बात छिपी नहीं । वह

١٤٠

इस नाम की वारकन से पढ़ने वाला गुनी हो जाएगा। हर बुनिया की जलवात पूरी होगी और दुनिया का हर नक्काश दूर होगा।

الحال

इसके मायने हैं जानने वाला। यकीनन अल्लाह हर बात जानता है और कोई राज ऐसा नहीं जो उससे छिपा हो। कोई जायन नज़रन पेग आए तो अकेले में दो एकल नामन पढ़ें और नामन के बाद एक हज़ार बार यह नाम पढ़ें तो काम पूरा हो जाएगा। इस नाम का पढ़ना नामन बना है तो अल्लाह उसको हक का इर्फान अता करने। ओसिया किराम इतो हर वक़्त पढ़ने रहे हैं।

۱۵۳

यापने हे कुशाद्रा करने वाला, फलाने वाला । इस नाम को पहने वालों की बर दुआ कुबूल होती है ।

८६

पापवत् है तर्ज करने वाला। खुदा ही हर बात पर काफ़िर है वह याहरे तो फैलाए बाहरे तो तर्ज करे। इस नाम को छानने के यत्न करने वाला क़ामी पुराने का खिलाफ़ न होगा। हमेशा हर नामान के बाद पढ़ने वाले पर दोनख़ की आय क़ातम है। उस पर कोई दुश्मन फ़नाह लासिल नहीं कर सकता।

۵۰

मायने हे देवनें वाला । अत्ताह ते कोई वाला धिर्षी नरों । दार

दिलो की बात से भी परेचित है इस नाम को हमेशा पढ़ना खुश के दरबार में अपने को पक्कूल बनाता है। हर अह की नमाज के बाद पढ़ने से दवाओं (बलाओं) से बचा रहेगा।

(२१) अल हकी मु

اَلْحَقُّ

मायने है हिकमत वाला। फैसला करने वाला। अल्लाह के बराबर कौन हिकमत वाला है इस नाम को अगर कोई रोजाना पढ़े तो कभी किसी जुलूम में परेशान न हो। जुने की रात में पढ़ने का मापूल बना लिया जाए तो अल्लाह का खुब खसित होगा। खुमार बार पढ़ना चाहिए।

(२२) अल अदलु

اَلْاَدْلُ

मायने है इन्साफ करने वाला। अल्लाह से बड़ा जन्म और कौन हो सकता है इस नाम को हमेशा पढ़ने वाला सारे लोगों में इज्जत हासिल करेगा। कोई उस पर जुल्म न कर सकेगा। कोई मुकदमा या इस तरह की कोई मुश्किल पेश आए तो इस पाक नाम का कमीफा करना चाहिए। हर जुलूम के लिए इसका विद किया जाए, जुलूम पूरी होगी।

(२३) अरसमीऊ

اَلْاَسْمِیُّ

मायने है सुनने वाला। अल्लाह हर बात को सुनता है धाहे दिल से ही क्या न कही जाए। अगर कोई इस नाम को सी बार पढ़ेगा तो हर दुआ जो नेक पकसर के लिए मांगी जाएगी पूरी होगी।

(२४) अल लतीफु

اَلْاَلْفِیُّ

मेहरबान और मेहरबानी करने वाला, अगर कोई अपनी लड़की की शादी के लिए इस नाम को नमाज के बाद पढ़ेगा तो अच्छा रिश्ता मिलेगा बच्ची आराम पाएगी। जो पढ़ने के लिए हमेशा का मापूल बनाएगा उसकी हर दुआ खुबूल होगी।

(२५) अल ह-क-मु

اَلْحَقُّ

मायने है फैसला देने वाला। अल्लाह से बढ़ कर फैसला देने वाला कौन है। लोगों में लोक शिष्टता हासिल करने के लिए इस नाम का विद करे। यह खास इस्ते आज़म है इसकी बरकत से दुश्मन दोस्त हो जाएंगे और हमार करने वाले अपने हो जाएंगे। बुरा चाहने वाले नके हो जाएंगे रोज पढ़ना बरकत का सबब है।

(२६) अल फताहु

اَلْفَتْحُ

मायने है खोलने वाला। यकीनन वह अपने नेक बन्दों पर रहमत खोलने वाला है। इस नाम को हमेशा पढ़ना चाहिए इसकी बरकत से जमीन व आसमान की सारी आफतों से हिकानत होगी और दुनिया भातहत होगी।

(२७) अलखवीरु

اَلْاَلْفِیُّ

अगर किसी की तर्बायत नेकी व बलाई की तरह न आती हो तो इस नाम को पढ़ने के लिए कहें। अल्लाह ने चाहा तो इसकी बरकत से नेक बन जाएगा। इस लिए इस नाम की एक विशेषता यह है कि इसे इशा की नमाज के बाद १०० बार पढ़कर सो जाए तो वह जिस बात को जानना चाहेंगे ख़ास में मालूम होगी इस नाम में बड़ी बरकत है।

(२८) अलमोमिनु

اَلْمُؤْمِنُ

मायने है शानि व सुकून देने वाला। जाहिर है कि वही शानि देता है। इस नाम को पढ़ने वाला दुश्मनों से नज़ात पाएगा और शतान उसका कुछ न बिगाड़ सकेगा।

(२९) अलमुहयमिनु

اَلْمُؤْمِنُ

मायने है पढ़ा देने वाला, मिशरानी करने वाला। अगर कोई इस नाम को गैजाना पढ़ेगा तो सारी मुसलमानों से अल्लाह उसे बचाएगा। उसे हक की राह मिलेगी और अल्लाह जल्द पशन करेगे।

(३०) अलमुत-कविर

أَلْمُوتُ الْكَبِيرُ

मायने है मलनता व बड़ाई वाला। पशानता केवल युदा ही के लिए है जब भी कोई नया काम शुरू करना हो इस नाम का विद करे कामयाबी शन है। हमेशा बिना मुकरत पढ़ना भी नको व मलाई है।

(३१) अल क़ुह्रारु

أَلْقُهْرَارُ

मायने है प्रकोष व गुस्ता नजिन करने वाला। अल्लाह अगर रलीम है तो प्रकोष वाला भी है उसके प्रकोष से हर वस्तु पनाह पागनी चाहिए इस नाम को जो आदमी पढ़ेगा अल्लाह उसके दुश्मनो पर अपना प्रकोष भेजेगा।

(३२) अरज़ाकु

أَرْجَاكُ

मायने है रोज़ा देने वाला। बेयाक हमे वही रोज़ा देता है। इस नाम को पढ़कर घर के हर कोने में दम करे गरीबों दूर होगा। जब भी वक़्त मिले इस का विद करे तो अच्छा रहना है।

(३३) अल अजीमु

أَلْأَزِيمُ

मायने है पशानता व बड़ाई वाला। बिचाय ही अल्लाह बेमियांज है इस नाम का हमेशा विद करने वाला दुनिया व दीन में पशानता पाएगा। कभी किसी दुश्मन से हार न माने। कोई उसका मुग न बहैगा और नला भी जाएगा लोग उसल परऊब होंगे। दुनिया में इज्जत हासिल करने के लिए इस नाम के बरीके से बेहतर कोई बजो सो नहीं।

(३४) अल जव्वारु

أَلْجَوَّارُ

जबरदस्ती करने वाला। अल्लाह बड़े बड़े जबर करने वालों को रोकने वाला है वह सबसे ज्यादा जबरदस्त है इस नाम को पढ़ने वाले की सब इज्जत करेगे और कोई उसे परेशान न करेगा अगर किसी को घेट की बीमारी हो तो पानी में दम करके पिलाए ठीक हो जाएगा।

(३५) अलवदीक

أَلْوَدِيْقُ

जब भी कोई परेशानी वाला बात सामने हो या किसी तरह की कोई मुहिम सामने हो तो हर नमान के बाद इस नाम का विद करे तो अल्लाह मुश्किल आसान कर देता है। हर मुश्किल को यह नाम आसान कर देता है। इस नाम के मायने है नई तरह देता करने वाला।

(३६) अल वारिसु

أَلْوَارِثُ

किसी भी मुसीबत के वक़्त इस नाम का विद मुसीबत के ग़ानमे की नमानन है। अल्लाह सारे आलम का वारिस है और उसी मुश्किल से पनाह हासिल करने की हुआ मागनी चाहिए क्योंकि अल्लाह सबका वारिस है इस लिए यह अपने बन्दों की हर मुश्किल आसान कर देता है।

(३७) अल वाक्सी

أَلْوَاْقِیْ

अल्लाह ही रहने वाली हली है वरना यह सय खत होने वाला है। इस नाम को सच्चे दिल से पढ़ने वाले की गरीबी दूर होगी और उसे नैक कामों को करने की तौहीक नसीब होगी।

(३८) अल गफ़रु

أَلْغَفَرُ

किसी भी तरह की बीमारी हो इस नाम को लिख कर पोकर

दित्वा धुना की मेहरबानी से ठीक हो जाएगा। इस नाम के मायने हैं मण्डित और पाक प्रदान करने वाला, इसलिए इस नाम की बरकत से अपनी बत्ताए बख्शवानों के लिए हर नमान के बाद अनमिनत बार पढ़ना चाहिए।

(३६) अल हादी

इस पाक नाम के मायने हैं हिदायत करने वाला। इस नाम की हमेशा पढ़ना चाहिए। इससे नेक कामों की तीव्रता हासिल होती है।

(४०) अल मानिक

मायने है लोकने वाला। अगर भिया बीबी व नाराजगी हो तो दोनों में से कोई भी इस पाक नाम का विद करे तो नाराजगी दूर होगी और मुहब्बत कायम होगी। अल्ताह पाक इस नाम की बरकत से विद करने वाले को सारे बुरे कामों से तोकता है।

(४१) अल कवीर

इसके मायने हैं बड़ाई और महानता। इस पाक नाम की हमेशा पढ़ने वाला रीत व इतिहा में महानता में बुनूरी पाता है और उसकी सारी जरूरतें पूरी होती हैं। लोकप्रियता और लोगो में इज्जत हासिल करने के लिए इस पाक नाम का विद हर नमान के बाद करना चाहिए अल्ताह ने घाहा तो बर नही जाएगा उसका कोई दुश्मन उस पर फूट न होने पाएगा और इज्जत हासिल होगी।

(४२) अल हफीजु

मायने है हिफाजत करने वाला। अल्ताह ही सबका मुहाफिज है वही हमें सारी बुराईयो व आफतों से बचाने वाला है और हमारी देखभाल करने वाला है। इस नाम का विद करने वाला सारी बुराईयो से बचेगा। शैतान का बार उस पर न चल सकेगा और उसका कोई दुश्मन उस पर गालिब न आ सकेगा।

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ الَّذِيْ اَنْشَأَ لَنَا دِيْنًَا
اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ الَّذِيْ اَنْشَأَ لَنَا دِيْنًَا

इसको हमेशा पढ़े। सारे आत्म की भियाओं में बुनूरी व महानता। इस नाम के मायने हैं बुनूरी बनने। इस शिवाज से पढ़ने के अल्ताह महानता व बुनूरी प्रदान करता है। हमेशा नमान पढ़ने से दबी और इज्जत बढ़ती है।

(४४) अन्नाफिक

मायने है नफा देने वाला। अल्ताह से बड़ा कोई नफा देने वाला नहीं। इस पाक नाम की कारीबार और अन्य दुकानों के काम शुरू करने वाले पढ़े तो कामयाबी मिलेगी।

(४५) अलमुकीतु

दिल कितों दुश्मन से हर रत हो तो फूल पर ही बार टा करे और उसकी छुरछुर सूँचे तो दिल में तक़त पैदा होगी। दुश्मन का डर गालिब न आएगा। इस नाम के मायने है ऐसी देने वाला। इस नाम के ब्याद बरकत की बात यह है कि अगर ग़रिब ग़ोनाका पढ़े तो उनकी गरीबी दूर होगी और अल्ताह उसे पैसों से तकी देगा।

(४६) अन-नूरु

मायने है रोशन करने वाला। अल्ताह पाक इस नाम का विद करने वाले के दिल व शिमाज की रोशन कर देगा है और इस पाक नाम की हमेशा इशान की नमान के बाद पढ़ने से पढ़ने वाले की रूब रोशन कर दी जाएगी।

(४७) अशशकूरु

मायने है फ़रदान। अल्ताह हर आदमी के अच्छे अहम रूब रूब करता है। अगर घर में सगी और बच्चे पीने की परेशानी हो तो इस पाक नाम का विद करना चाहिए सगी दूर होगी।

(४८) अल आखिरु

मायने है सबसे आखीर वाला। अल्ताह की जाल पर ही सारी विशेषताएँ धरतम है इस नाम को हमेशा पढ़ना जहन्नुम से नजाल गाना है।

(४९) अल हसीबु

मायने है हिसाब करने वाला। इस नाम को पढ़ने से दुनिया की सारी मुसीबतें दूर होगी। हर वक़्त जब भी मौक़ा मिले इस नाम का विद किया करें।

(५०) अल जलीलु

इस नाम के मायने है बुझाई और बढ़ाई वाला इस शब्द को तिरय कर साथ रखे। कोई मुसीबत पैदा न आएगी और सारे मायने अच्छी तरह पैदा आएंगे।

وَالْجَلِيلُ وَالْأَكْبَرُ

(५१) जुल जलाली वल इकराम

कुछ लोगों ने इस नाम को इससे आज़म खास लिखा है। इज़्ज़त गुलामन अर्जेंटि० को यही इससे आज़म बताया गया था।

(५२) अल मजीदु

मायने है बड़ी शान वाला। इस नाम को हमेशा पढ़े बांमनायों से बचे रहेंगे। अंगार कोढ़ी को पोकर पिलाया जाए तो अल्ताह टोक कर देगा।

(५३) अल ज़ाफ़िऊ

وَالْغَفِيرُ

मायने है जमा करने वाला। अगर कोई अपने रिश्तेदारों से अल्ताह उठे रिश्तेदारों से मिला देगा।

(५४) अल कसीमु

इस नाम के मायने है करम वाला। इस नाम की बरकत से पढ़ने वाला हमेशा इज़्ज़त से रहता है लोगो में उसकी इज़्ज़त बढ़ती है।

(५५) अशहादु

मायने है हाज़िर। अल्ताह हर जगह मौजूद है। अल्ताह के इस नाम को अगर केरा पढ़ा करे तो रिहाई अमल में आएगी। बे अज़ाना पढ़ा करे तो औलाद होगी। इस पाक नाम को एक कागज़ के चार कोनों पर सिखें और बीच में किसी खोयी हुई चीज़ का नाम लिखें तो वह चीज़ मिल जाएगी।

(५६) अलमाजिदु

मायने है इज़्ज़त वाला। इस नाम की बरकत से पढ़ने वाला हर जगह वा इज़्ज़त होगा और लोग उसका अदब करेंगे। लोगों के दिल बस में होंगे, दुश्मन दोस्त बन जाएंगे।

(५७) अल हय्यु

मायने है ज़िन्दा रहने वाला। अल्ताह ही बराक हमेशा रहने वाला है इस नाम को पढ़ने वाला लम्बी उम्र पाता है और अगर बीमार पड़े तो अच्छा होगा।

(५८) अल वाजिदु

मायने है पालने वाला। निरन्तर ही वह सारी दुनिया का पालने वाला है और इस नाम को पढ़ने वाला हर जगह इज़्ज़त पाएगा। अगर परमाच पढ़े तो अमंग होगी और पैस से सेज़ों पाएगा।

(५६) अलकयूम

इस नाम के मायने है क्षयमान रखने वाला। इस पाक नाम को हमेशा पढ़ने से जारू देने का असर नहीं हो सकता।

أَلْكُؤْمُ

(६०) अल कादिर

मायने है कुरान वाला। अल्लाह ही हर चीज पर क़ादिर है इस पाक नाम का विद करने वाले को हर इरमन पर फ़तह हासिल होगी और कोई भी दुनिया की मुश्किल क्यों न हो आसान हो जाती है।

أَلْكَادِرُ

(६१) अल अवलू

इस नाम का मतलब यह कि लंबाते पल्लो वाला। ज़ाहिर है कि अल्लाह ही सबसे पहले है। अगर कोई अल्लाह से मकरूम इति पढ़े तो अल्लाह उसे नेक अल्लाह प्रदान करेगा इस दर्जे को पढ़ने से हर मुआद पूरी होगी।

أَلْأَوَّلُ

(६२) अलवालियु

أَلْوَائِلُ

मायने है मौलिक। बेदाक अल्लाह ही हमारा मौलिक है। इस नाम का विद करने वाला हमेशा आदमी से बचा रहता है अगर किसी का दिल नीतना हो तो इस पाक नाम का विद करे अल्लाह से हुआ मागे मुआद पूरी होगी।

(६३) अल वातिनु

أَلْوَائِلُ

अल्लाह की रजा हासिल करने के लिए इस नाम को हमेशा पढ़ा करे बुरक अल्लाह हर बेद को जानना है इललियु इस नाम के पढ़ने से अल्लाह के बेद ज़ाहिर हो जाते हैं।

(६४) अज ज़ाहिर

أَلْزَاهِرُ

मायने है ज़ाहिर करने वाला। इस नाम को पढ़ने वाला देखने वाला ज़ाहिर हो जाएगा और ज़ाहिर हो जाएगा और ज़ाहिर हो जाएगा

أَلْزَاهِرُ

(६५) मालिकुल मुल्क

मायने है सारे देशों का बादशाह। इस पाक नाम को हमेशा पढ़ने वाला शैलत मन्द हो जागा है और उसकी हर दीनी व दुनिया की जरूरत पूरी हो जागी है।

(६६) अरसमदु

أَلْأَرَسَمَدُ

इस पाक नाम के मायने है वे जरूरत वाला। यकीनन अल्लाह को किसी बात की जरूरत नहीं है। यह गुनी है इस पाक नाम की बरकत से पढ़ने वाला हमेशा गनी रहता है और इस पर किसी ज़ातिय का जोर नहीं चलता।

(६७) अलवददु

أَلْوَائِلُ

मायने है मुहब्बत करने वाला। अल्लाह सबसे मुहब्बत करता है। अगर किसी बीबी में नाबाली हो तो यह एक पाक नाम पढ़ा करे। खुदा ने चाहा तो उसे कामयाबी हासिल होगी और किसी एक दूसरे के मतवाले हो जाएंगे। सच्ची मुहब्बत के लिए भी यह नाम पढ़ा जाता है अल्लाह इस नाम की बरकत से दूरे दिन जोड़ देता है।

(६८) अल वासिक

أَلْوَائِلُ

मायने है खोजने वाला, फैलाने वाला। इस नाम को पढ़ने से गालदारी और दोलत मन्दो हासिल होगी।

(६९) अर्रऊफु

أَلْأَرُؤُفُ

मायने है नमी करने वाला। इस नाम का पढ़ना लोगों के दिलों को जीतने का ज़रिया बनता है दुश्मन नाकाम रहे।

(७०) अलगानियु

اَلْغَانِي

मायने है बेगरबाह। इस नाम का पढ़ना रिजक को खोलने के लिए फायदे मन्द है।

(७१) अलमुक़सितु

اَلْمُقْسِط

मायने है न्याय करने वाला। इसको पढ़ना आगे ब और शैतान को दूर करने के लिए बेहतरीन इलाज है।

(७२) अल मुग़नी

اَلْمُغْنِي

मायने है परवाह न करने वाला। अगर कोई इस नाम का बिंद करे तो सारी दुनिया से बे परवाह हो जाए।

(७३) अल मुजीबु

اَلْمُجِيب

मायने है कुत्त करने वाला। अगर कोई इस नाम का बिंद करे तो सारी दुनिया से बे नियाज हो जाएगा।

(७४) अरफ़ीबु

اَلْأَرْفِي

मायने है देख प्राप्त करने वाला। हमेशा इसे पढ़े तो अल्लाह ज़ात व माल का रखवाला होता है।

(७५) अल वकीबु

اَلْوَكِيْب

मायने है काम बनाने वाला। हमेशा पढ़ने से अल्लाह बिनाई काम बना देता है।

(७६) अल बाअिअस

اَلْبَإْعِث

मायने है उठाने वाला। इस नाम का पढ़ना हर मरसद के लिए www.alhikmah.org/Arabic/Arabic/niail/codisha

(७७) अल क़वियु

اَلْقَوِي

मायने है नाक़बल। इस नाम के पढ़ने से दुश्मन तैबा होता है।

(७८) अलवलियु

اَلْوَلِي

मायने है हिमायन करने वाला। यह नाम बुरी आदतों से बचाता है और सीधे रास्ते पर चलने की तैयारीक़ दिताता है।

(७९) अलमुहसि

اَلْمُحْسِي

मायने हैं ग़िज़ने वाला। इसका वर्जफ़ अन्वुहनी बीमारियों को दूर करता है।

(८०) अलमुअीदु

اَلْمُعِيْد

मायने है दोबारा पैदा करने वाला। यह नाम ख़ोए हुए लोगों का बन्नाश करने के लिए पढ़े।

(८१) अल-अहदु

اَلْأَحَد

मायने है अकेला। अगर बीमार पर इस नाम को पढ़कर दम करे तो ठीक हो जाएगा।

(८२) अलमुक़नादिफ़

اَلْمُقْنَدِف

मायने है हक़ूमत वाला। इस नाम का पढ़ना सारी बलाओं से बचान दिताता है।

(८३) अल-मुक़ददिमु

اَلْمُقَدِّم

मायने है आगे करने वाला। इसका बिंद करने वाला हर जग से फ़ज़ल पाएगा।

३११५

संज्ञा

(८४) अंगिका

देवा करन वाला

(८६) अल्ल भूमी

जिताने वाला

(19) 2000

अर्केला

(८८) अथ पुनश्चाहं

पाठ करने वाला

(८८). अ. न. व. ६

रावरी बड़ा

(੨੬) ਅਨ ਮੁਜ਼ਾਅਲੀ

उद्योग विरोधता दाना

(६०) अल-तय्याबु

तौना कुबुल करने वाला

(८२) अलमर्तानु

तात्पर्य दाना

(e) अर्थात्

नेक राखा वजावे

(६५) अन्तः प्रत्यक्षः

प्रदत्ता र्त्तने दाता

(६६) अल गज़िन

भाकू करने वाला

(६७) अस्सत्ता

टुकने वाला

اَلْمَدِينَةُ
 الْمَدِينَةُ
 الْحَيَّةُ
 الْحَدَّ
 الْعَوْدُ
 الْبَرْ
 اَلْمَدِينَةُ
 الْحَيَّةُ
 الْحَدَّ
 الْعَوْدُ
 الْبَرْ

issuu.com/tj23/medina

के सुभाष चन्द्र बोस
के पाक नाम भी
इसमें आज़म है

बहुत से वंशियों ने साफ तौर पर हुनूर सल्लं के पाक नामों को भी अपने आत्म बताया है और क्योंकि आप अल्लाह के प्रिय बन्दे हैं। इसलिए यह बात बिल्कुल ठीक है। किन्तु ही बार हुनूर सल्लं का नाम देने से मुश्किलें हल हो जाती हैं अल्लाह को अपने हबीब पाक का नाम से का पुकारने वाला बेहद पतान्न है और वह अपने पहचान नामों के तुर्कित उसकी सारी हानिजें पूरी कर देता है हुनूर सरकारी दो आत्म सल्लं के पाक नामों का वर्गीकृत करते वक़्त पहले और बाद में आप पर दल्ल ब सलाम नज़र मीना करे। पता हम नबी कीम सल्लं के पाक नामों को ऐसा कर रहें हैं।

महामहिम्न

202

गुरीब आठमी इस पाक नाम को चार से चार सेज पड़े ता
अल्ताह उसे मानदार कर दें ।

अभिमान

三

इस नाम को रोजाना पढ़ें तो सार्ग दुनिया बस में होकर आशा
पालन करें !

हामिदुन

五

अल्ताहार पाक इस नाम को बढ़ने वाले पर रहमत के दानाने
पोल देगा ।

महामुद्रा

五

काहिमुना

नो कोई इस एक नाम का ऐजाना बिदे करे अल्लाह उसे आसिप बना देता है ।

आकिंनुन

कोई भी जलता हो अल्ताह इस नाम के पढ़ने वाले को इच्छा पूरी करता है ।

कातिहुन

इस पाक नाम को रोज़ाना पढ़ा करे तो अल्ताह को कुर्बत
हसिल होगी ।

माहिती

रोजना पढ़ने से रहस्य का दिन आसान होगा ।

हार्दिल्लन

इस पाक नाम को कमजोर तातिबि इल्म पड़े तो इल्म में तरावूनी होगी ।

खानिभुन

18th
इन्कार के दिन सतर बा पढ़का हुआ भागे तो मुग़ल पूरी होगी ।

दाडिअन

इस नाम पाक को पढ़ा करे दुनिया मे इज्जत हर दिल अपनी मे (लोकप्रियता) हासिल होगा ।

नशीलिन

उभेया पदने वाल पर कद भान भान

五

जब किसी आर्थिक परेशानी में पड़ जाए तो रोज़ाना इस पाक ताम को पढ़ा करें अल्ताह परेशानी को दूर करेगा ।

साह

हस नाप को ज्यादा तादाय में पढ़ने से बरकत दामिल होगी ।

हादिन

साथे राखने पर कत्तने के लिए हमें ऐसा राव को पढ़ा को

नकीलन

में अज्ञात से बचने के लिए इस नाम को पढ़ा करो।

मवायुन

हक का इत्तम हासिल करन के लिए इस नाम को पढ़ाकें ।

खंखिनि

अगर किसी को बुरे ख्याल दिखावा दे तो इस नाम को रोज़ाना सोने से पहले कहें करें।

यासीन

अगर आपकी याद को जंगे सर हो कर पड़ेगा तो अस्ताह ह
 मरार पूरी कोणा । ५१ = ५२

मुद्रादिमन्त्र

(۱۱) بهیتره
رسول

ج. ۶۷/۲

6

(16)




١٧٠

(1.4)

١٢٠

三

इस नाम को नागर व गरीब को चाहिए कि तेज पढ़ा कर गरीबी दूर होगी।

वलीयुन

अल्ताह की रजा व खुशी हासिल करने के लिए इस पाक नाम का वर्नीफा करें।

नसीरुन

साफ़ में इस पाक नाम को पढ़े पढ़ान न होगी और साफ़ आसाम हो जाएगा।

हमीदुन

बुरी आदतों से बचने के लिए इस नाम को अपनी जुबान पर रखें।

कलीमुन

बुरी आदतों वाला इस नाम को पढ़े तो अच्छी आदतों वाला बन जाएगा।

मुद्दस्सिरुन

इस नाम को पढ़ने वाला शैतान की चालों से बचा रहेगा।

मुसददिकुन

इस नाम को सुबह होते ही दस बार पढ़े सात दिन बहुत अच्छा हो न निकले।

हबीबुन

एक हजार बार रोज़ाना 17½ किया करे सभी दुनिया बस में हो जाएगी।

हुन्नतुन

किसी भी ज़रूरत के लिए इस नाम का हिंद करना चाहिए।

कलीमुन की उच्चारण: kālīmūn

नात करने वाला बना देगा।

शहीदुन

इस नाम से मुबारक को दालों में पिलवाक करने वज़न पढ़ा करें। दाल बुझाये में भी फायदा रहेगा।

मुस्तफ़ा

नेक कामों को तात्कालिक को हासिल करने के लिए इस नाम का हिंद करें।

वयानुन

अकलमन्दी और सूझ बुझ हासिल करने के लिए इस नाम का पढ़ना बेहतर है।

मुर्तजा

सारी आसामानी व ज़मीनी आपत्तों से बचने के लिए रोज़ पढ़ा करें।

काइमुन

अगर बारिश न होती हो तो रात के बज्ज एक हजार बार पढ़ा करें। बारिश ज़रूर होगी।

मुखासुन

ग़ार यात्री और बुलन्द दर्ज़ा हासिल करने के लिए रोज़ ५० बार पढ़ा करें।

हाफ़िज़ुन

तमाम मुसीबतों से बचने के लिए बेहतरीन ज़रिया है।

आदिलुन

इस पाक नाम की बरकत से पढ़ने वाला हर जगह इन्जान की निगाह से देखा जाता है ।

सादिकुन

असंख को दूर करने के लिए इस पाक नाम को पानी पर दम करके रोगी पर छिड़के ।

नूरुन

जो आदमी रोजाना बिना नागा पढ़ा करे ख्याल में हरीशच न डरे ।

वाअिनुन

जो आदमी रमजान शरीफ में सौ बार रोजाना पढ़ा करे अल्लाह उसकी हर इयादत मंजूर करेगा ।

मुतीनुन

इस नाम को पढ़ने से दिल के इरादे पूरे होते हैं ।

साहिबुन

इस नाम को पढ़कर रोगी पर दम करने से अल्लाह शिफा देगा ।

बुरहानुन

इस नाम के पढ़ने से गर्तबंद दूर होती है ।

नातिकुन

इंसान से महफूज रहने के लिए हर दिन पढ़ा करे ।

मकीनुन

इस दर्जाफे को पढ़ने वाला आख की रोजाना कम होने से बचा

रऊफुन

इस नाम को पढ़कर जिता हाकिम के पास जाएंगे बर इन्जल से पैरा आएगा ।

मुतीउन

इस नाम को पढ़ने से गुनाहों से मगफिरत हो जाती है ।

मुरव्वी

इस पाक नाम को बिच्छू, साँप और पगल कुत्ता आदि जानवरों के डसे हुए पर दम करना चाहिए टीका हो जाएगा ।

अमीनुन

इसे पढ़ने वाला कभी जर्तल नहीं होता ।

यतीमुन

इस नाम को पढ़कर घावों पर दम करे घाव अल्लाह के करम से भर जाएंगे ।

हिजाज़ीयुन

नबी करीम सल्ल० की खुशानदो हासिन करने के लिए इस नाम को पढ़ा करे ।

करीमुन

बेतेजगार इस नाम को पढ़ा करे अल्लाह उसे रोजगार प्रदान करेगा ।

गरीबुन

इससे आजम हो अगर पागल खुले पर दम कर दे नो बर
किर से किसी पर हमला नहीं करेगा।

अलीमुन

इस पाक नाम के पढ़ने से इज्जत होता है।

अजीजुन

इस नाम को अगर ज़िह्दक पढ़ें तो इसका मतलब मिल जाए
(हताशकाली के लिए कनो न पड़े)

غریب

علی

عزیز

कुरआनी इस्मे आजम की तौसीफ़

इसमें कोई शक नहीं कि कुरआन मजीद का एक एक शब्द
इसमें आजम है और कुरआन पाक में, कोई सूरा या आयत मिलावन
की जाए तो खुदा की रहमत नाज़िल होती है मगर कुछ ऐसी आयतें
और सूराते हैं जिन्हें खास तौर से पुरादे हासिल करने के लिए पढ़ते
हैं नीचे हम उन कुछ आयतों और सूरातों के बारे में बयान करते
हैं क्योंकि इस छोटी सी किताब में पूरी तफ़सील की गुंजाइश नहीं।

Issuu.com/23/niall/odishb
सूरा की तौसीफ़

किसी भी खतरनाक बीमारी से नजला पाने के लिए सूरा फ़ातिहा
की पढ़कर पानी पर दम करके रोमी को खिलाएं। आतेब वाले भी
यही अमल करें सिफ़ा होगी।

सूरा वकारा

इस महान सूरा की तिलावत करने वाला जिन, पूरा, आतेब,
बकू और दूसरी मुसीबतों से बचा रहता है। पढ़ने वाले पर शैतान
का हमला नहीं होता।

सूरा आले इमरान

हमेशा पढ़ा करें तो किमामत के दिन यह महान सूरा एक
सहबान की सूरा में सूरन की गर्मी से बचाएगी। इस सूरा के पढ़ने
से दिमागी जलज्वर खत्म होती है और मुकुट हासिल होता है।

सूरा कहफ़

दीन व दुनिया की बलाई हासिल करने के लिए रोज़ाना एक
बार पढ़ें। सारी हानियों के लिए पढ़कर अल्लाह से मदद मांगें।
मतलब पूरा होगा।

सूरा यासीन

इसमें नाममात्र आये हुए हो जाती है। पढ़ने के बाद दुआ मांगें
तो कुछूल होती है। अल्लाह पाक इस सूरा के पढ़ने वाले के लिये
गुनाह माफ़ कर देता है। अगर मरने वाले के पास पढ़ी जाए तो
अल्लाह उठा बन्दे पर सकारात मीन आसान कर देगा है नज़ा इतने
पढ़ा जाए वहां पर जिन, पूरा, आतेब या अन्य यक्षोस नहीं का
अना मुमकिन नहीं है।

وڪارا

آل عمران

کاف

یاسین

सूरा फतह

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

इस सूरा के पढ़ने से पढ़ने वाले पर दुश्मनों का नारा नाकाम होता है और पढ़ने वाला हर जगह कामयाब होता है। अगर ४० बार पढ़कर किसी मुकद्दमे में जाए तो हक़ में फैसला होगा अगर कोई ज़रूरत पेश हो तो तीं बार पढ़कर हुआ पागे अल्लाह खुद पुरमाये।

सूरा रहमान

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

कोई भी दुनिया की ज़रूरत पेश हो तो सूरा रहमान पढ़ कर अल्लाह से दुआ मांगनी चाहिए तो अल्लाह अपनी रहमत कामला से पढ़ने वाले की ज़रूरत पूरी फुरमाते हैं अगर गरीब पढ़े तो पालदार हो जाए योगी पढ़े तो अच्छा हो जाए कैदी पढ़े तो रिहाई पाए गुनहगार पढ़े तो नौवा की तौफ़ीक़ हो और प्रेमी पढ़े तो पतलूब मिले जाए।

सूरा मुहम्मद

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

इस सूरा को पढ़ने वाला इज्जत हासिल करे अगर बीमार को दम करके चिलाया जाए तो सेहत पाए और इस लिख कर गले में डाले तो दुश्मन उस पर फ़तह नसिल न कर सके। इस सूरा का पढ़ना हर तरह की परेशानियों से बचा कर रखना है।

सूरा मुज़म्मिल

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

इस सूरा का पढ़ने वाला हुनूर सल्ल० का दीदार करता है जिन दुनिया की मुश्किलों के लिए इस सूरा की तिलावत की जाती है वे हल हो जाती हैं। योगी को दम करके पिला दे तो उज्ज्व हो जाए। नमान मर्याद के लिए इस सूरा की तिलावत करनी चाहिए।

Issuu.com/abdul23/nial/codish

सूरा वाकिआ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

अगर इस सूरा को कोई फाका वाला पढ़े तो पैब से चिन्क ज़रता है गरीब पढ़े तो पालदार हो जाए योगी पढ़े तो अच्छा हो। इस सूरा को हर नमान के बाद पढ़ना चाहिए।

सूरा नूर

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

अगर कोई दुश्मन बहुत तंग कर रहा हो और उससे बचने की कोई और सूरा न हो तो सूरा नूर तिलावत करके अल्लाह से हुआ पागे, दुश्मन बर्बाद हो जाएगा।

सूरा जिन

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

इस सूरा की तिलावत करने से, खिल्ला करने से ज़िन्न, देव, यती, पूत वगैरे हो जाते हैं पूरी जानकारी के लिए हमारी किलाब अमानियात तसदीर ज़िन्नात का मुताला करें या फिर किसी अभिल बा कमाल से पानूसु करें। खिल्ला या अपज बिना किसी उत्साह के कभी न करें।

सूरा मुद्दसिर

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

गरीब आदमी इस सूरा को पढ़े तो अमीर हो जाए, बीमार पढ़े तो ठीक हो जाए अगर पढ़ने वाला किसी मुहिम पर जाए तो कामयाब हो।

सूरा अलम नशरह

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

अगर किसी के साने में या अदुल्मी तौर पर कोई बेमारी हो तो इस सूरा के पढ़ने से अच्छा हो जाए अगर कोई माल खरीद कर पढ़े तो फायदा और बरकत हो और खिल्लात करने वाला पढ़े तो बहुत ज़्यादा नफा हो।

तन्मूला

अन्तःकार के सिवा कोई इबादत के मोय नहीं वह जिन्ना है संपालतने वाला न उसे ऊंच आती है न नींद । जो कुछ जर्मान और आसमान के बीच है कौन है जो उसके पास सिफ़रिहा कर लके उसकी इनाज़त के बिना । वह जानता है हाज़िर व गा़यब हालात इल्म में नहीं ला सकते पगर ज़िलतना इल्म वह धाहे उसकी कुर्सी ने सब आसमानों और जर्मान को अपने अन्दर ले रखा है और उसे इन दोनों की रिफाज़त कुछ पुरिकन नहीं है वह बुलन्द दर्जे वाला है ।

दशदशरीकं

दरुद शरीफ का हथेला पढ़ने वाला अल्लाह की पनाह में रहना है मेरा अपना खुद का तजुबा है कि जब मैं कोई मुश्किल आयी तो दरुद शरीफ का बिर्द किया तो अल्लाह ने मुश्किल दूर कर दी।

नवीं कर्त्तव्य सल्ल० ने फलानां है कि जो पुत्र पर एक बार दलद शरीक भेजता है खुदा और उसके फिरोते उस पर दस बार दलद शरीक भेजते हैं और उसका दस जुआईयो को अल्लाह मिता देता है इसार्थ मितामी है कि जो आदमी पुत्र पर ज्यादा दलद भेजता है वह किपामत के दिन मेरे सबसे करीब होता है तो जब भी पैका मिले दलद शरीक पदा करो ताकि मैंो कर्त्तव्य सल्ल० की खुशान्दरी जाँताल हो। दलद शरीक पुकम्मत यह है। रमाट हो कि हर नमाज मे यकी दलद शरीक पढ़ी जाती है।

اللَّهُمَّ هَبْ لِي عَمَلًا يَرْضَاهُ اللَّهُ وَيَرْضاهُ النَّاسُ وَلَا تَجْعَلْهُ بَعْدَ الْمَوْتِ إِلَّا مَقَامًا لِلنَّارِ

[illegible]

दशमा

ऐ अल्लाह दलद भेज मुहम्मद पर और उनकी औलाद पर और
कि दलद भेजी तुझे इब्नार्थिम की औलाद पर। बैराक तु मुजुगी है। ऐ
अल्लाह बरकत भेज मुहम्मद पर और उनकी औलाद पर वीले कि
तुने बरकत भेजी इब्नार्थिम पर और उनकी औलाद पर।

हमारे कलिमे बड़ी अजमत वाले

हमारे कतिमे जो अमल में हमारे ईश्वन का इतरार है बाहुन सी सिरोचराओं के हातिल है उतेमां और रोखो का फरमान है कि इन कतिमे को पढ़ना बारका व भलाई का नरिया है और दीन व इतिमा को कामयाबां है कोई भी परोशनी आए तो कतिमा तयबा का खिद शुरू कर दे। अलाहा पाक अपने हबीब के सरके में मुसिकल कराना है भार इन छः कतिमे को गराब लगातार पढ़े तो अमारा

[illegible]

दशमा

ऐ अल्लाह दलद भेज मुहम्मद पर और उनकी औलाद पर और
कि दलद भेजी तुझे इब्नाहाम की औलाद पर। बैराक तु मुजुगी है। ऐ
अल्लाह बरकत भेज मुहम्मद पर और उनकी औलाद पर वीले कि
तुने बरकत भेजी इब्नाहाम पर और उनकी औलाद पर।

हो जाए रांगी पड़े तो अच्छा हो जाए किसी पर कोई आतेबन हो तो लिखकर प्योकर भिलाएँ तो शिफा होगी अगर पढ़ते हुए किसी व्यक्ति के सामने जाएँ तो वह मेहरबान हो अगर राह में हूँ हूँ सगे तो कलिये एक के बाद एक पढ़ते जाएँ हिलाजल से मजिज तक पहुँचेंगे। मतलब यह है कि कलिये के पढ़ने का फायदा बना सें तो चिन्तायों के हर पलान में अल्लाह पाकर कामयाबी अता करमाएँ।

पहला कलिमा तथ्यव

لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ مُحَمَّدٌ رَّسُولُ اللَّهِ

दुसरा कलिमा शहादत

أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيكَ لَهُ
وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُولُهُ

तीसरा कलिभा तमजीद

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
وَلَا حَوْلَ وَلَا قُوَّةَ إِلَّا بِاللَّهِ الْعَلِيِّ الْعَظِيمِ
islah

पाक है अल्लाह और सारी प्रजाता अल्लाह के लिए है और अल्लाह के सिवा कोई मादर नहीं। अल्लाह बहुत बढ़ा है और किसी से को हरकत व कुबल नहीं है जो मुलन्द और बाड़ी अज्जन्त याता है।

चौथा कलिमा तौहीद

۱۰۸

सा दत्ता हात्ताह वहरह सा रातीक सह ललुल मुक्तु व
 सहलरहु मुनीय व मुनीर नुवु हप्यल्ला यभु अ-ब-दन अ-ब-दां
 नुल नललल वल हकराभि बिपाहलले खपलं वहुवा अला कुली रायदन
 हनी०

तर्जुमा

अल्ताह के पिता कोड़े सत्वा मायुह नहीं वह अकेला है कोड़े उसका साझी नहीं उसके चारने है मुल्क और उसके लिए प्रार्थना नहीं करता है वही पारना है वह कमी पारने वाला नहीं । वह बड़ी शान और बुजुर्गी जाना है उसी के हाथ से मलाई है और वह हर चीज पर काबिज है ।

पांचवा कलिमा इस्तगफार

اَسْتَغْفِرُ اللهَ رَبِّيَ اَوْ مِنْ كُلِّ ذَنْبٍ اَوْ تَبَتُّهُ حَمْدًا
اَوْ حَقًّا سِرًّا اَوْ عَلَانِيَةً اَتُوبُ اِلَيْهِ مِنَ الذَّنْبِ
الَّذِي اَعْلَمُ وَمِنَ الذَّنْبِ الَّذِي لَا اَعْلَمُ اِنَّكَ اَنْتَ
عَلَمُ الْغُيُوبِ وَسَيِّئًا رَجُوبًا وَعَفَا رَحْمَتُكَ
وَلَا حَوْلَ وَلَا قُوَّةَ اِلَّا بِاللهِ الْعَلِيِّ الْعَظِيمِ

असताग सिफ्तल्लाहा रब्बी भिन कुल्गी जफिअन अन् नक़्तुहु
अ-म-दन अब ख-व-अन सिरदन अब अता मियतब्ब व तबु इस्तग़िह
मिनजुनबिल्लाही आतामु व भिन जुनबिल्लाही ता आतामु इन्का अन्ना
अल्तामुल गुपीब व सतासल उरुपीब व गफ्फासज्जुनपीब वता इरता वता
क़दता इल्ता विल्लाहित अतिमियल अर्जाम०

इस्तग़ाफ़ा तर्जुमा २३/गिनी/वदीसिहिनार है हर गुनाह

माफी मागता है अल्ताह से जो भी गुनाह कर
ही जो क्षेने किया है जान कर या मूल कर छिप कर या खुल कर
और से तोबा करता है उसकी दरगाह में हर गुनाह से जो में जानता
हू और उस गुनाह से जो में नहीं जानता । बेराक़ तू ही पिय का
जानने वाला है और छिपाने वाला दोषों का और बख़्शने वाला गुनाहों
का और गुनाह से बचाव और नेकी की तोफ़ीक़ अल्ताह की मदद
से है जो बुनन्द और बड़ी अजमत वाला है ।

छटा कलिमा रददे कुफ

اَللّٰهُمَّ اِنِّىْ اَعُوْذُ بِكَ مِنْ اَنْ اُشْرِكَ بِكَ شَيْئًا وَّ اِلَّا
اَعْلَمُ بِهِ وَاَسْتَغْفِرُكَ لِمَا لَا اَعْلَمُ بِهِ تُبَيِّنْهُ
تَبْرَأْتُ مِنَ الْكُفْرِ وَالشِّرْكِ وَالْاِكْثَابِ وَالْغِيْبَةِ
وَالْبَغْيِ عَدُوًّا وَبَغِيْبًا وَالْفَوَاحِشِ وَالْبُهْتَانِ
وَالْمَعَاصِي كُلِّهَا وَاَسْأَلُكَ اَنْ تَقُوْلَ لِيْ
اِنَّ اللهَ عَزَّوَجَلَّ رَحِيْمٌ

अल्ता हुमा इन्नी आऊजू बिक्का भिन अन उगीरका बिका
शयकुब्बअना आतामु बिहि व असतग सिफ्तका लिमा सा अतामु बिहि
तबु अन्दु तबर् अतु भिनल कुफीर वशिके वत किनयि वत गीबाते
बताबिद अले वन्न मीपाते बन्नरक़वाहिश वन्न बोहताने वतन अगि
यतिनला व असतमबु य अगिहु ता इन्ता दल्लल्लाहु मुहम्मदुरसल्लल्लाहु०

तर्जुमा

ए अल्ताह में तुम से पताह मागता हू इस बात से कि मे साझी बनाऊं तेरा किसी चीज को जानबूझ कर। और माही मागता हू तुमसे उस गुनाह से कि जिसको मे नहीं जानता मेने सीमा की उताहते और मे बैजाह हुआ कुछ से और जिस से और कुछ से और गीबन से और फिरअत से और चुगल खोती से और गंदी बातों से और नेहमत से और सारे गुनहों से और मे इस्लाम लाया और कहता हू कि अल्ताह के सिवा कोई माबूद नहीं और मुहम्मद अल्ताह के राहिल है।

खासुल खारः

इस्मे आजम शरीफ

सीबे दिया गया इस्मे आजम हर मुश्किल के वक़्त परदे खुदा ने धाहा तो कोई ऐसी मुश्किल नहीं जो हल न हो। अल्ताह की कुरान पर पूरा विश्वास रखें अल्ताह से बड़ा कोई मुश्किल कुरान नहीं है। इस्मे आजम शरीफ के बारे में हदीसों में बेशुमार इशारे मौजूद है और बुजुर्गाने दीन ने भी इस इस्मे आजम को रोजाना का माफ़ल बना कर बेशुमार फायदे हासिल किए हैं आप भी इस इस्में आजम को रोज पढ़ें और फिर कुराने खुदावन्दी का कायरा देखें।

कुरआनी इस्मे आजम शरीफ यह है

ترانہ اسمِ اعظم

اسمِ اعظم
ترانہ
کتاب
نمبر
۱

ISSUE: 01/2017

اسمِ اعظم
ترانہ
کتاب
نمبر
۱

अल्ताहुम्मा इन्नी असअलुका बिअन्कः अन्ता अल्ताहु ता इलाहा इल्ता अन्ता अलअहदु अररामदु अल्लही तम यल्लिह वलम यल्लिह वलम यल्लिह कुहुदन अहद० अल्ता हुम्मा इन्नी असअलुका बिअन्ता मेका अलहदु ता इलाहा इल्ता अन्ता अल्लन्नु अलमन्नु बदी उररामयानि वल अर्जि यानुल जलालि वल इकराम० या हय्यु या कयूम असअलुका व इला हुकुम इलाहु वाहिदुल ता इलाहा इल्ता हुवरकमानुरहीम० अल्लिफ ताम मीम अल्ताहु ता इलाहा इल्ता हुबल हय्युल कयूम० ता इलाहा इल्ता अन्ता सुबहानका इन्नी कुन्नु मिनज्जालिमीन०

वे तस्वीहें निनके फायदे इस्मे आजम जैसे हैं

नाफिउल मुताइक में लिखा है कि कोई आदमी नमाज के बाद ३३ बार सुबहानल्ताह ३३ बार अल्लहुलिल्लाह ३४ बार अल्ताहु अकबर और एक क़स्मिमा तीहीद पढ़ा करे तो अल्ताह पढ़ने वाले के सारे गुनाह बख़्शा देगा चाहे वे रोज़ाना के ज़रों के बराबर ही क्यों न हों। कुरबान जाइए प्यारे नबी सल्ल० पर हमें किसनी अच्छी और किसनी आसान तरकीब बतायी। मगफिरत के लिए अगर आप हम इससे फायदा न उठाए तो हमारी बदनर्ताबी के सिवा और क्या है।

जन्म की कुंजी क्या है

हय गन्धो वा वाहि किं किं

مجلس اول

ना भवतां दत्ता दुःखना दत्ता विजिता हिन अभिषिपल अर्नाम

नेकियों का पला भाग करने वाला अपन

एसी दुख्खारी याणी मे के कजल अन्नु हुरेर खेजो से दिवायत
है कि हुरेर सल्लो क्क हुराई है कि दो कर्मिय ऐसे हैं कि निम्ने
जुबान से अउर कराना बड़ा आरामन हैं पाए अमल की तरानू मे
उनरा वजन बड़ा भारी है वे कलिये ये हैं —————

पुष्कान्त्याहि र्विबहमदिहि० पुष्कान्त्याहित अजीम०

हुआ गजान-र-
इसारे इलाही

रिवाजों में कि एक दिन हनुनूर साल, पहिले नवरी में देव
हूए थे और रौतान भी वहीं खड़ा हुआ था नम नवी सालो की
जिगाह उस पर पड़ी तो आपने कृपाया ऐ बर बाजु था क्यो
खड़ा है रौतान ने मुनकुमार जबाब दिया कि जबाब में बर बाजु
नहीं हूँ बल्कि नेक बाजु हूँ क्योंकि अल्लाह रख्यो पढ़ने मुझे अनन्त
में दक्षित कोणा। हनुनूर ने हलत में पूछा दबो नेरे पाय खोई ऐग
अपन है जो नेग दक्षिना म्बबं पहिले जन्मन मे होणा? नब रौतान
ने जबाब दिया कि मुझे हुआ गर्जोना इतरार इलाही पाद होम
और पद अल्लाह का बाता है कि जिते यह हुआ याद होम वह
नन्मन वा इस्कार होणा। यह सुनकर आप हैन मे पड़ गए। इला
इमन हनुनूर जिबदत अलैओ आए और उन्हीने कहा कि यह छब
अरता है यह हुआ को बरकन से दक्षिना को उम्मीद रखता है मगर
बुदा अपने हुक्म से कियापत तें पढ़ने इसको यह हुआ-ए-अनी
मा मुनः देगा। फिर जिबदत अभीन ने कहा-----दे अल्लाह के
गान सालो यह हुआ आपको बताता हूँ आप इसे अपनी उम्मत
नक पढ़ाया देनाकि पढ़ने वाली जरनुप बी आग तें ननाह पाए।

ॐ नमः

विशिष्टमन्त्रिहिरं ह्यभानिरंशान

या इलाहल बा शर व अन्नोमान ख़ातर व या सतीअन्न-फ-ती
व या मअरफ़ल अ-तिरि व या अर्जीना अलमन्ना व मालिकि यवम
ददीनी बिहिकि व इया का नाअयुह वइया का नलसीन
बिअरमनिका या आहमगीहिनीन

بسم الأبرار الحسن المصميم
يا باهية الجبر قد تجلج العفوة كما سترت الخفى
وبها تنزيت الأثر قد
كما سترت ألقى الصليب ثم الأثر من تحت
وإثارة كسبه وإثارة
تستعملون كوكبه يا ناصرهم الشاهجه من

तस्वीह मुकर्म की फजीलत

इन्द्रात अनस बिन मलिक राति० फराभाते है कि नबी करीम सल्ल० ने इयाद फरापाया है कि जो इस तरबीह मुकर्रम को एक बार पढ़ेगा तो अल्लाह इसका सबाब पढ़ने वाले के मौँ बाप को अला करेगा और उसकी गिनती मौँ बाप का हक अला करने वालीये होगा तरबीह मुकर्रम यह है-

المر في السموات والأرض والذين هم في

अतश्चन्द्र तिलोहि रश्मिस्सधावाति वलार्ति रश्मित आलसीना
वलदुर्गु फिसभावाति वल अर्ति वदुल अर्जाजल हकीम

अहदनामा

बहुल से बान्गों ने लिखा है कि यह अहन्ताणा भी बहुत रा
 बार्कों चारा है बल्कि फिनाबों में तो इतनी लम्बी असान्द इस
 अहन्ताणा की लिखी है कि पढ़ने से फाटने शैल है कि जैसे यह
 भी किसी दूसरे आग से कम नहीं। चूँकि इसारे उनमें नूना
 बन्दी शैल है इसाले फिवाए मान लेने से चारा नहीं जैसे यह भी
 सुना गया है कि इस अहन्ताणा शीफ की बाकत से बहुत सो के के
 काम बन गए है कोई वनह नहीं कि अल्लाह की शीफ की आग
 और यह शीफ करने वाले के दिल की मुदा पूरी न करे ।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
 بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
 اللَّهُمَّ فَاطِرَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ
 عَالِمَ الْغَيْبِ وَالْشَّهَادَةِ أَنْتَ الرَّحْمَنُ
 غَافِرُ الدُّنُورِ
 اللَّهُمَّ إِنِّي أَعُوذُ بِكَ فِي
 هَذِهِ الْحَيَاةِ الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ أَنْ
 لَا إِلَهَ إِلَّا أَنْتَ وَحْدَكَ لَا شَرِيكَ
 لَكَ وَأَشْهَدُ أَنْ مُحَمَّدًا عَبْدُكَ وَ
 رَسُولُكَ فَلاَ يَكُنِي إِلَى نَفْسِي فَالِكَ
 إِنَّ يَكُنِي إِلَى نَفْسِي فَتَكُنِي إِلَى الشَّرِّ

و قلم ہے ہندو اور رسول کی ہی طرف سے نصیب ہندو چھوڑ کر کلمہ

در اول تلخ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

۱

شروع کرتا ہے اللہ تعالیٰ کے نام سے جو بڑا مہربان نہایت رحم والا ہے

اللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا

اے اللہ رحمت نازل فرما جاوے سرکار اور مالک ہر

مُحَمَّدٍ صَاحِبِ الْكَلَامِ وَالْبَعْرَاجِ

محمدؐ علیہ السلام پر صاحب تلخ اور سراپ

وَالْبَرَقِ وَالْعَلَوِ دَافِعِ الْبَلَاءِ وَ

اور برائی اور علم حق اور دوا کا

الرُّبَا وَالْقَحْطِ وَالْمَرَضِ وَالْآلِ

وہ اور غلط اور بیماریوں اور کلمہ دور کرنے

أَسْهَهُ مَكْتُوبٌ مُرْفُوعٌ مُشْفَعٌ

دائے میں ان کا نام مبارک کھرا ہے بلند صاحب شفاعت

مَنْعُهُمْ مِنْ عَذَابِ النَّارِ وَالْآثِمَاتِ وَالْغَوَامِثِ

انہیں سے بچائے اور تلخ سے ہر گز

الْعَرَبِ وَالْعَجَبِ وَجَسَدُهُ مَقْدَسٌ

دعوت کے کریم ہیں آپ کو ہم نہایت قدس

مُعْطَرٌ مَطْلَعٌ مَنُورٌ فِي الْبَيْتِ وَ

خوشبودار اور پاکیزہ اور نازک جسم و عزم پاک ہیں

الْخَرِيرِ شَسِيسٌ الضُّحَى بَدْرٌ الدُّجَى

موزر ہے آپ باشت گہوارے کائنات صبحی بدر الدجی

صَدْرٌ أَعْلَى نُورٌ الْهَدَى كَهْفٌ

بشیروں کے صدر روشن نام ہدایت کے نور غمناکات

الْوَرَى صَبَاحُ الظُّلَمِ جَبِيلٌ

کامیاب صبح اندھیروں کے چراغ نیک المومنین

السَّيْلِ شَفِيعٌ الْأَمِيرُ صَاحِبُ الْجُودِ

مالک آسمانوں کے بخشنے والے شفیع امیر صاحب الجود

وَالْكَرِيمُ وَاللَّهُ عَاصِدُهُ وَجَبْرِيلُ

رحیم ہیں اور اللہ آپ کو فرمان اور جبریل

خَادِمُهُ وَالْبَرَّاقُ مَرْكَبُهُ وَالْبُعْرَابُ
 سَفَرُهُ وَسِدْرَةُ الْمُنْتَهَى مَقَامُهُ
 وَقَابُ قَوْسِينَ مَطْلُوبُهُ وَالْمَطْلُوبُ
 مَقْصُودُهُ وَالْمَقْصُودُ مَوْجُودُهُ سَيِّدُ
 الْمُرْسَلِينَ خَانِئُ الْغَنِيِّينَ شَفِيعُ
 الْمَذْنُونِ زَيْنُ الْإِيْسِ الْغَرِيبِينَ رَحْمَةُ
 الْعَالَمِينَ رَاحَةُ الْعَاقِلِينَ حُرَّادُ
 الْبُسْتَانِ شَيْسُ الْعَارِفِينَ سِرَاجُ
 الْمُنِيرِينَ

السَّادَةُ الْكَافَّةُ الْغَنِيُّ الْكَافِي الْمُنِيرُ الْكَافِي
 مَحَبُّ الْفُقَرَاءِ وَالْغُرَبَاءِ وَالْمَسْكِينِ
 سَيِّدُ الْغَنِيِّينَ وَنَبِيُّ الْغُرَبَاءِ الْكَافِي
 الْغَنِيِّينَ وَنَبِيُّ الْغُرَبَاءِ الْكَافِي
 صَاحِبُ قَابِ قَوْسِينَ مَجْرُوبُ رُتَبِ
 الْمُسْتَرْفِينَ وَرَبُّ الْمَغْرِبِينَ جَدُّ الْعَسَنِ
 وَالْحَسَنِ حَوْلُنَا وَحَوْلَ الْمُتَقَلِّينَ إِلَى
 الْفَاقِسِ مُحَمَّدِ بْنِ عَبْدِ اللَّهِ نَوَافِلُ
 الْمُنِيرِينَ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
 الْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي هَدَانَا لِهَذَا وَمَا كُنَّا لِنَهْتَدِيَ لَوْلَا أَنْ هَدَانَا اللَّهُ إِنَّ رَبَّنَا إِنَّ رَبَّنَا لَكَنُورٌ
 وَبِهِ تَهْتَدُونَ

विद्विजल्लाहि राहमानि रहीम

अल्लाहुम्मा सल्लि अल्ला साविदेना व भवताना मुहम्मदिन
 साहिबिबीन वलमेअगानि वल जुराकि वल अलमि० दाहिनिअल वलाइ
 वल वबाई वल कहते वल म-र-नि वल अल-मि० हुसुसु मकनुमुम्भर-
 कुउम्भ शम्नुम्भनकुनुन फिल्लवाहि वल कलम सविधिल अ-राबि वल
 अ-न-मि० शमाहि जुहा० बदीर जुनुआ० सद दिल उला०
 नुरिलहुदा० कहाकिल वरा० मिराबाहि जुनुल-मि नमी- रशियाभि०
 शकल-मि० साहिबि जुदि वल क-र-मि० वल्लाहु अलसिमुद व निमील
 खादिमुद वल जुहाकु वलमेअगानु स-फ-कुद व सिररतुल मुनतहा
 मकामुद व कमा कलसयनि मतलुद वल मतलुद मकामुद वलमकामुद
 मयमुदुद सविधिल मुरसलीना खालमन बिर्वाणा शफीअल मुन्निबीना
 अनीसिल मग़िबीना रहमतिल्लि अलमानी राहतिल अशिकीना
 मुयादिल मुराताकीना शमासिल आरिफीना सिरा निससालिकीना
 मिरबाहिल मुक़ादीना मुहिबिल मुकु-राई वल गुर-बाई वल मसाकीना
 सल्लोदिरासक-लयनि नोबिअल ह-र-मयानि इमालि किब लतयनि
 वसीसतिना फिरदायानि साहिबि क़ाब क़वसयनि महबूब रीबन
 मशरिफयनि वल मग़िबयनि जदीदल ह-सीसनि वलहुसयनि मय लाना
 व भवल-स-क-लयनि आबिल क़ा-सिमि मुम्भदिनि आबिल्लाहि
 नुरिभिन्न नरिल्लाहि या अयुहल मुराताक़ा निनूरे जमालिहि सल्ल०
 अलैहि व अलिहि व असहाबिहि व सल्लिमु तसलीमा०

गुरु करता है अल्लाह के नाम से जो बड़ा मेहरबान और रहम
 करने वालों के साहिबे सान, मेरान और गुराक़ और निबान के दूर
 मुहम्मद पर जो साहिबे सान, मेरान और गुराक़ और निबान के दूर
 करने वाले है सल्लि, दवा कहल (अकल) बीमारी और दर्द के नाम
 उनका सिखा गया है मुल्तद किया गया है नफ़ा किया गया है सोह
 व कलम के बीच मे सरदार है अराब व अरब के निराम उनका
 बड़ा पाक छुरदूआ पाक़ीना हरम व कमा के बीच रोशन है ग़ुल
 चारल के बाद के अयेरी गल के पानर नगीन मुल्तद के, ग़ुल
 सीमी राह के, पनाह लोपो के, चारा अयेरी के। नेक आदती बाल
 बख़्शाने वाले उम्मतों के साहब बाख़िशान और जुजुगी के और
 अल्लाह निगहबान वाले उम्मतों के साहब बाख़िशान और जुजुगी के
 और अल्लाह निगहबान है उनका और निमील सेवक है उनके और
 गुराक़ है सबासी उनकी और मेअरान साफ़ है उनका और सिररतुलमुन
 तहा (जो बेसी है आरमान पर) मक़ाम है उनका और क़ाब क़ौसेन
 (अल्लाह का दीवार) मतलुद उनका, ग़ुल मतलुद है मक़ाम है उनका
 और मक़ाम उनके पास भीनूद है। सरदार रतुल्लों के, खातम सब
 नज्दों के बख़िशाने गुमहागरी के, दुखियों और मुसाफ़िरी के, नहान
 के लोपो के बाले रहम है। आशिकों के आगम के, मुयलकों की
 गुराद के ग़ुल, छुरा के बाहने बालों के चराग, अल्लाह की राह
 पर चलने बालों के चराग, खात लोपो की दोस्त रखने वाले मोहलानों
 गरीबी के ज़िन्न व इनानों के सरदार। ह्मावे बीच दुनिया व
 आख़िरत का बसीला दनोबला दो कमानों के बराबर, परवरिशगार
 के महबूब दो मशरिक और दो मशरिक के नाना इमाप हसन व इमाम
 हुसैन के, मालिक ह्मावे और मालिक ज़िन्न व इमानों के। कुनीयत
 अबुल कासिम नाम मुहम्मद बेदे अबुल्लाह के। एक ग़ुल मे अल्लाह
 के ग़ुल से। ऐ आशिको ग़ुल ज़पाह हज़रत मुहम्मद सल्ल० पर दरद
 वेनो उनके ऊपर उनकी आलाह और उनके दोस्तों पर सलाम वेनो।

رہنما رہنے کی دعا
 رोजا رکھنے کی دعا

issuu.com/abdul23/niall/odisha

وَيَسِّرْهُ عَلَيَّ يٰرَبِّ اِنَّكَ رَءِيفٌ رَحِيمٌ

’یہ ہمارے لیے آسان کر دے یا رب! تو بہت مہربان اور رحم کرنے والا ہے۔‘

روزہ رکھنے کی دعا

اَللّٰهُمَّ اِنِّیْ لَکَ مُتَمَسِّکٌ وَبِکَ اَمْتٌ وَ

عَلَیْکَ تَوَكَّلْتُ وَطَلَّ بِرَبِّیْکَ الْفَرَسُ

’اے خدا! میں تجھ سے پیوستہ کرتے ہیں اور تجھ ہی سے تمنا کرتے ہیں۔‘

’اے اے اللہ! تجھ سے تمنا کرتے ہیں اور تمنا کرتے ہیں۔‘
 اور اے اللہ! میں تجھ سے تمنا کرتے ہیں اور تمنا کرتے ہیں۔‘